शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार

एन0आई0ओ0एस0 स्कूल प्रोजेक्ट

2020-21

सहायक सामग्री

कक्षा-दसवीं

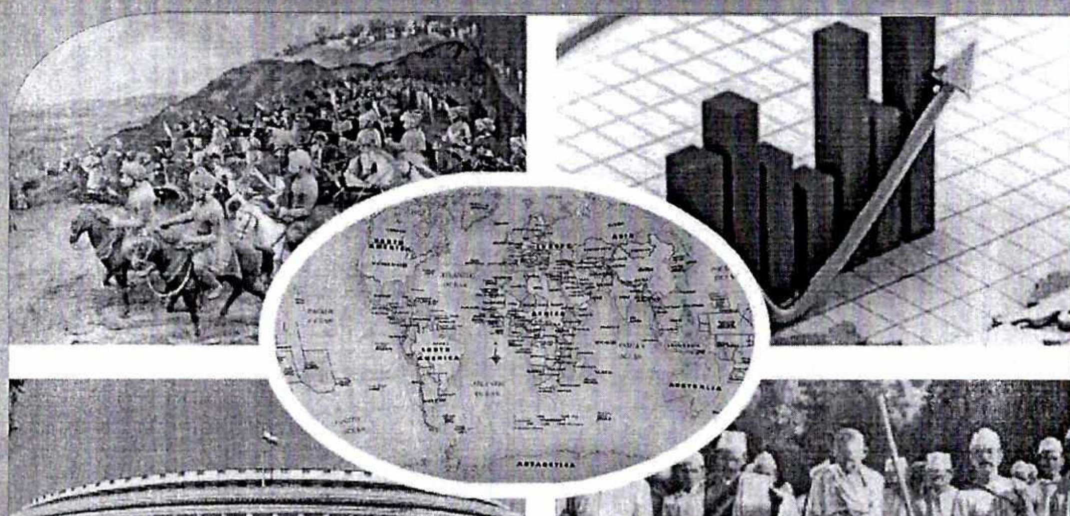

सामाजिक विज्ञान-213

एन0आई0ओ0एस0 बोर्ड के पाठ्यक्रम पर आधारित

NIOS SCHOOL PROJECT

Directorate of Education, GNCT of Delhi

SUPPORT MATERIAL
(2020-21)
Class : X

213- Social Science

Under the Guidance of

Mr. H. Rajesh Prasad
Secretary (Education)

Mr. Udit Prakash Rai
Director (Education)

Ms. Afsan Yasmin
Addl. DE. (NIOS School Project)

Dr. Rajvir Singh
DDE (NIOS School Project)

Coordination

Mr. Angad Kumar Pandey
OSD
(NIOS School Project)

Academic Advisor

Mr. G.D. Kanaujia
OSD
(Patrachar Vidyalaya, DoE)

MANISH SISODIA
मनीष सिसोदिया

DEPUTY CHIEF MINISTER
GOVT. OF NCT OF DELHI
उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार
DELHI SECTT, I.P. ESTATE,
दिल्ली सचिवालय, आई०पी०एस्टेट,
NEW DELHI-110002
नई दिल्ली–110002
Email. msisodia.delhi@gov.in

सत्यमेव जयते

D.O. No.: Dy.CM/2021/140
Date: 17.03.2021

MESSAGE

In the recent years, a significant transformation has taken place in the infrastructure and quality of education in Government Schools of Delhi. A number of Historic steps have been taken by the Delhi Government to ensure that our students receive world class education. NIOS School Project has come up with Support Material for the students of Class X in various subjects. Availability of sufficient and good quality examination material, adequate practice and guidance are keys to doing well in the examinations. It is learnt that the Support Material developed by dedicated, committed and knowledgeable teachers and coordinators has summary of chapters in bullet points followed by important questions categorized marks-wise.

I am sure that the Support Material, prepared by the NIOS School Project will stand in good stead for all students and prove immensely helpful in their preparation for examinations.

My sincere compliments to all teachers and coordinators who have made valuable contributions to its development. I also convey my best wishes to all the students for success in the coming examination.

(MANISH SISODIA)

H. RAJESH PRASAD
IAS

प्रधान सचिव (शिक्षा/प्रशिक्षण व तकनीकी शिक्षा/ उच्च शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

सत्यमेव जयते

Pr. Secretary (Education/TTE/ HE)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

MESSAGE

I am happy to learn that the NIOS Team and Patrachar Vidyalaya of the Directorate of Education has prepared Support Material for students who are going to appear for Class X exam through the NIOS in the session 2020-21.

This year, more than in any other year, our students need extra support, guidance and easily comprehensible material which can be readily used for examinations.

This Support Material is the result of immense hard work, coordination and cooperation of teachers and coordinators of various schools. It is hoped that this material will be of immense help to students and teachers alike. The purpose of the Support Material is to impart ample practice to the students for preparation of exams.

This Support Material is based on the syllabus given by NIOS for the Academic Session 2020-21 and covers different level of difficulties.

I congratulate the entire team led by Sh. Rajvir Singh, DDE NIOS School Project for their sincere efforts to bring out the Support Material in such a short time.

I wish all the students for their success.

(H. Rajesh Prasad)

UDIT PRAKASH RAI, IAS
Director, Education & Sports

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

सत्यमेव जयते

No. PS/DE/2021/56

Dated : 12/03/2021

संदेश

आधुनिक विश्व के इतिहास में शायद यह पहला अवसर है जब औपचारिक शिक्षा के केंद्र विद्यालय, महाविद्यालय इत्यादि कोरोना के चलते तनिक असहज दिखाई दे रहे हैं ; जबकि अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम जैसे NIOS या देश भर में फैले मुक्त विश्वविद्यालय गर्व के साथ अपनी जिम्मेवारी का निर्वाह निर्बाध रूप से कर रहे हैं।

मैं देख पा रहा हूँ कि आगे आने वाले समय में, शिक्षा प्राप्ति के अनौपचारिक माध्यम भी उतने ही महत्वपूर्ण होते चले जाएंगे जैसे कि अब तक स्कूल व कॉलेज रहे हैं।

अतीतमें NIOS की प्रमाणिकता को लेकर विद्यार्थियों में कुछ शंकाएं रहती थीं । गत दो वर्षों में शिक्षा निदेशालय ने भरसक प्रयास किया है कि NIOS को लेकर हमारे विद्यार्थियों के संदेह व संशय दूर हों और उससे भी बढ़कर यह प्रयास रहा है कि हमारे विद्यार्थी गली-बाज़ारों में NIOS के नाम पर चलाये जा रहे गोरख धंधों में न फँसें और वे सीधे शिक्षा निदेशालय के NIOS प्रकोष्ठ से संपर्क करें।

इसीक्रम में NIOS में नामांकित हुए अपने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शिक्षा निदेशालय ने एक नयी पहल की है । दसवीं कक्षा के पांच प्रमुख विषयों पर पहली बार Support Material तैयार किया गया है।

मैंने देखा है कि इसमें पहले तो पाठ को बड़ी ही सरल भाषा में संक्षेप में समझाया गया है और उसके बाद ठीक वैसे ही प्रश्नों का संग्रह तैयार कर Practice Papers तैयार किये गये हैं जैसे कि NIOS के प्रश्न पत्रों में होते हैं। मैंआशा करता हूँ कि हमारे छात्र-छात्राएं इस Support Material का भरपूर उपयोग करेंगे जिससे कि वे परीक्षाओं को और भी ज्यादा सहज भाव और आत्मविश्वास से Face कर सकें।

NIOS के उप शिक्षा निदेशक डॉ.राजवीर सिंह तथा उनकी टीम के सभी अध्यापकों की `लगन व मेहनत की भी मैं भूरी भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ, जिसके फलस्वरूप यह सहायक सामग्री आज हमारे हाथों में है।

मेरी शुभकामनाएं।

उदित प्रकाश राय
14/3/21

OFFICE OF THE REGIONAL DIRECTOR (PV/NIOS)
DIRECTORATE OF EDUCATION
GNCT OF DELHI
FU-BLOCK, PITAMPURA, DELHI

MESSAGE

It gives me immense pleasure and sense of satisfaction to forward the support material prepared by a team of dedicated teachers and coordinators designated as Core Academic Unit Members for the benefit of the NIOS project students appearing in the Annual Exam 2021.

The purpose of providing support material is to make available ready-to-use study material, which can be relied on for success in examination - 2020-21.

The use of support material by the teachers and students will make their teaching and learning more effective and enjoyable. I hope it will be a comprehensive guide to students and teachers alike. I would like to congratulate all the Core Academic Unit Members for their tireless and valuable contribution. I wish success to all the students.

(Dr. AFSHAN YASMIN)
ADDL. DIRECTOR
(NIOS SCHOOL PROJECT)

उप–शिक्षा निदेशक
पत्राचार विद्यालय एवं
एन0आई0ओ0एस0 प्रोजेक्ट

संदेश

प्रिय विद्यार्थियो,

शैक्षणिक सत्र 2020–21 पूर्णता की ओर अग्रसर है, बोर्ड परीक्षाएं भी नज़दीक हैं। वैश्विक महामारी के चलते सत्र पर्यन्त कक्षाएं भी सुचारू रूप से नहीं चल सकीं। ऐसे कठिन समय में एन0आई0ओ0एस0 स्कूल प्रोजेक्ट के विद्यार्थियों के लिए एक ऐसी सहायक सामग्री की नितान्त आवश्यकता थी जोकि बिन्दुपरक व परीक्षोपयोगी हो। इसी को ध्यान में रखकर विषय–विशेषज्ञों के द्वारा एन0आई0ओ0एस0 के विद्यार्थियों के लिए सहायक सामग्री को तैयार किया गया है। कोर ग्रुप की सभी टीमें बधाई की पात्र हैं जिन्होनें इतने कम समय में यह सामग्री तैयार की है। शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत चलने वाले एन0आई0ओ0एस0 स्कूल प्रोजेक्ट में पहली बार यह कार्य प्रारम्भ किया गया है। इन प्रयासों को सफलता तभी मिलेगी जब आप सभी विद्यार्थी इस सत्र में अच्छे अंकों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करेगें। आप सभी के लिए एन0आई0ओ0एस0 बोर्ड से दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अपने विद्यालय में ही अथवा सम्बन्धित राजकीय विद्यालय में ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश की व्यवस्था सुनिश्चित है। इस कार्य की सफलता हेतु शिक्षा निदेशक श्री उदित प्रकाश राय, आई0ए0एस0 का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ जिनके उत्साहवर्धन एवं सक्रिय सहयोग से यह पावन कार्य सम्भव हो सका।

आप इस सहायक सामग्री को नियमित रूप से मन लगाकर पढ़ें, दिए गये प्रश्नों का अधिकाधिक अभ्यास करें, मुझे विश्वास है कि ऐसा करने से आप न सिर्फ उत्तीर्ण होंगें बल्कि अच्छे अंक भी प्राप्त कर सकेंगे।

आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाओं के साथ मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

आपका शुभेच्छु

डा0 राजवीर सिंह
उप–शिक्षा निदेशक
(पत्राचार विद्यालय / एन0आई0ओ0एस0 प्रोजेक्ट)

Text of Article 51-A

PART IVA

FUNDAMENTAL DUTIES

51A. Fundamental duties.-It shall be the duty of every citizen of India—

(a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;

(b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;

(c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;

(d) to defend the country and render national service when called upon to do so;

(e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;

(f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;

(g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers and wild life, and to have compassion for living creatures;

(h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;

(I) to safeguard public property and to abjure violence;

(j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;

(k) who is a parent of guardian to provide opportunities for education to his child or, as the case may be, ward between the age of six and fourteen years.

मौलिक कर्तव्य की संख्या 11 है, जो इस प्रकार हैं :

1. प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्र गान का आदर करें।
2. स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करें।
3. भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण रखें।
4. देश की रक्षा करें।
5. भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें।
6. हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें और उसका निर्माण करें।
7. प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करें।
8. वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करें।
9. सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखें।
10. व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करें।
11. माता-पिता या संरक्षक द्वारा 6 से 14 वर्ष के बच्चों हेतु प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना (86वां संशोधन)।

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the unity and integrity of the Nation;

WE DO HEREBY GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.

भारत का संविधान

उद्देशिका।

हम, भारत के लोग, भारत को एक [सम्पूर्ण प्रभुत्व - सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की स्वतंत्रता

प्रतिष्ठा और अवसर की समता

प्राप्त करने के लिए,

तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और [राष्ट्र की एकता और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढाने के लिए

हम दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को आत्मार्पित करते है।

DIRECTORATE OF EDUCATION
Govt. of NCT of Delhi

SUPPORT MATERIAL
(2020-21)
Class : X

213
SOCIAL SCIENCE

NOT FOR SALE

Prepared By: NIOS SCHOOL PROJECT

हमारा प्रयास

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, माधयमिक स्तर के सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में आपका स्वागत करता हैं।

- ❖ सामाजिक विज्ञान की इस सहायक सामग्री द्वारा विस्तृत पाठ्यक्रम को सरल एवं स्पष्ट भाषा में संक्षिप्त रूप देने का प्रयास किया गया है।
- ❖ इस सहायक सामग्री में अध्याय की शुरुआत में मुख्य बिन्दुओ के द्वारा अध्याय की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला गया हैं।
- ❖ परीक्षा के प्रश्न पत्रें को धयान में रखते हुए अध्याय की विषय वस्तु में अति लघु उतर, लघु उतर, दीर्घ उत्तर प्रश्नों का उत्तर सहित समावेश किया गया है।
- ❖ इतिहास व भूगोल से संबंधित मानचित्रें की रूपरेखा बनाकर सुगमता से समझने योग्य बनाया गया हैं।
- ❖ सहायक सामग्री के अंत में नमूना प्रश्न पत्र दिए गए हैं जो विधार्थियों को प्रश्न पत्र के प्रारूप को समझने के लिए मार्गदर्शन करेंगे।
- ❖ परीक्षा की तैयारी के लिए यह सामग्री विधार्थियों को निश्चित रूप में उपयोगी संसाधान के रूप में मिलेगी।
- ❖ इस सहायक सामग्री को बाल केन्द्रित बनाने का प्रयास किया गया है। यद्यपि त्रुटियों को खत्म करने के लिए हर सम्भव प्रयास किया गया है। लेकिन पूर्णता का दावा करना बहुत मुश्किल हैं हम, सभी पाठकों के सुझावों का सम्मान करते हैं सहायक सामग्री में बदलाव की प्रक्रिया में आपके सुझाव अमूल्य होंगे।

एनआईओएस शिक्षक समूह

LIST OF GROUP LEADER, SUBJECT EXPERTS, DATA ENTRY OPERATOR & OTHER STAFF FOR PREPARATION OF SUPPORT MATERIAL

CLASS-X

SUBJECT: 213-SOCIAL SCIENCE

GROUP LEADER			
S.No.	**Name**	**Designation**	**NIOS Study Centre/School**
1.	Sujata Mehra 2020131	Coordinator	SKV, B-3, Paschim Vihar 1617011
2.	Alka Uppal 2020061	Coordinator	SKV, BL-Block, Shalimar Bagh, 1309030

SUBJECT EXPERTS			
S.No.	**Name**	**Designation**	**NIOS Study Centre/School**
1.	Ashok Kumar Dayma 2014275343	TGT Social Science (Guest Teacher)	GB Pant SBV, Sriniwaspuri 1924001
2.	Rukshar 2017117949	TGT Social Science (Guest Teacher)	RRV SKV, B-Block, Nand Nagri 1106022
3.	Sushma 2017043724	TGT Social Science (Guest Teacher)	GGSSS, Janta Flats, Nand Nagri 1106115
4.	Jyoti 2017097069	TGT Social Science (Guest Teacher)	SKV, Malviya Nagar 1923046
5.	Manisha 2014167809	TGT Social Science (Guest Teacher)	SKV, BL-Block, Shalimar Bagh 1309030

DATA ENTRY OPERATOR			
S.No.	**Name**	**Designation**	**School/Branch**
1.	Tajinder Gill 20140471	Data Entry Operator	GGSSS, Shahabad Dairy 1310025

LOGISTICS & TECHNICAL SUPPORT			
S.No.	**Name**	**Designation**	**School/Branch**
1.	Bhanu Pratap Awasthi 20112093	TGT English	DTE-Patrachar Vidyalaya 5000005

सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम
(माध्यमिक)

लक्ष्य

मानव समाज का अध्ययन जटिल है। इसमें सामाजिक संबंधों के ढांचे और संजाल का अध्ययन किया जाता है। समाज को जानने समझने के लिए अनेक विषयों की सूचना की जरूरत होती है। इसलिए सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए इतिहास, नागरिक शास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र और मानवशास्त्र की चीजें शामिल की हैं।

सामजिक विज्ञान छात्रों को समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक–सांस्कतिक और आर्थिक पहलुओं का ज्ञान और समझ हासिल करने में सक्षम बनाना चाहता है। यह उन्हें महत्वपूर्ण मूल्य ग्रहण करने और एक जवाबदेह नागरिक के रूप में विकसित होने में मदद करता है। यह राष्ट्र के निर्माण और विकास की प्रक्रिया में हिस्सा लेने तथा योगदान करने के लिए छात्रों को प्रेरित करता है।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य है:

- धारावाहिकता, परिवर्तन और विकास की उस प्रक्रिया की समझ बढ़ाना जिससे मानव समाजों का कम विकास हुआ है;
- राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों और नीतियों के बुनियादी खाके को ध्यान में रखते हुए व्यापक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में समकालीन भारत की समझ विकसित करना;
- भारत के स्वतंत्रता संग्राम की मुख्य बातों की जानकारी और उसके मूल्यों तथा आदर्शों की समझ बढ़ाना;
- भारत की प्राकतिक और सांस्कतिक विरासत की समद्वि और विविधता से परिचित कराना तथा उनके संरक्षण पर जोर देना;
- भारतीय संविधान में दर्ज मूल्यों को आत्मसात करने में पाठकों की मदद करना और एक लोकतांत्रिक समाज में एक सजग नागरिक की तरह अपने अधिकारों और कर्तव्यों के निर्वाह के लिए उन्हें तैयार करना;
- देश की नागरिक और राजनीतिक संस्थाओं की सरंचना ओर कार्य प्रणाली के बारे में छात्रों की समझ विकसित करना;
- भौगोलिक परिस्थितियों और परिदश्य के बारे में अन्तःदष्टि विकसित करना और उनके संरक्षण, उचित देख–रेख और गुणवत्ता में सुधार की जरूरत पर जोर देना।
- छात्रों को अपने प्राकतिक एवं मानव संसाधनों से तथा उनके सुव्यवस्थित एवं टिकाऊ विकास के तरीकों से अवगत कराना;
- व्यापक विश्व परिप्रेक्ष्य में समकालीन भारत के मुद्दों और चुनौतियों की जानकारी विकसित कराना;

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भारत की भूमिका की समझ बढ़ाना।

1. माड्यूल : मानव समाज का कम विकास (17 अंक)

प्रस्तावनाः इस माड्यूल का उद्देश्य पाठकों को मानव समाज के कम विकास की सरसरी जानकारी देना है। यह पाठकों को उन विभिन्न चरणो की जानकारी देता है जिससे गुजर कर मानव समाज मौजूदा दौर में पहुंचा है। यह सामाजिक कम विकास और प्रगति मे सामूहिक मानव प्रयास को मुख्य शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। इस माड्यूल में छात्रों को समकालीन युग के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के रूबरू कराया गया है।

इकाई I : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

(क) प्रागैतिहासिक समाज; प्राचीन सभ्यताएं – कांस्य युग, लौह युग

(ख) मध्यकालीन विश्व–धार्मिक और सांस्कतिक विकास तथा सामंती व्यवस्था की मुख्य विशेषताएं।

(ग) आधुनिक काल की शुरूआत–आधुनिक विज्ञान का उदय, औद्योगिक कांति, अमेरिकी, फांसीसी और रूसी कांति, लोकतंत्र के लिए आंदोलन, एशिया और अफ्रीका का उपनिवेशीकरण

(घ) पहला विश्व युद्ध, लीग ऑफ नेशन्स, फासीवाद और नाजीवाद का उदय, दूसरा विश्व युद्व

इकाई II : समकालीन विश्व

(क) संयुक्त राष्ट्र : उद्देश्य एवं कार्य, प्रमुख अंग; नए आजाद देशों का उदय, तीसरी दुनिया के देशों में शांति और विकास, शीत युद्ध और गह युद्ध।

(ख) विश्व व्यवस्था के मुद्दे (1945से) : शीत युद्ध और प्रभाव क्षेत्र, सोवियत संघ का विघटन।

(ग) उभरता वैश्विक गांव : सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रादुर्भाव, राष्ट्रीय सरहदों से व्यक्तियों, विचारों, मालों और मुद्राओं का बढ़ता प्रवाह।

2. माड्यूल : भारत : प्राकतिक परिवेश, संसाधन और विकास (15 अंक)

प्रस्तावना : यह माड्यूल छात्रों को परिवेश, संसाधनों और विकास के बीच के अंतर्सबंधों से अवगत कराती है। यह उन्हें परिवेश के बुनियादी तत्वों और उसकी गत्यात्मकता को समझने में सक्षम बनाता है। यह धरती पर पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने की जरूरत को भी उजागर करती है ताकि समूचा जीवन जिसका कि मानव महज एक हिस्सा है, इस धरती पर टिका रहे और फलता–फूलता रहे।

यह माड्यूल छात्रों को प्राकतिक संसाधनों को उसकी समग्रता में और विकास को अनवरत आधार पर समझने में मदद करती है। इस माड्यूल में हम मुख्य रूप से विभिन्न प्राकतिक और मानव निर्मित संस्थानों, उनके वितरण, उपयोगिता और उसके संरक्षण तथा प्रबंधन की चर्चा करेंगे।

इकाई I : भारत : प्राकतिक परिवेश

(क) भारत : अवस्थिति; प्राकतिक परिवेश भूमि, जल, वायु, प्राकतिक पादप
(ख) भू–आकति : उभार एवं निकासी – देश में नदियों की भूमिका, नदियों का प्रदूषण एवं उसकी रोकथाम
(ग) जलवायु : जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक, मानसून – उसकी विशेषताएं, वर्षा का वितरण और तापमान; ऋतु चक्र; जलवायु एवं मानव जीवन; प्राकतिक पेड़ पौधें और वन्य जीवन

इकाई II : प्राकतिक संसाधन - उपयोग और सतत विकास

(क) भूमि एवं जल संसाधन – मदा निर्माण, प्रकार एवं वितरण
(ख) परिवर्तनशील भूमि – उपयोग के रुझान, भूमि क्षरण एवं संरक्षण के उपाय।
जल संसाधन – भूजल और सतह (नदी) जल, किल्लत, प्रदूषण, संरक्षण और प्रबंधन की आवश्यकता, जल संरक्षण
(ग) खनिज एवं ऊर्जा संसाधन : खनिज की किस्में, वितरण, खनिज के उपयोग और आर्थिक महत्व, संरक्षण
ऊर्जा संसाधन : ऊर्जा संसाधनों की किस्में – पारंपरिक एवं गैर – पारंपरिक, वितरण, उपयोग और संरक्षण
(घ) कषि : खेती की किस्में, प्रमुख फसलें, बदलता फसल अनुक्रम, प्रौद्योगिक और संस्थागत सुधार तथा उसका प्रभाव, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कषि का योगदान – रोजगार एवं उत्पादन, खाद्य सुरक्षा।
(ड.) उद्योग : प्रकार, भौगोलिक वितरण एवं बदलता अनुक्रम, राष्ट्रीय आय में उद्योग का योगदान।
(च) परिवहन एवं संचार
(छ) हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण का प्रभाव

3. माड्यूल : भारत : लोग, समाज एवं संस्कति (12 अंक)

प्रस्तावना : यह माड्यूल जनसांख्यिकीय विशेषताओं, सांस्कतिक विविधताओं और एक संसाधन के रूप में जनसंख्या के महत्व को समझने में छात्रों की मदद करना चाहता है। सांस्कतिक पहलुओं में संस्कति का अर्थ, खासकर भारतीय संदर्भ में, सांस्कतिक विविधता और भौतिक परिदेश से उसका संबंध शामिल है। यह हमारी बहुसांस्कतिक विरासत की समद्धि और आने वाली पीढ़ियों के लिए उसे संरक्षण पर जोर देता है।

इकाई I : लोग और समाज

(क) लोग : जनसांख्यिकीय पहलू – एक संसाधन के रूप में जनसंख्या मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों स्तर पर, मानव क्षमता सर्वोत्तम बनाने की आवश्यकता, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति।

(ख) सामाजिक ढांचा

इकाई II : हमारी सांस्कतिक एकता और विरासत

(क) संस्कति – संस्कति का अर्थ, संस्कतियों को प्रभावित करने वाले कारक, संस्कति के विभिन्न अवयव – परंपरा, सौंदर्यशास्त्र, कला, वास्तुशास्त्र, साहित्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आस्थाएं एवं अनुष्ठान, धर्म, अनेकता में एकता।

(ख) भारत की सांस्कतिक विरासत : विरासत का संरक्षण : जरूरत और उनके संरक्षण के उपाय।

4. माड्यूल : भारत का मुक्ति संग्राम (15 अंक)

प्रस्तावना : यह माड्यूल पाठकों को भारत के राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास से परिचित कराएगा। यह भारतीय मुक्ति संग्राम के अनूठे सामाजिक–सांस्कतिक बुनियादों पर जोर देना चाहता है। देश के विभिन्न हिस्सों और तबकों ने आजादी के लिए जो बेमिसाल कुर्बानियां दी, यह उस पर केन्द्रित करना चाहता है। यह पाठकों को एक आमूल चूल परिवर्तित सामाजिक व्यवस्था की दष्टि से परिचित कराना चाहता है।

इकाई I : भारत में ब्रिटिश राज का प्रभाव और प्रतिरोध आंदोलन
इकाई II : धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन – सरोकार एवं उपलब्धियां
इकाई III : भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (1855-1947)

5. माड्यूल : नागरिक, राज्य एवं संविधान (13 अंक)

प्रस्तावना : यह माड्यूल संविधान के दर्शन को उजागर करना चाहता है। यह अच्छे नागरिक और उनके अधिकारों – कर्तव्यों के महत्व को रेखांकित करने के लिए तैयार किया गया है। यह देखा गया है कि लोग ज्यादा से ज्यादा अधिकारों को लेकर चिंतित रहते हैं। इसलिए जोर मौलिक अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्यों और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों पर दिया जाएगा। यह माड्यूल मानवाधिकारों और संबंधित संस्थाओं के महत्व को भी रेखांकित करता है।

इकाई I : हमारा संविधान

(क) संविधान का निर्माण

(ख) संविधान की प्रस्तावना और नागरिकता

इकाई II : नागरिक और नागरिकता

नागरिकता : अर्थ, अच्छे नागरिक के गुण, नागरिकता पाने और खोने के तरीके।

इकाई III : मौलिक अधिकार, कर्तव्य और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत

(क) मौलिक अधिकार : अर्थ और महत्व, मौलिक अधिकारों के संदर्भ में संविधान के प्रावधान।

(ख) मौलिक कर्तव्य : अर्थ, अधिकार और कर्तव्य का संबंध, मौलिक कर्तव्यों के संदर्भ में संविधान में प्रावधान

(ग) राज्यनीति के निर्देशक सिद्धांत : राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत का अर्थ, राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत के संबंध में संविधान में प्रावधान और उसका महत्व।

इकाई IV : मानवाधिकार

(क) अर्थ एवं परिकल्पना

(ख) मानवधिकार का महत्व

(ग) राष्ट्रीय एवं राज्य मानवाधिकार आयोग

6. माड्यूल : क्रियाशील लोकतंत्र (15 अंक)

प्रस्तावना : यह माड्यूल छात्रों को भारतीय लोकतंत्र की क्रियाशील संस्थाओं से परिचित कराना चाहता है। यह विभिन्न स्तरों पर – स्थानीय, राज्य और केन्द्र सरकारों की संरचना और क्रियाकलापों का वर्णन करता है। स्थानीय स्तर पर तीन संस्थाएं – पंचायती राज, नगर निगम प्रशासन और जिला प्रशासन को शामिल किया गया है। उसके बाद राज्य और केन्द्र सरकारें हैं। यह छात्रों को लोकतंत्र के सफल संचालन में नागरिक की सक्रिय भागीदारी की जरूरत से भी अवगत कराता है।

इकाई I : स्थानीय सरकार और क्षेत्र प्रशासन

(क) पंचायती राज व्यवस्था

(ख) नगरपालिका प्रशासन

(ग) जिला प्रशासन

इकाई II : राज्य सरकार

(क) राज्यपाल, मुख्यमंत्री

(ख) मंत्रिमंडल

(ग) राज्य विधायिका, उच्च न्यायालय, राज्य सचिवालय

इकाई III : केन्द्र सरकार

(क) संसद, राष्ट्रपति
(ख) प्रधानमंत्री एवं मंत्रिमंडल
(ग) उच्चतम न्यायालय, केन्द्रीय सचिवालय

इकाई IV : लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जन भागीदारी

(क) जनमत
(ख) राजनीतिक पार्टियां और दबाव समूह/हित समूह
(ग) चुनाव प्रक्रिया एवं सार्विक वयस्क मताधिकार

7. माड्यूल : समकालीन भारत : मुद्दे और चुनौतियां (13 अंक)

प्रस्तावना : आजादी के बाद भारत में प्रमुख उपलब्धियों के मद्देनजर यह यूनिट देश के समक्ष मौजूद कुछ राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों को चिह्नित करने की कोशिश करती है। इस माड्यूल का उद्देश्य राष्ट्र की महत्वपूर्ण समस्याओं के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाने और ईमानदारी से उसे हल करने पर जोर देना है।

इकाई I : राष्ट्र का निर्माण

(क) राष्ट्रीय एकता और धर्मनिरपेक्षता
(ख) सामाजिक और आर्थिक न्याय
(ग) महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाना और समान अवसर देना
(घ) सब को शिक्षा, सबका स्वास्थ्य : देश का शिक्षा एवं स्वास्थ्य परिदृश्य, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्रों में चुनौतियां, सरकार और गैर–सरकारी संगठनों के प्रयास।

इकाई II : पर्यावरण और उसका गुणात्मक सुधार :

पर्यावरण के अवयवः भूमि, जल, वायु, पेड़–पौधे और जीव–जंतु, पर्यावरण संबंधी मुद्दों के हल के प्रति समग्र दष्टि – स्थानीय से वैश्विक एवं विपरीत, पर्यावरणीय क्षरण, प्रदूषण, गुणात्मक सुधार के उपाय।

इकाई III : भारत और विश्व शांति :

भारत की विदेश नीति, राष्ट्र संघ में भारत की भूमिका; महाशक्ति के रूप में अमेरिका का उदय और दक्षिण एशिया, अफ्रीका और यूरोप में युद्ध।

विषय सामग्री

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
	मॉड्यूल–I : भारत तथा विश्व विभिन्न युगों में	
1.	प्राचीन विश्व	1
2.	मध्यकालीन विश्व	4
3.	आधुनिक विश्व–I	6
4.	आधुनिक विश्व–II	8
5.	भारत पर ब्रिटिश शासन का प्रभावः आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक (1757–1857)	10
6.	औपनिवेशिक भारत में धार्मिक एवं सामाजिक जागृति	13
7.	ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लोकप्रिय जन प्रतिरोध	16
8.	भारत का राष्ट्रीय आंदोलन	20
	मॉड्यूल–II : भारत प्राकृतिक पर्यावरण संसाधन तथा विकास	
9.	भारत का भौतीक भूगोल	24
10.	जलवायु	29
11.	जैव विविधता	32
12.	भारत में कृषि	36
13.	यातायात तथा संचार के साधन	40
14.	जनसंख्या हमारा प्रमुख संसाधन	48
	मॉड्यूल–III : लोकतंत्र की कार्यप्रणाली	
15.	संवैधानिक मूल्य तथा भारत की राजनीतिक व्यवस्था	51
16.	मौलिक अधिकार तथा मौलिक कर्तव्य	54
17.	भारत एक कल्याणकारी राज्य	58
18.	स्थानीय शासन तथा क्षेत्रीय प्रशासन	61
19.	राज्य स्तर पर शासन	64
20.	केन्द्रीय स्तर पर शासन	67
21.	राजनीतिक दल तथा दबाव समूह	71
22.	जनता की सहभागिता तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया	74
	मॉड्यूल–IV : समसामयिक भारत मुद्दे एवं चुनौतियाँ	
23.	भारतीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ	77
24.	राष्ट्रीय एकीकरण तथा पंथ निरपेक्षता	79
25.	सामाजिक आर्थिक विकास तथा अभावग्रस्त समूहों का सशक्तीकरण	81
26.	पर्यावरणीय क्षरण तथा आपदा प्रबन्धन	83
27.	शांति और सुरक्षा	87

अभ्यास हेतु प्रश्नपत्र

सामाजिक विज्ञान–1	i
सामाजिक विज्ञान–2	v
सामाजिक विज्ञान–3	x
सामाजिक विज्ञान–4	xv
सामाजिक विज्ञान–5	xx

1. प्राचीन विश्व

मुख्य बिन्दु :-

- नव पाषाण काल के अंत में धातु का इस्तेमाल शुरू हुआ। तांबा पहली धातु थी, जिसका इस्तेमाल मानव ने किया।
- पत्थर और तांबा दोनों के इस्तेमाल पर आधारित संस्कृतियों को ताम्र-पाषाण संस्कृति कहते हैं। कांसा तांबा और रांगा की मिश्र धातु है।
- मेसोपोटामिया का शाब्दिक अर्थ है, नदियों के बीच की जमीन। यह दजला और फरात नदियों के बीच स्थित थी और इसका आधुनिक नाम इराक है।
- मेसोपोटामिया वासियों के सामने दो चुनौतियां थी जैसे बाढ़ को काबू में करना और खेती के लिए जमीन की सिंचाई करना।
- मेसोपोटामिया की लिपि संकेत चिह्नों या चित्रों का समूह थी। बाद में वे फान जैसी लकीरें खींचते थे। यह लिपि कीलाक्षर कहलाती है।
- मिस्र को अक्सर नील नदी का तोहफा कहते हैं।
- प्राचीन मिस्र लिपि को चित्रलिपि या चित्राक्षर कहते हैं।
- चीनी सभ्यता उत्तरी चीन में ह्वांग हो नदी घाटी में फली-फूली है।
- भारत में कांस्य युगीन सभ्यता सिंधु घाटी और इसके अगल-बगल के क्षेत्रों में विकसित हुई। इसे इसके सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण शहरों में से एक शहर हड़प्पा के नाम से जाना जाता है, इसे ही हड़प्पा सभ्यता कहते हैं।

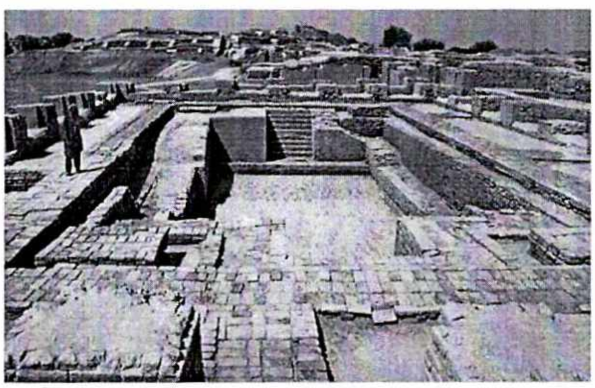

- प्राकृतिक आपदाएं हड़प्पा सभ्यता के पतन का सबसे महत्वपूर्ण कारण थी।
- यूनानी नगर-राज्यों में सबसे प्रसिद्ध एथेंस और स्पार्टा थे।
- रोम नगर मध्य इटली में टाइबर नदी के तट पर बसा है। पूर्व-रोमन समाज में तीन वर्ग थे कुलीन, आमजन और गुलाम।
- वैदिक काल का आरंभ करीब 1500 ईसापूर्व भारत में आर्यों के आगमन से हुआ।
- वैदिक युग को दो कालों में विभाजित किया जाता है : पूर्व वैदिक काल और उत्तर वैदिक काल।
- गौतम बुद्ध का जन्म लुंबिनी में 563 ई0पू0 में हुआ। 29 वर्ष की आयु में उन्होंने ज्ञान प्राप्ति की तथा चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग की शिक्षा दी।

- ऋषभनाथ जैन धर्म के संस्थापक थे तथा पहले तीर्थंकर थे। पार्श्वनाथ, 23वें तीर्थंकर तथा वर्द्धमान महावीर 24वें तीर्थंकर थे।
- महावीर का जन्म 540 ई0पू0 में कुंडाग्राम (वैशाली के निकट) में हुआ, 30 वर्ष की आयु में वह सन्यासी हो गये, 468 ई0पू0 में राजगीर के निकट पावापुरी में उनको निर्वाण प्राप्त हो गया।
- बिम्बसार, अजातशत्रु, महापद्मानंद तथा चंद्रगुप्त मौर्य ने शक्तिशाली महाजनपद मगध का विस्तार किया। अशोक (272-236 ई0पू0) क्रमशः गद्दी पर बैठे।
- कलिंग युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया और युद्ध का परित्याग कर दिया। वह एक परोपकारी राजा था और उसने अपनी प्रजा की भलाई के लिए ढेर सारे काम किये। 'धम्म' की उसकी नीति धार्मिक सहिष्णुता, बड़ों की इज्जत, बूढों की देखभाल, दया, सत्य और शुद्धता पर आधारित थी।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-मनुष्य ने सबसे पहले किस धातु का प्रयोग किया?

उ0 तांबा

प्रश्न2-मिस्र की लिपि को क्या कहते थे?

उ0 चित्राक्षर

प्रश्न3-बौद्ध धर्म के संस्थापक कौन थे?

उ0 गौतम बुद्ध

प्रश्न4-जैन धर्म का संस्थापक किसे माना जाता है?

उ0 ऋषभनाथ

प्रश्न5-उत्तर वैदिक काल के लोगों के मुख्य व्यवसाय क्या थे?

उ0 कृषि/ खेती बाड़ी

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1-रोम साम्राज्य कब और क्यों विभाजित हुआ?

उ0 वर्ष 395 में रोम साम्राज्य का विभाजन हुआ क्योंकि रोम का साम्राज्य सम्राट की इच्छा पर चलता था। लेकिन उसकी ताकत का दारोमदार सेना पर था। सैनिक जनरल आम तौर पर कमजोर सम्राटों का तख्तापलट कर देते थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-पूर्व वैदिक आर्यो के सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक जीवन का वर्णन करो?

उ0 **सामाजिक जीवनः** पूर्व वैदिक काल की जानकारी मुख्यतः ऋग्वेद से मिलती है, जो कि प्रथम वेद है। पूर्व वैदिक लोग प्रायः घुमन्तू जीवन व्यतीत करते थे। यहाँ समाज की इकाइयाँ परिवार, कुल और कबीला थी।

आर्थिक जीवनः उनकी अर्थव्यवस्था मुख्यतः पशुपालन पर आधरित थी। पशु-पालन आजीविका का मुख्य साधन था।

धार्मिक जीवनः यहाँ जाति-प्रथा नहीं थी। कबीले का मुखिया राजा कहलाता था, और देवी-देवताओं की पूजा की जाती थी, जिनमें इन्द्र सबसे प्रमुख था।

प्रश्न2-हड़प्पा सभ्यता की मुख्य विशेषताएं क्या थी?

उ0 हड़प्पा सभ्यता की खोज 1920 के दशक में हुई। इसकी मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. **नगर योजना** - हड़प्पा सभ्यता के लोग सुनियोजित नगरों में रहते थे। नगरों में चौड़ी सड़कें थी, जो समकोण पर एक दूसरे को काटती थी। मकान ईट के बने थे। यहाँ की सबसे प्रमुख विशेषता थी विशाल स्नानगृह।
2. **समाज और अर्थव्यवस्था** - हड़प्पावासी कृषि, पशुपालन, दस्तकारी, व्यापार और वाणिज्य में माहिर थे। मुख्य फसलें गेहूं, जौ, राई, तिल और मटर थीं। गाय, बकरी, भेड़, सांड, कुत्ते, बिल्ली, ऊंट और गधे जैसे जानवरों को पालतू बनाया जा चुका था। लोग अनाज, मछली, मांस, दूध, अंडे और फल खाते थे।
3. **धर्म और संस्कृति** - हड़प्पा सभ्यता में मातृदेवियों की मिट्टी की बनी मूर्तियां मिली हैं। मोहनजोदड़ो में एक पुरूष-देवता भी मिला हैं । जिसे शिव पशुपति का आदिरूप कहा गया है। विभिन्न स्थलों पर मिले ताबीज और जंतर आत्माओं तथा जादू टोने पर उनके विश्वास की ओर इशारा करते हैं।
4. **लिपि** - हड़प्पावासी एक लिपि का प्रयोग करते थे जिसको अभी तक नहीं समझा जा सका हैं ।

2. मध्यकालीन विश्व

मुख्य बिन्दु :-

- मध्यकाल को मध्ययुग भी कहते हैं। यह वह काल है जो प्राचीन काल के बाद और आधुनिक काल से पहले आता है। (प्राचीन काल-मध्यकाल-आधुनिक काल)
- भारत में मध्यकाल मेलजोल और संश्लेषण का युग था। इस काल में पुरानी और नई राजनीतिक-आर्थिक और सामाजिक व्यवस्थाएं आपस में घुली-मिलीं।
- मध्यकाल में रोमन साम्राज्य पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में बंट चुका था। पश्चिमी प्रांतों की राजधानी रोम था जबकि कुस्तुनतुनिया पूर्वी प्रांतों की राजधानी बना।
- जर्मनी कबीलों के हमलों के बाद पश्चिम में रोमन साम्राज्य ढह गया।
- सामंतवाद राजनीतिक प्रभुसत्ता का एक श्रेणीबद्ध संगठन था:

  राजा
  बड़े सामंत (ड्यूक और अर्ल)
  छोटे सामंत (बैरन)
  सामंतों की निम्न कोटी (नाईट)

- इस व्यवस्था में शीर्ष पर राजा खड़ा था। उसके नीचे खड़े थे बड़े सामंत जो ड्यूक और अर्ल के नाम से जाने जाते थे। उनके नीचे खड़े थे छोटे सामंत जो बैरन के नाम से जाने जाते थे। उनके नीचे नाइट थे जो शायद सामंतों की निम्नतम कोटि में आते थे।
- सारी जमीन जमीनदारों के पास होती थी जिसकी देखभाल वे स्वयं करते थे जिसे डीमेन्स के नाम से जाना जाता था।
- मध्यकाल में अरब में एक शानदार सभ्यता का उदय हुआ। इसके उदय का कारण वहां इस्लाम का जन्म होना था।
- इस्लाम धर्म के संस्थापक हज़रत मोहम्मद का जन्म करीब 570 ई0 में कुरैश कबीले में हुआ।
- तुर्कों और मुगलों के आगमन से भारत में संप्रभुता और शासन के नए विचार आए। उस समय की प्रशासनिक ईकाइयाँ :-
  1. इकता प्रणाली
  2. जागीरदारी
  3. मनसबदारी प्रणालियां

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-रोमन साम्राज्य की सारी शक्ति किसके हाथ में निहित थी?

उ0 सामंतों के हाथ में

प्रश्न2-मध्यकालीन यूरोप की अर्थव्यवस्था बुनियादी रूप से किस पर आधारित थी?

उ0 कृषि

प्रश्न3-सामंतों के नियंत्रण वाली समूची जमीन क्या कहलाती थी?

उ0 मेनर

प्रश्न4-मातहत जमीदारों को दिया गया सामंत का अनुदान क्या कहलाता था?

उ0 फीफ या युड्म

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1-सामंतवाद से आप क्या समझते हैं ?

उ0 ऐसी शासन व्यवस्था जिसमें राज्य की भूमि बड़े- बड़े जमीदारों के अधिकार में होती थी उसे सामंतवाद कहते थे।

प्रश्न2-इकता और जागीर के बीच क्या अंतर है ?

उ0

इकता	जागीर
इकता में प्रशासनिक जिम्मेदारी होती थी।	जागीर में प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं होती थी।
इकता मुगलों द्वारा सैनिक कमांडरों को दिए जाने वाली क्षेत्रों की इकाई थी।	जागीरदारी एक रुतबा या पद होता था ।

प्रश्न 3- मनसबदारों के कर्तव्यों को उजागर कीजिए।

उ0 मुगलों ने मनसबदार बहाल किए जो सैन्य और नागरिक जिम्मेदारियां निभाते थे। मनसब वास्तव में ओहदा या रुतबा होता था जो अधिकारी की योग्यता और उसके अधीन सैनिकों की संख्या के आधार पर तय होता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-इस्लाम की प्रमुख शिक्षाओं की चर्चा करें।

उ0 इस्लाम की प्रमुख शिक्षाएँ :-

1. 'इस्लाम' शब्द का अर्थ है धर्म की अधीनता और पालन, अर्थात ईश्वर के समक्ष संपूर्ण समर्पण।
2. इस्लाम के अनुसार ईश्वर एक है।
3. नेक जीवन बिताने के लिए कुरान की हिदायत पर अमल करना ।
4. सदाचार और दया-करुणा का जीवन बिताना ।

प्रश्न2-मध्यकालीन भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताओं की समीक्षा करें ।

उ0 मध्यकालीन भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ :-

1. अब राज्य और किसान या जागीरदारों जैसे भूस्वामी वर्ग के साथ कोई मनमाना संबंध नहीं रहा।
2. जमीन की अब पैमाइश की गई और उसके रकबे के मुताबिक भू-राजस्व निर्धारित किया गया।
3. यह कृषि के वाणिज्यकरण का दौर था और राज्य नकदी फसल को बढ़ावा देता था।
4. राज्य ने उन इलाकों में भी खेती को बढ़ावा दिया जहां उस वक्त तक खेती नहीं होती थी या जहां जंगल थे।
5. इस समय राज्य ने फसल नष्ट होने पर कर्ज दिए और राजस्व वसूली में भी राहत दी गयी।

3. आधुनिक विश्व-1

मुख्य बिन्दु :-

- पुनर्जागरण का शाब्दिक अर्थ पुनर्जन्म होता है।
- औद्योगिक क्रांति 1750 में इंग्लैंड में शुरू हुई। इसने समाज को दो भागों में बांट दिया। पूंजीवादी या पूंजीपति वर्ग और मजदूर वर्ग।
- पुनर्जागरण की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक था लोगों में समझदारी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आधुनिक विज्ञान का विकास।
- 1688 की गौरवपूर्ण क्रांति इंग्लैंड में हुई और दुनिया के लिए प्रेरणा का एक स्रोत बनी। इसे गौरवपूर्ण क्रांति कहा जाता है। क्योंकि बिना खून-बहाए इसे सफलता प्राप्त हुई थी।
- गौरवपूर्ण क्रांति ने एक संवैधानिक सरकार की स्थापना की।
- 18 वीं सदी में फ्रांसीसी समाज पूरी तरह सम्राट के पूर्ण अधिकार के साथ सामंती था।
- यह तीन वर्गो में विभाजित था:
  - पादरी या चर्च, पहला इस्टेट
  - कुलीन वर्ग या दूसरा इस्टेट
  - आम आदमी या तीसरा इस्टेट
- 1917 में रूस मे क्रांति हुई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वहाँ रूसी मजदूरों और किसानों और रूस में रहने वाले गैर रूसी लोगों की हालत जार निकोलस द्वितीय के निरंकुश शासन के अधीन खराब थी।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-अमेरिका को कितने उपनिवेशों में विभाजित किया गया था?

उ0 13

प्रश्न2-फ्रांस के तीसरे स्टेट में कौन शामिल थे?

उ0 आम लोग

प्रश्न3-जर्मन एकीकरण का नेतृत्व किसने किया?

उ0 बिस्मार्क

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- ''1688 की गौरवपूर्ण क्रांति विश्व के लिए प्रेरणा का एक स्रोत थी''। सिद्ध कीजिए।

उ0 गौरवपूर्ण क्रांति दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। क्योंकि यह निरंकुश शासन को बदलने में सक्षम हुई और बिना खून बहाए इसने सरकार को संवैधानिक रूप दिया।

प्रश्न2-औद्योगिक क्रांति के कारण समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन को पहचानें?

उ0 औद्योगिक क्रांति ने समाज को दो भागों में बांट दिया पूंजीवादी या पूंजीपति वर्ग और मजदूर वर्ग ।

प्रश्न3- रिनेसां (पुनर्जागरण) के मुख्य विचार क्या थे?

उ0 मानवतावाद, बुद्धिवाद, और जांच की भावना।

प्रश्न4- रुसी क्रांति समाजवाद की विचारधारा से प्रेरित थी। संक्षेप में व्याख्या करें।

उ0 समानता, स्वतंत्रता, भाषण और लोकतंत्र के विचारों ने फ्रांसीसी क्रांति और पुनर्जागरण ने समाजवाद के विचार को मजबूत बनाने में मदद की। इसने एक समान समाज को जन्म देने और राज्य के हाथ में उत्पादन के साधनों के स्वामित्व के नियंत्रण की वकालत की।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- फ्रांसीसी क्रांति के किन विचारों ने विश्व पर प्रभाव डाला?

उ0

1. फ्रांसीसी क्रांति ने विश्व में स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा दिया।
2. फ्रांसीसी क्रांति ने दुनिया में राष्ट्रवाद की भावना को लोकप्रिय बनाया।
3. फ्रांसीसी क्रांति ने निरंकुश शासन का अंत कर दिया।
4. फ्रांसीसी क्रांति ने गणतंत्र की स्थापना की और विश्व के अन्य देशों को भी प्रेरित किया।

प्रश्न2- औद्योगिक क्रांति के समय कारखानों में काम करने वाली महिलाओं की दशा को स्पष्ट कीजिए?

उ0 औद्योगिक क्रांति के समय कारखानों में काम करने वाली महिलाओं की दशा:-

1. उस समय कारखानों में काम करने वाली महिलाओं की दशा दयनीय थी, क्योंकि वो आवास, स्वास्थ्य और सफाई की सुविधाओं से वंचित थी।
2. उस समय महिलाओं को पुरूषों की तुलना में कम मजदूरी दी जाती थी।
3. महिलाओं को लम्बे समय के लिए कम मजदूरी पर काम करने के लिए मजबूर किया जाता था।
4. उस समय कारखानों की दशा खराब थी। कारखानों में खराब हवा, शोर, गंदगी और अँधेरा था जो उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक था।

4. आधुनिक विश्व-2

मुख्य बिन्दु :-

- औद्योगिक क्रांति की शुरुआत ब्रिटेन में भाप की शक्ति के उपयोग से शुरू हुई। यह 1769 में जेम्स वाट के भाप इंजन के आविष्कार के बाद संभव हुआ।
- भाप इंजन ने कोयला और लोहे के साथ आधुनिक उद्योगों की नींव रखी।
- परन्तु खानों से कोयले का ढकेलना जानवर, आदमी, औरत और बच्चों की ताकत पर पूरी तरीके से निर्भर था।
- औद्योगिक क्रांति का पहला चरण भाप पर निर्भर करता था, तो दूसरा चरण बिजली पर निर्भर था।
- औद्योगिक क्रांति के दौरान कारखाने के मालिकों का एक ही मकसद था लाभ कमाना ।
- कारखानों के मालिक श्रमिकों को लंबे समय तक के लिए कम मजदूरी पर काम करने के लिए मजबूर करते थे ।
- **साम्राज्यवाद** :-किसी दूसरे देश की राजनीतिक व आर्थिक जीवन पर नियंत्रण और शासन की विस्तार देने की इस प्रक्रिया को साम्राज्यवाद के रूप में जाना जाता है।
- साम्राज्यवादी शासन का उपनिवेशों पर कुछ सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जैसे-परिवहन और संचार की शुरुआत की।
- 9 अगस्त 1914 में जो प्रथम विश्व युद्ध शुरू हुआ, वह नवंबर 1918 तक जारी रहा।
- 24 अक्तूबर 1945 को सेनफ्रांसिस्को में एक सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र चार्टर को 50 देशों के सदस्यों द्वारा अपना लिया गया और संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।
- 1920 में स्थापित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय लीग संगठन की स्थापना हुई। जिसका मुख्य कार्यालय जिनेवा में रखा गया था।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-ब्रिटिश उद्योगों ने महिलाओं और बच्चों को रोजगार के लिए क्यों प्रोत्साहित किया?

उ0 क्योंकि वो कम मजदूरी में उपलब्ध हो जाते थे।

प्रश्न2-किन देशों ने ट्रिपल एलायंस का गठन किया?

उ0 ऑस्ट्रिया, जर्मनी, इटली

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1-साम्राज्यवाद को परिभाषित करें।

उ0 किसी दूसरे देश की राजनीतिक और आर्थिक जीवन पर नियंत्रण और शासन की विस्तार देने की इस प्रक्रिया को साम्राज्यवाद के रूप में जाना जाता है।

प्रश्न2- भारत पर साम्राज्यवाद के किन्हीं दो प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

उ0 भारत में अंग्रेज व्यापारियों के रूप में आये थे। लेकिन शासक बन गये। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया। भारत जो पहले कपड़ों का एक निर्यातक था अब उनका खरीदार बन गया है । इसके अलावा, भारी कराधान ने जनता की गरीबी का नेतृत्व किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य लिखिए?

उ0 संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य -

1. अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना।
2. देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों का विकास करना ।
3. आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को सुलझाना।
4. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना।
5. दुनिया के लोगों के लिए मानव अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता को बढावा देना।

प्रश्न2-प्रथम विश्व युद्ध के परिणामों की जांच कीजिए।

उ0 प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम:

1. प्रथम विश्व युद्ध को दुनिया की सबसे विनाशकारी और भयावह घटनाओं के रूप में देखा जाता है।
2. निर्दोष नागरिकों सहित एक लाख लोगों को उनके जीवन से हाथ धोना पड़ा।
3. यूरोपीय देशों में बड़े पैमाने पर संपत्ति का नुकसान हुआ।
4. देशों की अर्थव्यवस्था टूटने लगी और चारों तरफ सामाजिक तनाव, बेरोजगारी और गरीबी फैल गई।

5. भारत पर ब्रिटिश शासन का प्रभाव: आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक (1757 से 1857)

मुख्य बिन्दु :-

- 1498 में वास्को दी गामा नामक एक पूर्तगाली ने भारत आने का समुद्री मार्ग खोजा। परिणामस्वरूप अंग्रेज, फ्रेंच, पूर्तगाली और डच व्यापार के लिए भारत आये।
- यूरोपीय तथा ब्रिटिश आरंभ में भारत में व्यापार करने के उद्देश्य से आये थे।
- भारतीय इतिहास में आधुनिक काल की शुरूआत भारत में इन यूरोपीय शक्तियों के आने से हुई।
- इंग्लैंड भारत के साथ व्यापार नियंत्रित करने में सफल रहा और 1600 ई0 में ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना की।
- भारत में अंग्रेजों द्वारा पहली फैक्ट्री वर्ष 1613 में सूरत में स्थापित की गयी।
- 18 वीं सदी में भारत में भी आंतरिक सत्ता के लिए संघर्ष की स्थिति थी और मुगल साम्राज्य की शक्ति भी कम हो रही थी।
- वर्ष 1757 में प्लासी की और वर्ष 1764 में बक्सर की लड़ाई हुई ।
- लार्ड कोर्नवालिस ने वर्ष 1793 में बंगाल और बिहार में स्थायी बंदोबस्त की शुरूआत की।
- वर्ष 1822 में अंग्रेजों ने उत्तर-पश्चिमी प्रांत, पंजाब, गंगा घाटी और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में महलवारी बंदोबस्त शुरू किया।
- रैयतवारी बंदोबस्त 19वीं सदी के शुरुआत में बम्बई और मद्रास प्रेसीडेंसी के कई भागों में शुरू किया गया था। यहां भू-राजस्व रैयत या किसानों पर सीधे लगाया गया था और किसान स्वयं वास्तव में जमीन पर काम करता था।
- लार्ड बैंटिक ने वर्ष 1829 में सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया।
- ब्रिटिश संसद ने वर्ष 1813 में चार्टर अधिनियम जारी किया जिसके द्वारा भारत में पश्चिमी विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए एक लाख रुपये की राशि खर्च करने की बात कही गयी थी ।
- चार्टर अधिनियम में पश्चिमी विचारों और साहित्य का शिक्षण केवल अंग्रेजी भाषा के माध्यम से करवाने का निर्णय लिया गया। इस दिशा में वुड्स डिस्पैच 1854 ने अन्य निर्देश जारी किये।
- वुड्स डिस्पैच के निर्देश के कारण कलकत्ता, मद्रास और बंबई में 1857 में विश्वविद्यालय और सभी प्रांतों में शिक्षा विभाग स्थापित किए गए।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- भारत में ब्रिटिश किस रूप में आये थे?

उ0 व्यापारी के रूप में

प्रश्न2- मीर जाफर कहाँ के नवाब थे?

उ0 बंगाल के

प्रश्न3-ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में पहली फैक्ट्री कहाँ स्थापित की?

उ0 सूरत में

प्रश्न4-बक्सर का युद्ध कब हुआ?

उ0 वर्ष 1764

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1-ब्रिटिश भारत क्यों आए? कम से कम दो कारण दीजिए ।

उ0

(1) ब्रिटेन के उद्योगों के लिए कच्चा माल प्राप्त करने के लिए ।

(2) अपने तैयार माल के लिए बाजार को बढ़ाने के लिए ।

प्रश्न2-अंग्रेजों ने देशी राज्यों के अधिग्रहण के लिए कौन से दो मुख्य तरीके अपनाए?

उ0

(1) विलय की नीति।

(2) सहायक संधि।

प्रश्न3-ब्रिटिश भारत में महिलाओं की स्थिति सुधारने में मदद करने वाले दो कानूनी उपायों को संक्षेप में लिखे?

उ0 (क) **सती प्रथा** - जिसमें पत्नी को अपने पति की चिता के साथ जलाया जाता था इस पर वर्ष 1829 में प्रतिबंध लगा दिया गया।

(ख) **शारदा अधिनियम** - 14 वर्ष से कम आयु की लड़की और 18 वर्ष से कम आयु के लड़के के बाल विवाह को रोकने के लिए वर्ष 1929 में कानून पारित किया गया।

प्रश्न4-"फूट डालो और राज करो" ब्रिटिश नीति ने देश के राष्ट्रीय हितों को कैसे प्रभावित किया? समझाइये ।

उ0 "फूट डालो और राज करो" ब्रिटिश नीति देश का धार्मिक आधार पर विभाजन का कारण बनी। इस नीति के द्वारा अंग्रेजों ने हिन्दू मुसलमानों के सम्बन्ध खराब करके अपने शासन को कायम रखा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1. स्थायी बंदोबस्त और महालवारी बंदोबस्त के बीच भेद बताएं?

उ0 स्थायी बंदोबस्त और महालवारी बंदोबस्त के बीच भेद :-

स्थायी बंदोबस्त		महालवारी बंदोबस्त	
1.	इस व्यवस्था में ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के जमीदारों के साथ भूमि कर वसूलने से संबधित एक स्थायी समझौता किया ।	1.	इस व्यवस्था में भूमि राजस्व बंदोबस्त ईस्ट इंडिया कंपनी ने एक गाँव को महल मानकर गाँव के साथ समझौता किया ।
2.	स्थायी बंदोबस्त की शुरुआत वर्ष 1793 में लार्ड कोर्नवालिस द्वारा की गई।	2.	महालवारी बंदोबस्त की शुरुआत वर्ष 1822 में अंग्रेजों द्वारा की गई।
3.	स्थायी बंदोबस्त बंगाल और बिहार में लागू किया गया।	3.	महालवारी बंदोबस्त उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में लागू किया गया ।
4.	स्थायी बंदोबस्त में जमीदारों को सरकारी खजाने में एक निश्चित राशि जमा करनी थी।	4.	महल के सभी मालिक राजस्व की राशि के भुगतान के लिए जिम्मेदार थे।
5.	सरकारी खजाने में राशी जमा करने की वजह से जमीदार उस भूमि के मालिक हो जाते थे।	5.	महालवारी का आधार महल व संपत्ति था।

प्रश्न2-अंग्रेजों की भू-राजस्व नीतियों ने किसानों के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

उ0

(1) 18वीं सदी में भारतीय लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। ब्रिटिश शासन के दौरान भूमि राजस्व बढ़ता गया।

(2) ब्रिटिश भू-राजस्व व्यवस्था किसानों के लिए कठिनाईयों का कारण बनी। वे अपनी नीतियों और युद्ध अभियानों के लिए किसानों से धन निकलवाते थे।

(3) इस समय फसलों का उत्पादन उपभोग के लिए नहीं किया जाता था, फसलों को बाजार में बेचने के लिए उगाया जाता था जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ।

(4) किसानों से उनकी जमीन का मालिकाना हक ले लिया गया तथा वे कर्जदार बन गए जिससे खेतिहर मजदूरों की संख्या में बढ़ोतरी हुई।

6. औपनिवेशिक भारत में धार्मिक एवं सामाजिक जागृति

मुख्य बिन्दु :-

- 19वीं सदी के प्रारंभ के समाज की प्रगति दो मुख्य कारणों से रुकी हुई थी। एक कारण था शिक्षा का अभाव और दूसरा था महिलाओं की अधीनता।
- 19वीं सदी में भारतीय समाज में अंधविश्वास, पिछड़ेपन तथा कुप्रथाओं के मुद्दों को चुनौती दी गई। जैसे सती प्रथा या विधवा विवाह और अस्पृश्यता।
- हिन्दू समाज वर्ण व्यवस्था ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र पर आधारित था। इस व्यवस्था के अनुसार लोगों को उनके व्यवसाय के आधार पर विभाजित किया गया था।
- संविधान के अनुच्छेद 15 में उल्लेख किया गया है कि ''धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा।''
- राजा राम मोहन राय ने 1828 में ब्रह्म समाज की स्थापना की। सती प्रथा को चुनौती देने के लिए पहल करने वाले वह पहले व्यक्ति थे।
- भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल सर विलियम बैंटिक ने राजा राम मोहन राय का समर्थन किया और 1829 में एक कानून पारित किया गया। जिसमें सती प्रथा को अवैध और दंडनीय माना गया।
- एक महान विद्वान और सुधारक ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने सामाजिक सुधारों के लिए अपने पूरे जीवन को समर्पित कर दिया। 1856 में सबसे पहले हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम उनके अथक प्रयासों के कारण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बाल-विवाह तथा बहुविवाह के विरुद्ध अभियान भी चलाया।
- स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 में उत्तर भारत में हिंदू धर्म को सुधारने के लिए आर्य समाज की स्थापना की।
- स्वामी दयानंद सरस्वती ने शुद्धी आंदोलन शुरू कर दिया जो उन हिन्दुओं को वापस लाने के लिए था, जिन्होंने इस्लाम और ईसाई धर्म अपना लिया था। उनकी सत्यार्थ प्रकाश सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक थी।
- रामकृष्ण परमहंस ने धर्मों की आवश्यक एकता और एक आध्यात्मिक जीवन जीने की जरूरत पर प्रकाश डाला।
- स्वामी विवेकानन्द रामकृष्ण परमहंस के शिष्य थे और विवेकानंद ने अपने गुरू रामकृष्ण परमहंस के नाम से रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
- सर सैयद अहमद खान ने मुस्लिम महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की और वह पर्दा प्रथा, बहुविवाह, आसान तलाक और लड़कियों के बीच शिक्षा की कमी के खिलाफ थे।

- ज्योतिराव गोविंदराव फुले और उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले ने महिलाओं को शिक्षित करने के लिए सबसे अधिक प्रयास किए और दोनों ने लड़कियों के लिए अगस्त 1848 में पूना में स्कूल खोला।
- न्यायमूर्ति महादेव गोविंद रानाडे ने पूना में सार्वजनिक सभा की और 1867 में बंबई में प्रार्थना समाज की स्थापना धार्मिक सुधारों को लाने के लिए की।
- महाराष्ट्र में एक प्रसिद्ध समाज सुधारक पंडिता रमाबाई ने महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी तथा बाल विवाह की प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई ।
- एनी बेसेंट 1907 में थियोसोफिकल सोसायटी की अध्यक्ष बनी ।
- 1892 में गुरूमुखी, सिख शिक्षा और पंजाबी साहित्य को बढ़ावा देने में मदद के लिए अमृतसर में ''खालसा कालेज'' की स्थापना की गई।
- मुस्लिम सुधार आंदोलन ने मुसलमानों में आधुनिक शिक्षा के प्रसार तथा बहु विवाह जैसी सामाजिक प्रथाओं को दूर करने के लिए कई आंदोलन शुरू किए गए हैं।
- 19वीं सदी के बीच दादाभाई नौरोजी, एस0एस0 बंगाली ने पारसियों के बीच धार्मिक सुधारों की शुरुआत की ।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- ब्रह्म समाज की स्थापना किसने की?

उ0 राजा राम मोहनराय

प्रश्न2- आर्य समाज की स्थापना किसने की?

उ0 स्वामी दयानन्द सरस्वती

प्रश्न3- सतीप्रथा को रोकने के लिए कानून कब बनाया गया?

उ0 वर्ष 1829 में

प्रश्न4- थियोसोफिकल सोसायटी की अध्यक्ष कौंन थी?

उ0 एनी बेसेंट

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- किन्ही दो सामाजिक प्रथाओं की सूची बनाएं जिनके विरुद्ध समाज सुधार आंदोलन शुरू किये गये?

उ0 सती प्रथा, जाति व्यवस्था, बाल विवाह, विधवाओं की दुर्दशा।

प्रश्न2- मुसलमानों में अंग्रेजी की शिक्षा किसने शुरू की। इस क्षेत्र में उनके योगदान और भूमिका का वर्णन करें।

उ0 सर सैयद अहमद खान ने अंग्रेजी भाषा के अध्ययन के खिलाफ रुढिवादी मुसलमानों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि केवल आधुनिक शिक्षा ही मुसलमानों को प्रगति की दिशा में ले जा सकती है। उन्होंने 1864 में गाजीपुर में वर्तमान में उत्तर प्रदेश एक अंग्रेजी स्कूल की स्थापना की थी।

प्रश्न3- स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा किये गए सामाजिक सुधारों को लिखिए।

उ0 स्वामी दयानंद सरस्वती ने सामाजिक सुधार की वकालत की और महिलाओं की दशा में सुधार के लिए काम किया। इन्होंने अस्पृश्यता और वंशानुगत जाति व्यवस्था के खिलाफ कठोर लड़ाई की तथा सामाजिक समानता को आगे बढ़ाया।

प्रश्न4- न्यायमूर्ति महादेव गोविंद रानाडे के द्वारा किये गए किन्हीं दो सामाजिक सुधारों को लिखिए?

उ0 न्यायमूर्ति महादेव गोविंद रानाडे ने जाति पर प्रतिबंध को हटाने, बाल विवाह को समाप्त करने के लिए, विधवाओं के बाल कटवाना, विवाह तथा अन्य सामाजिक कार्यो में लगने वाली भारी लागत का विरोध किया और महिलाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा विधवा विवाह आदि के लिए कार्य किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों ने किस प्रकार राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व किया?

उ0

(क) सुधारकों के लगातार प्रयासों से समाज पर भारी प्रभाव पड़ा।

(ख) धार्मिक सुधार आंदोलनों ने भारतीयों के मन में अधिक आत्मसम्मान और आत्मविश्वास और देश के प्रति गर्व का भाव जगाया।

(ग) इन सुधार आंदोलनों ने अनेक भारतीयों को आधुनिक दुनिया के साथ जोड़ा।

(घ) लोग भारतीय के रूप में पहचान बनाने में अधिक जागरूक हो गए।

(ड) सामाजिक-आर्थिक सुधार आंदोलनों ने लोगों को एक जुट किया इसलिए इन सुधार आंदोलनों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष का जिम्मेदार माना जाता है ।

प्रश्न2- राजा राम मोहन राय तथा ईश्वर चन्द्र विद्यासागर द्वारा समाज सुधार के लिए किए गए प्रयासों का वर्णन कीजिए ?

उ0 **राजा राम मोहन राय :-** सती प्रथा को चुनौती देने के लिए पहल करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। जब उनकी अपने भाई की विधवा को सती होने के लिए मजबूर किया जा रहा था, उसकी दुर्दशा से उन पर असर पड़ा और उन्होंने इस सामाजिक प्रथा को खत्म करने का निश्चय कर लिया। उन्होंने बाल विवाह, विधवा पुनर्विवाह की वकालत के लिए प्रयास किए। उन्होंने मूर्ति पूजा की आलोचना की तथा अर्थहीन रिवाजों का खंडन किया।

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर :- उन्होंने बाल-विवाह तथा बहुविवाह के खिलाफ अभियान चलाया। वह महिलाओं की शिक्षा के समर्थक थे। उनकी मदद से बंगाल में लड़कियों के लगभग 35 स्कूल खोले गए। उनके प्रयासों के माध्यम से संस्कृत कॉलेज में गैर ब्राह्मण छात्रों का भी दाखिला दिया गया।

7. ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लोकप्रिय जन प्रतिरोध

मुख्य बिन्दु :-

- अंग्रेजी औपनिवेशिक शासन का भारतीय समाज के सभी वर्गों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा और इसके साथ साथ लोगों ने अंग्रेजों के विरुद्ध अपना क्रोध प्रदर्शित करना शुरू कर दिया।
- 1763 से 1856 तक छोटे-छोटे विद्रोहों को छोड़कर 40 मुख्य विद्रोह हुए।
- भारतीय लोग लघु कुटीर उद्योगों में लगे हुए थे उन्हें अंग्रेजों द्वारा उत्पादित सामान के आयात के परिणामस्वरूप अपने कारखाने बंद करने पड़े थे। इन सभी परिवर्तनों और अंग्रेजी प्रशासन के गैर-जिम्मेदार व्यवहार के कारण किसानों को अपनी शिकायतों की अभिव्यक्ति 1857 के विद्रोह के द्वारा प्रदर्शित करने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- 1857 का विद्रोही आंदोलन अंग्रेजी सत्ता के सामने एक बड़ी चुनौती था। इसका नेतृत्व सैनिकों ने किया परंतु सामान्य लोगों ने भी इसका समर्थन किया।
- 1857 के विद्रोह के लिए आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक और सैनिक कारण उत्तरदायी थे चर्बी लगे कारतूसों की घटना इसका तात्कालिक कारण बनी।
- भारत का एक बहुत बड़ा हिस्सा इससे प्रभावित हुआ। विद्रोह के मुख्य केन्द्र थे मेरठ, दिल्ली,कानपुर, लखनऊ, झांसी, बरेली और आरा। विद्रोह के कुछ मुख्य नेता थे - बख्त खान, नाना साहिब, तात्या टोपे, अजी मुल्लाह, बेगम हजरत महल, मौलवी अहमदुल्लाह, रानी लख्मी बाई, खान बहादुर खान और कुँवर सिंह।

- विद्रोह भारत से ब्रिटिश शासन को समाप्त करने में असफल रहा। असफलता के मुख्य कारण थे - इसका स्थानीय और असंगठित होना, कमजोर नेतृत्व तथा धन और हथियारों का अभाव।

1857 के विद्रोह के प्रमुख केन्द्र

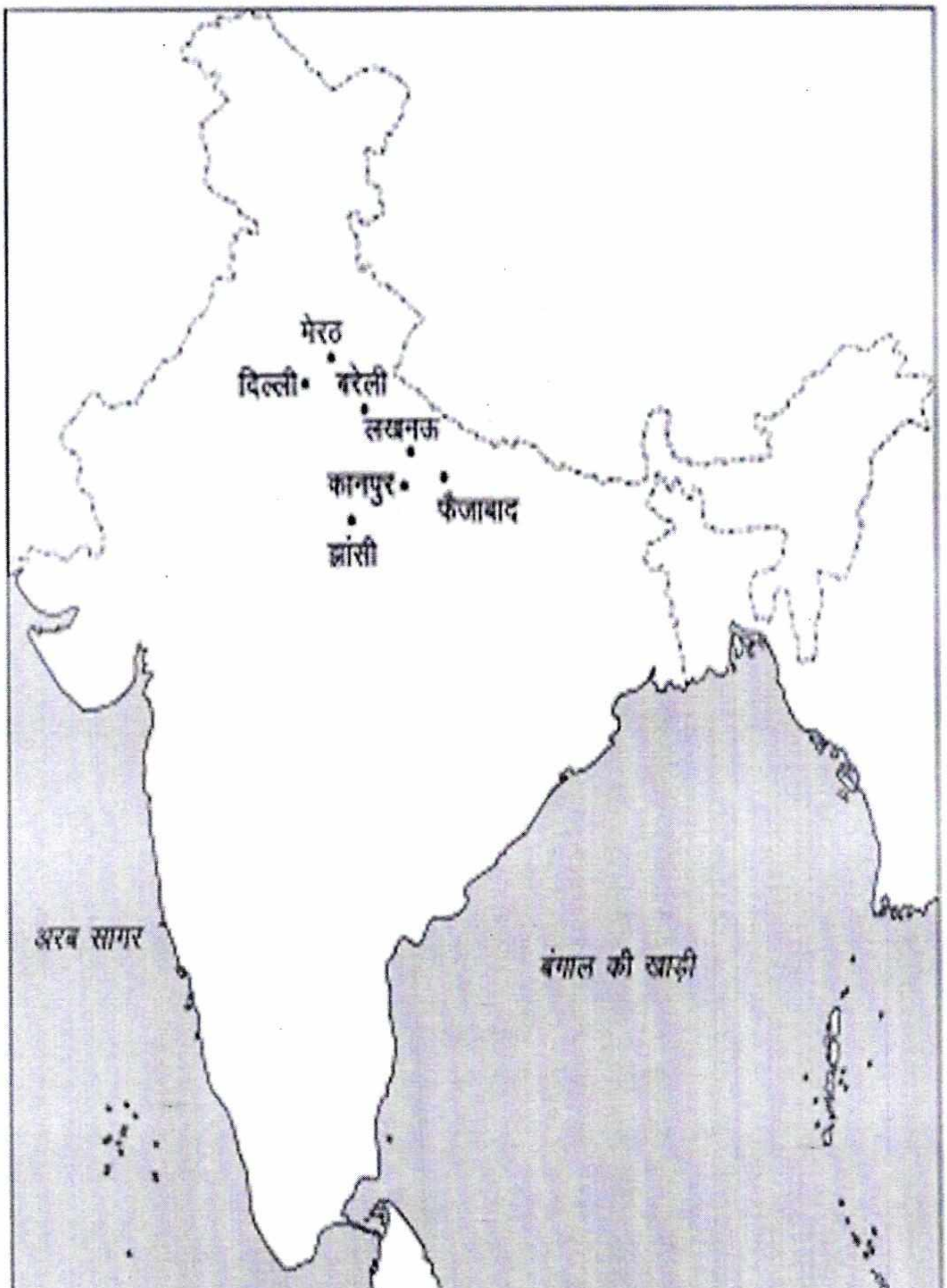

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-देसी राज्यों को अंग्रेजी राज्यों में मिलाने की नीति किसने लागू की?

उ0 लॉर्ड डलहौजी

प्रश्न2-1857 के विद्रोह की शुरुआत कहाँ से हुई?

उ0 मेरठ

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1-1857 के विद्रोह के महत्वपूर्ण नेताओं के नाम लिखें।

उ0 रानी लख्मी बाई, तात्या टोपे, बेगम हज़रत महल, नाना साहिब, कुंवर सिंह।

प्रश्न2-1857 के विद्रोह का महत्व बताइए।

उ0 पहली बार भारत के लोगों ने एकजुट होकर अंग्रेजी शासन के सामने एक चुनौती खड़ी की। यद्यपि विद्रोहियों के प्रयासों को सफलता नहीं मिली फिर भी अंग्रेजी सरकार को भारत के प्रति अपनी नीतियों को बदलने के लिए बाध्य कर दिया।

प्रश्न3-नील की खेती करने वाले किसानों के असंतोष के कारण बताइए।

उ0 किसानों के असंतोष के कारण:-

1) नील उगाने के लिए उन्हें बहुत कम भुगतान किया जाता था।
2) नील की खेती लाभदायक नहीं थी, क्योंकी इसको और खाद्य फसलों को एक समय पर ही उगाया जाता था।
3) नील की खेती से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-1857 के विद्रोह के प्रमुख कारणों की व्याख्या करें।

उ0 1857 का विद्रोह 10 मई को प्रारंभ हुआ जब भारतीय सैनिकों ने मेरठ में बगावत कर दी। अंग्रेजों ने इसे सिपाही विद्रोह का नाम दिया, वास्तव में यह आंदोलन अंग्रेजी शासन के विरुद्ध एक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक संघर्ष था।

राजनीतिक कारण :

(1) राज्यों को अपने राज्य में मिलाने की अंग्रेजों की नीति भारतीय शासकों में असंतोष का प्रमुख कारण बनी।

(2) सहायक संधि जिसके परिणामस्वरूप अनेक स्वतंत्र साम्राज्यों को अंग्रेजी शासन में मिला लिया गया।

आर्थिक कारण :

(1) विद्रोह का एक और महत्वपूर्ण कारण था पारंपरिक भारतीय अर्थव्यवस्था का विघटन और इसका अंग्रेजी अर्थव्यवस्था के अधीन होना।

(2) अंग्रेज, भारत के साथ व्यापार के लिए आये थे, उन्होंने यहाँ से ज्यादा से ज्यादा धन और कच्चा माल ले जाने का प्रयास किया।

(3) किसानों को ऊँची दरों पर कर और अतिरिक्त भूमि-लगान अदा करना पड़ता था ।

सामाजिक और धार्मिक कारण :

(1) अंग्रेज, भारतीय जनमानस की भावनाओं के प्रति संवेदनशील नहीं थे। सती प्रथा और कन्या शिशुओं की हत्या का विरोध, विधवा पुनर्विवाह और महिलाओं के लिए शिक्षा जैसे सामाजिक सुधारों ने अनेक लोगों को नाराज कर दिया था।

(2) लोगों को ईसाई बनाने के उद्देश्य से ईसाई-मिशनरियों ने स्कूल और कालेज खोले।

सैनिक कारण :

(1) भारतीय सैनिकों को सूबेदारों से ऊपर के पदों पर नहीं रखा जाता था।

(2) भारतीय सैनिकों को अंग्रेजों से कम वेतन अदा किया जाता था। इस कारण भारतीय सैनिकों का मनोबल बहुत दुर्बल हो गया था।

तात्कालिक कारण :

(1) भारतीयों में गहन आक्रोश उभर रहा था और वे विद्रोह करने के किसी अवसर की तलाश में थे। भूमिका तैयार थी। केवल उसे भड़काने के लिए मात्र एक चिंगारी की आवश्यकता थी। 1856 में चर्बी वाले कारतूस का प्रयोग शुरू किया गया जिसनें इस विद्रोह की आग को भड़काने के लिए चिंगारी का काम किया।

प्रश्न2-1857 के विद्रोह की विफलता के प्रमुख कारणों की सूची बनाएँ ।

उ0 1857 के विद्रोह की विफलता के प्रमुख कारण :-

1) यह केवल उत्तर और मध्य भारत तक सीमित रहा।

2) विद्रोहियों के उद्देश्य में एकरूपता नहीं थी।

3) आंदोलन का नेतृत्व कमज़ोर था।

4) विद्रोहियों के पास शस्त्रों और धन की कमी थी।

प्रश्न3-भारत पर 1857 के विद्रोह के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए ।

उ0 भारत पर 1857 के विद्रोह के प्रभाव इस प्रकार हैं :-

(1) भारतीयों के मन में राष्ट्रीयता के बीज बोने में सफल रहा।

(2) इस विद्रोह के कारण भारतीय लोग उन बहादुरों के लिए और भी जागरुक हो गए थे, जिन्होंने इस विद्रोह में अपने जीवन का बलिदान किया।

(3) हिन्दुओं और मुसलमानों में परस्पर अविश्वास की शुरुआत हुई।

(4) अंग्रेजों ने भारत में शासन जारी रखने के लिए भारतीयों का शोषण किया।

8. भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन

मुख्य बिन्दु :-

- उपनिवेश विरोधी आन्दोलन 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद के उदय का कारण बना।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 में एलेन ऑक्टावियन ह्यूम द्वारा की गई।
- बंगाल का विभाजन 1905 में लार्ड कर्जन के द्वारा किया गया था। विभाजन का कारण प्रशासन में सुधार की कोशिश दिया गया। लेकिन मुख्य लक्ष्य 'फूट डालो और शासन करो' का था।
- 1906 में ढाका में मुस्लिम लीग बना। इसका उद्देश्य भारत में मुस्लिमों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें उन्नत बनाना तथा सरकार को उनकी आवश्यकताओं को बताना था।
- 1905 से 1918 तक की अवधि को 'अतिवादी उग्र राष्ट्रवादियों या गरम दल का युग' कहा जा सकता है। लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक एवं विपिन चन्द्र पाल (लाल-बाल-पाल) इस (गरम) उग्र पंथी दल के महत्वपूर्ण नेता थे।
- विचारों में अन्तर 1907 में कांग्रेस में विभाजन का कारण बना और दो समूह-नरम दल और गरम दल बने।
- प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन और इसके सहयोगी दलों ने युद्ध जीता। मुस्लिमों ने युद्ध के दौरान सरकार की मदद की। इस समझ के साथ कि ऑटोमंन साम्राज्य का पवित्र स्थान खलीफा के हाथों में होगा। लेकिन युद्ध के बाद तुर्की के सुल्तान पर नया समझौता थोप दिया गया और ऑटोमन साम्राज्य विभाजित हो गया। इससे मुस्लिम क्रुद्ध हो गए और इसे उन्होंने खलीफा के अपमान के रूप में लिया। शौकत अली और मोहम्मद अली ने ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध खिलाफत आन्दोलन की शुरुआत की।
- गाँधीजी ने अपना असहयोग आंदोलन अगस्त 1920 में प्रारंभ किया जिसमें उन्होंने लोगों से ब्रिटिश सरकार का साथ न देने की अपील की। इसके लिए गाँधीजी ने एक विस्तृत कार्यक्रम तय किया :-
    - अंग्रेजों द्वारा दी गयी पदवी तथा सम्मान लौटाना।
    - अंग्रेजी कार्यालय और गैर कार्यालय के कार्यों में उपस्थित होने से इनकार।
    - अंग्रेजी सरकार के द्वारा संचालित विद्यालयों तथा कॉलेजों से धीरे-धीरे छात्रों को हटाना।
    - विदेशी सामानों का बहिष्कार।
- गाँधीजी ने 06 अप्रैल 1930 को नमक कानून को तोड़ा।
- 'फूट डालो शासन करो नीति' का प्रारंभ ईस्ट इंडिया कंपनी ने उन दिनों में किया था जब अंग्रेज अपने आपको भारत के शासक के रूप में स्थापित कर रहे थे। कंपनी ने एक शासक को दूसरे के खिलाफ किया।
- उन्नीसवी शताब्दी की समाप्ति के पश्चात् से ही राष्ट्रीयता उत्पन्न होने लगी थी। अब ब्रिटिश सरकार ने पाया कि फुट डालो और शासन करो की नीति को बढ़ाकर हिन्दू और मुस्लिम के बीच द्वैष पैदा करना ही बुद्धिमानी है।

- ➢ गाँधी जी के अधीन कांग्रेस ने यह अनुभव किया कि अंग्रेजों को भारतीयों की मांगों को मानने के लिए मजबूर किया जाए या भारत छोड़ने को बाध्य किया जाना चाहिए। 14 जुलाई 1942 को वर्धा में कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक में भारत छोड़ो प्रस्ताव को पारित किया गया।
- ➢ मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के लिए पाकिस्तान बनाने की मांग की जो विभाजन का कारण बना। भारत ने 15 अगस्त 1947 को अपनी स्वतंत्रता पाई।

बहुविकल्पीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई?

उ0 वर्ष 1885 में

प्रश्न2- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना किसने की?

उ0 ए0 ओ0 ह्यूम

प्रश्न3- बंगाल का विभाजन कब हुआ?

उ0 वर्ष 1905 में

प्रश्न4- मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई?

उ0 वर्ष 1906 में

प्रश्न5- गांधीजी के नेतृत्व में असहयोग आन्दोलन कब प्रारंभ हुआ?

उ0 अगस्त 1920

लघु उत्तरीय प्रश्न:- (2 अंक)

प्रश्न1- साइमन कमीशन का भारतीयों ने बहिष्कार क्यों किया? कोई दो कारण बताओ?

उ0

(1) 1927 में ब्रिटिश सरकार ने सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में एक कमीशन नियुक्त किया। इस कमीशन में कोई भारतीय सदस्य नहीं था।

(2) कमीशन की नियुक्ति 1919 के सुधार के अध्ययन तथा आगे के संवैधानिक सुधारों के मापदंड तय करने के लिए की गयी थी। लेकिन यह इन मापदंडों पर खरा नहीं उतरा।

प्रश्न2- गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस क्यों ले लिया?

उ0

(1) आंदोलन के दौरान कुछ ऐसी घटनाएँ घटीं जो गाँधीजी के विचारों से बिल्कुल अलग थी। अहिंसक असहयोग आंदोलन के शुभारंभ के बाद अगस्त 1921 में हिंसा का दाग लग गया।

(2) उग्र भीड़ के द्वारा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के चौराचौरी गाँव में 9 फरवरी 1922 को हिंसा फैली। इसलिए गाँधीजी को असहयोग आंदोलन वापस लेना पड़ा।

प्रश्न3- लॉर्ड कर्जन बंगाल का विभाजन क्यों चाहता था?

उ0

(1) विभाजन का कारण प्रशासन में सुधार की कोशिश दिया गया। लेकिन मुख्य लक्ष्य 'फूट डालो और शासन करो' का था।

(2) यह विभाजन मुसलमानों को एक अलग राज्य देने के लिए किया गया जिससे देश में साम्प्रदायिकता का बीज फैलाया जा सके।

प्रश्न4-नरमपंथी और गरमपंथियों में क्या अन्तर थे?

उ0

नरमपंथी (नरम दल)	**गरमपंथी (गरम दल)**
1) ब्रिटिश शासन में अंग्रेजों के साथ रहते हुए भारत में प्रशासनिक सुधार चाहते थे ।	1) ब्रिटिश सरकार के साथ सहयोग की बात न कहकर पूर्ण स्वराज्य की मांग करते थे।
2) नरम दल के प्रमुख नेता थे गोपाल कृष्ण गोखले, दादा भाई नौरोजी इत्यादि।	2) गरम दल के प्रमुख नेता थे लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चंद्र पाल ।

प्रश्न5-ब्रिटिश शासन काल में भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना आने के दो कारण दीजिए।

उ0

(1) समाज सुधार आंदोलन का प्रभाव ।

(2) प्रेस (समाचार पत्र) और साहित्य की भूमिका ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-खिलाफत तथा असहयोग आंदोलन के कारणों की जाँच कीजिये ।

उ0 **खिलाफत आंदोलन :-** प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन और इसके सहयोगी दलों ने युद्ध जीता। मुस्लिमों ने युद्ध के दौरान सरकार की मदद की। इस समझ के साथ कि ऑटोमन साम्राज्य का पवित्र स्थान खलीफा के हाथों में होगा। लेकिन युद्ध के बाद तुर्की के सुल्तान पर नया समझौता थोप दिया गया और ऑटोमन साम्राज्य विभाजित हो गया। इससे मुस्लिम क्रुद्ध हो गए और इसे उन्होंने खलीफा के अपमान के रूप में लिया। शौकत अली और मोहम्मद अली ने ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध खिलाफत आन्दोलन की शुरुआत की ।

असहयोग आंदोलन :- गाँधीजी ने बीती घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए अंग्रेजी सरकार के सामने कुछ मांगें रखी। जैसे, सरकार को अमृतसर की घटनाओं पर पछतावा व्यक्त करना चाहिए, इसे तुर्की के प्रति उदार प्रवृति दर्शानी चाहिए और भारतीयों की संतुष्टि के लिए सुधार की नई योजनाएँ प्रारंभ करनी चाहिए। लेकिन सरकार ने उनकी माँगों को स्वीकार करने में असफल हुई तथा सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसलिए गाँधीजी ने अपना असहयोग आंदोलन अगस्त 1920 में प्रारंभ किया ।

प्रश्न2-भारत की स्वतंत्रता में भारत छोड़ो आंदोलन ने किस प्रकार योगदान दिया?

(1) 8 अगस्त 1942 को गाँधीजी के द्वारा दिए गए "करो या मरो" के नारे से भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई ।

(2) इसके बाद सभी महत्वपूर्ण कांग्रेसी नेताओं को 9 अगस्त 1942 से पूर्व ही गिरफ्तार कर लिया गया । कांग्रेस को प्रतिबंधित कर दिया गया और सभी समाचार पत्रों पर पाबंदी लगा दी गयी।

(3) इससे लोगों ने क्रोधित होकर विरोध में हड़तालें, जुलूस और विरोध प्रदर्शन किया ।

(4) लोगों ने सरकारी भवन, पुलिस स्टेशन, पोस्ट ऑफिस जलाकर विरोध किया और रेल और टेलीग्राम की लाइन तोड़ दी ।

(5) भारत छोड़ो आंदोलन ऐतिहासिक महत्व के जन आंदोलनों में एक बन गया । इसनें भारतीय लोगों के बलिदान और लगनशील संघर्ष की क्षमता का संकेत दिया ।

9. भारत का भौतिक भूगोल

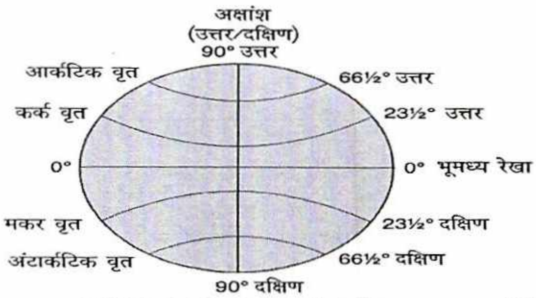

अक्षांश भूमध्य रेखा पर 0° से ध्रुवों पर 90° के बीच होता है।

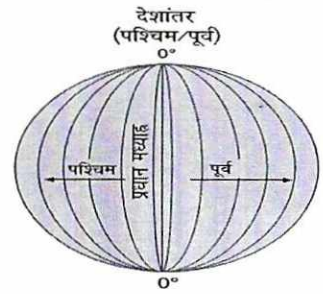

देशांतर ग्रीनविच के पास 0° से पूर्व-पश्चिम की 180° के बीच होता है।

मुख्य बिन्दु :-

- भारत 8^{0} 4' और 37^{0} 6' उत्तरी अक्षाशों और 68^{0} 7' और 97^{0} 25' पूर्वी देशांतरों के बीच स्थित है। भारत की स्थल सीमा 15,200 किलोमीटर तथा 6100 किलोमीटर लंबी तट रेखा हैं। भारत का कुल क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग किलोमीटर है।
- भारत पूरी तरह से उत्तरी गोलार्द्ध और पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है। कर्क रेखा 23^{0} 30' उत्तरी देश के मध्य भाग से गुजरती है।
- कर्क रेखा भारत को लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करती है।
- 82^{0} 30' पूर्व मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) में से होकर गुजरता है। यह देश का मानक मध्यान है।
- हिमालय एक नवीन वलित पर्वत हैं।
- हिमालय को तीन समानान्तर श्रेणियों में विभाजित किया जाता है:
  1) महान हिमालय या हिमाद्री
  2) मध्य हिमालय या हिमाचल
  3) हिमालय या शिवालिक
- उत्तरी मैदान हिमालय के दक्षिण और प्रायद्वीप पठार के उत्तर के बीच स्थित है। यह सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र इन तीन मुख्य नदियों द्वारा जमा किये गये अवसादों से बना है।
- उत्तरी मैदान मोटे तौर पर दो भागो में विभाजित है-
  1) पश्चिमी मैदान
  2) गंगा-ब्रहम्पुत्र मैदान
- अरावली एक महत्वपूर्ण पर्वत है जो गुजरात से राजस्थान होते हुए दिल्ली तक फैली हुई है। अरावली पहाड़ियों की सबसे उँची चोटी माउंट आबू के पास गुरुशिखर (1722 मीटर) है।
- भारतीय रेगिस्तान अरावली पहाड़ियों के पश्चिमी किनारे की ओर स्थित है। इसे थार मरूस्थल भी कहा जाता है। यह संसार में नौवां सबसे बड़ा रेगिस्तान है। यह गुजरात और राजस्थान राज्यों में फैला हुआ है।
- भारत में तटीय मैदान अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के समानांतर प्रायद्वीपीय पठार के साथ है।

- तटीय मैदानों में मसाले, चावल, नारियल, काली मिर्च आदि उगाए जाते हैं।
- भारत में द्वीप के दो मुख्य समूह हैं। बंगाल की खाड़ी में 204 द्वीपों का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और अरब सागर में 43 द्वीपों का लक्ष्यद्वीप समूह है।
- भारत में जल प्रवाह प्रणाली को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है :
  1) हिमालय जलप्रवाह प्रणाली
  2) प्रायद्वीपीय जलप्रवाह प्रणाली।

भारत की प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ

भारत की प्रमुख नदियाँ

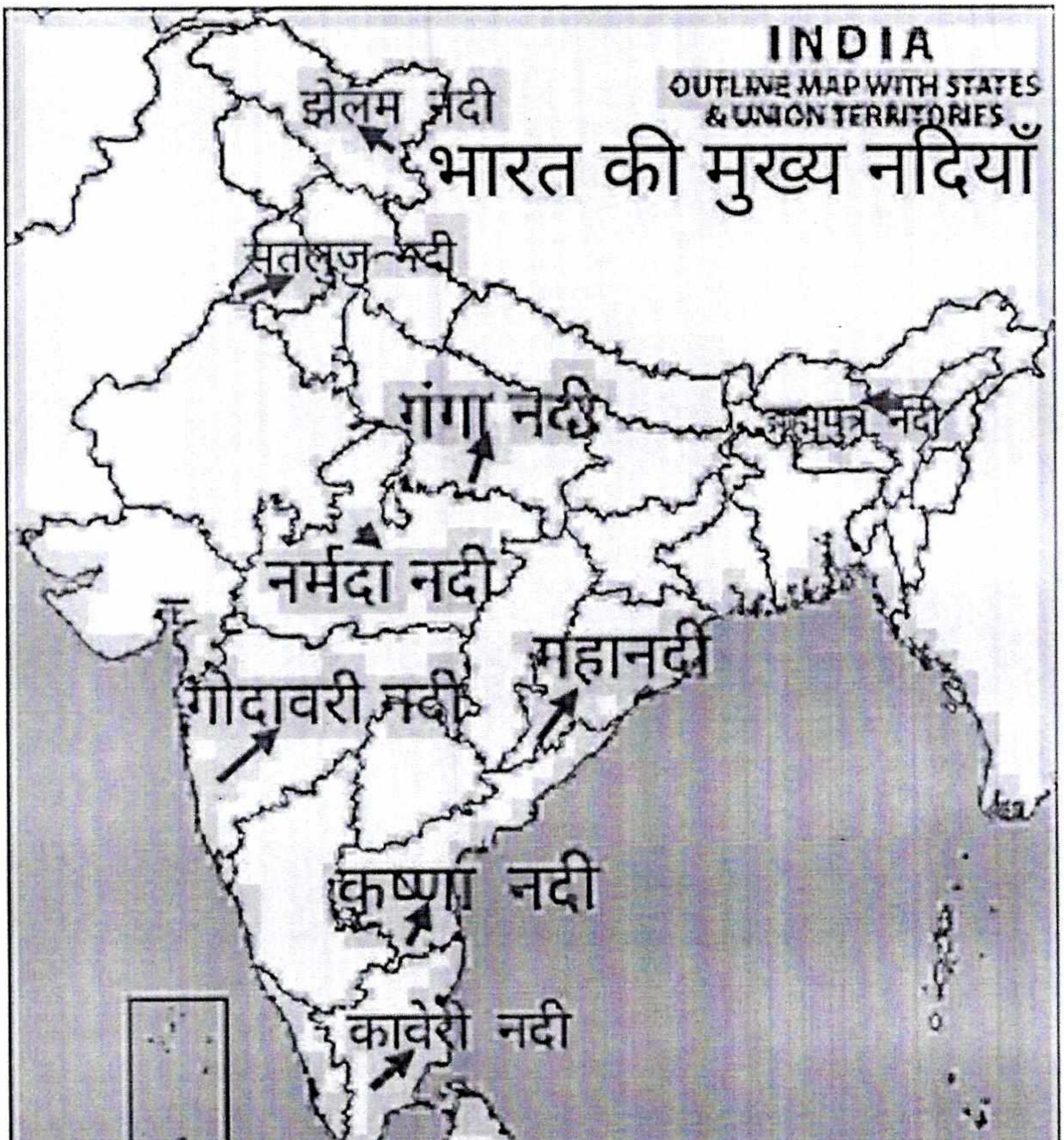

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- भारत की मुख्य भूमि का दक्षिणतम स्थान बताइए?

उ0 कन्याकुमारी।

प्रश्न2- कर्क रेखा किस अक्षांश से होकर गुजरती है?

उ0 23^0 30' अक्षांश

लघु उत्तरीय प्रश्नः- (2 अंक)

प्रश्न1- तटीय मैदानों की किन्ही भी दो आर्थिक गतिविधियों को बताइए?

उ0 कृषि और मछली पालन, व्यापार ।

प्रश्न2- अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पर्यटकों को क्यों आकर्षित करता है?

उ0 अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है। इन द्वीपों में बहुत सारी आकर्षक गतिविधियाँ होती हैं जैसे - पानी और पानी के खेल आदि।

प्रश्न3- भारत के उत्तरी मैदानों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए?

(1) यह सिंधु, गंगा और ब्रहम्पुत्र तीन मुख्य नदियों के द्वारा जमा किये अवसादों से बना है।

(2) यह मैदान दुनिया के सबसे बड़े और सबसे उपजाऊ मैदानों में से एक है।

प्रश्न4- भारत की भौतिक स्थिति एवं विस्तार की व्याख्या किजिए ?

उ0 भारत 8^0 4' और 37^0 6' उत्तरी अक्षाशों और 68^0 7' और 97^0 25' पूर्वी देशांतरों के बीच स्थित हैं। भारत की स्थल सीमा 15,200 किलोमीटर तथा 6100 किलोमीटर लंबी तट रेखा हैं । भारत का कुल क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग किलोमीटर है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः- (4/5 अंक)

प्रश्न1- भारतीय रेगिस्तान की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

उ0

(i) यहाँ शुष्क मौसम होता है ।

(ii) यहाँ प्रतिवर्ष 150 मिमी से कम वर्षा होती है ।

(iii) यहाँ काँटेदार झाड़ियाँ वनस्पति के रूप मे पाई जाती हैं ।

(iv) यहाँ गर्म हवाएँ चलती हैं ।

(v) यहाँ वर्षा न के बराबर होती है ।

प्रश्न2- हिमालय और प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली के महत्व मे अंतर कीजिए।

द0 हिमालय और प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली में निम्नलिखित अंतर इस प्रकार हैं :-

हिमालय नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
हिमालय नदियाँ बारहमासी हैं।	प्रायद्वीपीय नदियाँ मौसमी हैं ।
ये नदियाँ हिमनद और बर्फ की चोटियों से उत्पन्न होती है ।	ये नदियाँ प्रायद्वीपीय पठारों से उत्पन्न होती हैं।
ये नदियाँ वर्षा से भी पानी प्राप्त करती हैं ।	ये नदियाँ पनबिजली पैदा करती हैं तथा जलप्रपात बनाती हैं ।
इसकी मुख्य नदियाँ सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र हैं।	इसकी मुख्य नदियाँ महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी हैं।

10. जलवायु

मुख्य बिन्दु :-

- एक बहुत बड़े क्षेत्र में एक लम्बे समय के लिए (30 वर्ष से अधिक) मौसम की दशाओं और विविधताओं के कुल योग को जलवायु कहते हैं।
- किसी एक समय पर वायुमंडल की दशा को मौसम कहते हैं।
- भारत की जलवायु बहुत से कारकों द्वारा प्रभावित होती है जैसे स्थिति, समुद्र से दूरी, ऊंचाई, पर्वत श्रृंखलाएँ, सतही पवनों की दिशा और ऊपरी वायु धाराएँ।
- मानसून शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा के शब्द मौसिम से हुई है जिसका अर्थ है मौसम या ऋतु वर्ष के दौरान पवनों की दिशा में ऋतुवत परिवर्तन ही मानसून कहलाता है।
- मौसम चक्र में चार मौसम है:
  1) शीत ऋतु (दिसंबर - फरवरी)
  2) ग्रीष्म ऋतु (मार्च - मई)
  3) आगे बढ़ते हुए दक्षिण-पश्चिमी मानसून की ऋतु (जून से सितंबर)
  4) पीछे हटते हुए मानसून की ऋतु (अक्टूबर - नवंबर)
- विश्व के सबसे अधिक वर्षा वाले स्थान तथा सबसे कम वर्षा वाले स्थान भारत में ही है।
- सबसे कम वर्षा वाला स्थान भारत में लद्दाख है।
- विश्व का सबसे अधिक वर्षा वाला स्थान मासिनराम (मेघालय) है।
- वैश्विक तापन पर्यावरण में कार्बन डाइऑक्साइड, क्लोरो-फ्लोरो कार्बन (CFC) और अन्य विनाशकारी गैसों की मात्रा बढ़ने से प्रभावित होता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-ग्रीष्म ऋतु में उत्तरी मैदान में चलने वाली गर्म और शुष्क वायु को क्या कहते है?

उ0 लू

प्रश्न2-पीछे हटते हुए मानसून से सबसे अधिक वर्षा कहाँ होती है?

उ0 तमिलनाडु

प्रश्न3-भारत में सबसे कम वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्र का नाम बताइए।

उ0 लद्दाख

लघु उत्तरीय प्रश्नः- (2 अंक)

प्रश्न1-जलवायु किसे कहते हैं ?

उ0 एक बहुत बड़े क्षेत्र में एक लंबे समय के लिए मौसम की दशाओं और विविधताओं के कुल योग को जलवायु कहते हैं ।

प्रश्न2-कौन से मानव कार्य वैश्विक तापमान के लिए जिम्मेदार हैं ?

उ0 शहरीकरण, वनों की कटाई, जीवाश्म ईंधन को जलाना।

प्रश्न3-तमिलनाडू के तट पर शीत ऋतु में अधिक वर्षा क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

उ0 पूर्वी व्यापारिक पवनों का एक भाग बंगाल की खाड़ी के ऊपर से गुजरते हुए नमी ग्रहण कर लेता है। इसलिए तमिलनाडु तट पर वर्षा करता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:- (4/5 अंक)

प्रश्न1-जलवायु को प्रभावित करने वाले किन्ही पाँच कारकों का वर्णन कीजिए।

उ0 जलवायु को प्रभावित करने वाले पाँच कारक :-

(1) **स्थान** - जो स्थान भूमध्यरेखा के करीब हैं वहाँ तापमान अधिक रहता है जैसे- ध्रुवों की ओर जाते हैं तापमान घटता जाता है। उदाहरण के लिये आन्ध्र प्रदेश की जलवायु हरियाणा से अधिक गर्म है।

(2) **समुद्र से दूरी**- भारत का दक्षिणी आधा भाग तीन ओर समुद्र से घिरा हुआ है। पश्चिम मे अरब सागर, पूर्व मे बंगाल की खाड़ी और दक्षिण मे हिन्द महासागर है। समुंद्र के प्रभाव के कारण यह क्षेत्र न तो गर्मियों में ज्यादा गरम और न ही सर्दियों में ज्यादा ठंडा होता है।

(3) **समुंद्र तल से ऊंचाई**- जब हम पृथ्वी की सतह से ऊपर की ओर जाते हैं तो वायुमंडल कम घना होता चला जाता है और हमें सांस लेने मे दिक्कत होती है इस प्रकार तापमान भी ऊंचाई के साथ घट जाता है ।

(4) **पर्वत** - हिमालय पर्वत भारत के उत्तर में स्थित है । वह हमारे देश को मध्य एशिया से आने वाली ठंडी हवाओं से बचाती है । यह वर्षा करने वाली दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाओं को रोकर भारत में वर्षा करवाता है ।

(5) **पवनों की दिशा** - पवन प्रणाली भी भारतीय जलवायु को प्रभावित करती है। सर्दियों में भूमी से समुंद्र की ओर जाने वाली पवने ठंडी और शुष्क होती है। गर्मियों मे पवने समुद्र से धरातल की ओर चलती हैं और अपने साथ नमी लेकर आती हैं। देश के अधिकतर भागों मे वर्षा करती हैं।

प्रश्न2-शीत ऋतु की विशेषताएँ लिखिए।

उ0

(i) भारत मे शीत ऋतु की अवधि दिसम्बर से फरवरी तक हैं, दिसम्बर तथा जनवरी सबसे अधिक ठण्ड वाले महीने होते हैं ।

(ii) शीत ऋतु में उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में प्राय: पाला पड़ता है ।

(iii) भारत मे उत्तर पूर्वी व्यापारिक पवने चलती हैं । इस समय तमिलनाडु पर इन हवाओं के कारण वर्षा होती हैं ।

(iv) शीत ऋतु मे हिमालय के उच्च ढलानों पर हिमपात होता है ।

प्रश्न3-भारतीय मानसून की विशेषताएँ बताइए?

उ0 भारतीय मानसून की विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

(1) मानसून पवनें स्थायी पवनें नहीं हैं । इसलिए कभी मानसून जल्दी आता है तो कभी देर से आता है।

(2) मानसून हर जगह समान नहीं होता है, तटीय क्षेत्र में दुसरे क्षेत्र से अधिक वर्षा होती है ।

(3) जब मानसून आता है तो सैकड़ों दिनों तक भारी वर्षा होती है, यह मानसून का फटना कहलाता है ।

(4) जून – जुलाई तक मानसून पूरे भारत में फैल जाता है ।

(5) भारत में मानसून दक्षिण–पश्चिम दिशा से शुरू होता है ।

11. जैव विविधता

मुख्य बिन्दु :-

- जैव विविधता जीन, प्रजातियों और एक क्षेत्र की पारिस्थितिकी तंत्र की कुल संख्या है। इसमें
  - (क) आनुवंशिक विविधता,
  - (ख) प्रजाति विविधता
  - (ग) पारिस्थितिकी तंत्र विविधता शामिल हैं।
- भारत विश्व जैव विविधता प्रजातियों की कुल संख्या का लगभग 8 प्रतिशत है।
- 45000 पौधें और विश्व की वनस्पति का लगभग 12 प्रतिशत प्रजातियाँ भारतीय जंगलों में पाई जाती है। विश्व के 12 जैव विविधता के आकर्षण के केंद्रों में से दो भारत में हैं। वे हैं :
  - उत्तर - पूर्वी क्षेत्र और
  - पश्चिमी घाट।
- जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधार है। बढ़ती आबादी और बदल रही जीवन शैली जैव विविधता की कमी का कारण है ।
- भारत की प्राकृतिक वनस्पति को मोटे तौर पर निम्नलिखित वर्गों में विभाजित किया जा सकता है:
  1) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन
  2) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन
  3) कँटीले वन
  4) ज्वारीय वन
  5) हिमालय वन ।

भारत में वन्यजीव	
वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम	वर्ष 1972
वन्यजीव अभ्यारण्य की संख्या	551
राष्ट्रीय उद्यान की संख्या	96
जैव आरक्षित क्षेत्र की संख्या	15
बोटनिकल गार्डन की संख्या	33
बाघ परियोजना	वर्ष 1973
हाथी परियोजना	वर्ष 1992

- नमी प्राप्त मिट्टी वाले क्षेत्रों को आर्द्रभूमी कहते हैं । ऐसे क्षेत्र पानी के उथले तालाब द्वारा आंशिक रूप से या पूरी तरह से घिरे रहते है।
- जैव विविधता पृथ्वी पर हमारे अस्तित्व के लिए आधार है। हम भोजन, पानी, आश्रय, और तंतु के लिए प्रकृति पर आश्रित है। ये सभी एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

भारत के प्रमुख जैव आरक्षित क्षेत्र

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-भारत विश्व जैव विविधता प्रजातियों की कुल संख्या का कितना प्रतिशत है?

उ0 8 प्रतिशत

प्रश्न2-भारत सरकार ने कितने जीव मंडल सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किये हैं?

उ0 15

प्रश्न3-सुंदरवन कहाँ स्थित है?

उ0 पश्चिमी बंगाल

प्रश्न4-वर्तमान में कितने वन्य जीव अभ्यारण हैं?

उ0 551

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1-आर्द्रभूमि को परिभाषित करें?

उ0 आर्द्रभूमि एक ऐसा भूमि क्षेत्र है जिसकी मिट्टी नमी के साथ या तो स्थायी रूप से या मौसम पर आधारित है। ऐसे क्षेत्र पानी के उथले तालाब द्वारा आंशिक रूप से या पूरी तरह से घिरे रहते है।

प्रश्न2-जैव विविधता की रक्षा करने के लिए किसी भी तीन प्रयासों की सूची बनाइए।

उ0

1) पेड़ काटने पर रोक ।
2) पेड़ लगाना ।
3) पर्यावरण प्रदूषण को रोकना ।
4) सभी जानवरों की रक्षा करना ।

प्रश्न3-भारत में जैव आरक्षित क्षेत्र की स्थापना के लिए दो उद्देश्य बताइए ।

उ0

1) पौधों, जानवरों और सूक्ष्म जीवों के जीवन की विविधता को बनाये रखना
2) पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ जीवन को बढ़ावा देना ।

प्रश्न4-जैव विविधता को परिभाषित कीजिए।

उ0 जीन, प्रजातियों और एक क्षेत्र की पारिस्थितिकी तंत्र की कुल संख्या को जैव विविधता कहते हैं ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-भारत में पायी जाने वाली विभिन्न प्राकृतिक वनस्पतियों (वन) के बारे में विस्तार से बताइए ?

उ0 भारत की प्राकृतिक वनस्पति मोटे तौर पर निम्नलिखित वर्गों में विभाजित है:

(क) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

(1) यह वन सदा हरे भरे रहते हैं ।

(2) यह वन गर्म जलवायु क्षेत्र में पाये जाते हैं ।

(3) यह 200 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा वाले क्षेत्र में पाये जाते हैं ।

(4) यहाँ पर मिश्रित वनस्पतियाँ पायी जाती हैं जैसे :- सुगन्धित लकड़ी, महोगनी, रबर और बांस आदि ।

(ख) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

(1) इन वनों के पेड़ वर्ष में एक बार अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं ।

(2) यह वन 75 से 200 सेंटीमीटर वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं ।

(3) इन वनों को खेती के लिए मानव द्वारा अधिकांश रूप से उपयोग किया जाता है ।

(4) इन वनों को आर्द्र पर्णपाती और शुष्क पर्णपाती दो भागों में बांटा गया है ।

(ग) कँटीले वन

(1) इन वनों में कांटेदार पेड़ और झाड़ियाँ पायी जाती हैं ।

(2) यह वन 75 सेंटीमीटर से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं ।

(3) यह वन कम घने होते हैं ।

(4) इन वनों की जड़ें जल का सरंक्षण करती हैं ।

(घ) ज्वारीय वन

(1) यह वन दलदली ज्वार खाड़ियों में पाये जाते हैं ।

(2) इन वनों की जड़ें और शाखाएँ लम्बें समय तक जल में डूबी रहती हैं ।

(3) इन्हें मैंग्रोव वन भी कहा जाता है ।

(4) ये वन तटों के सहारे पाये जाते हैं ।

(ड) हिमालय वन

(1) यह वन हिमालय के पहाड़ी क्षेत्रों में पाये जाते हैं ।

(2) इन वनों को फर्नीचर के लिए काटा जाता है ।

(3) साल और बांस इसकी मुख्य प्रजाति है ।

(4) हिमालय में पायी जाने वाली अंतिम वनस्पति एल्पाइन है ।

प्रश्न2-जैव विविधता के नुकसान का मुख्य कारण क्या हैं? किन्हीं चार कारणों को बताइए।

उ0 बढ़ती आबादी और बदल रही जीवनशैली जैव विविधता के नुकसान का मुख्य कारण है।

जैव विविधता के नुकसान के कारण-

(1) अत्यधिक वनों की कटाई तथा गरीबी

(2) जलवायु परिवर्तन

(3) पौधे और जानवरों को हानि पहुंचाना

(4) व्यापारिक शोषण

12. भारत में कृषि

मुख्य बिन्दु :-

➢ भारत को कृषकों का देश कहा जाता है। भारत में लगभग 70% लोग कृषि से अपनी आजीविका चलाते हैं। कृषि अभी भी हमारे देश में अधिकांश लोगों को आजीविका प्रदान करती है। यह मनुष्य और अन्य जीवों की बुनियादी जरूरत को पूरा करती है।

कृषि/खेती के प्रकार

- निर्वाह
- वाणिज्यिक
- गहन
- विस्तृत
- वृक्षारोपण
- मिश्रित

- **निर्वाह खेती :** भारत के अधिकांश किसान निर्वाह खेती करते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि खुद के उपभोग के लिए खेती।
- **वाणिज्यिक खेती :** इस खेती में उत्पादन का अधिकतर भाग धन प्राप्ति के लिए बाजार में बेचा जाता है।
- **विस्तृत खेती :** जब हम खेती के लिए देश के बड़े क्षेत्र का उपयोग करें तो हम इसे विस्तृत खेती कहते हैं।
- **गहन खेती :** जब हम खेती के लिए देश की सीमित भूमि का उपयोग करें तो हम इसे गहन खेती कहते हैं।
- **वृक्षारोपण खेती :** इसे बागान खेती भी कहते है, जहां एक ही नकदी फसल को बिक्री के लिए उगाया जाता है।
- **मिश्रित खेती :** इसमें फसलों के साथ-साथ पशुपालन भी किया जाता है।

भारतीय कृषि के विशिष्ट लक्षण

- निर्वाह कृषि
- कृषि पर जनसंख्या का दबाव
- कृषि का मशीनीकरण
- मानसून पर निर्भरता
- फसलों में विविधता
- खाद्य फसलों की प्रमुखता
- मौसमी संरचना

भारत की प्रमुख फसलें

क्र.सं.	फसलों के प्रकार	प्रमुख फसलें
1	खाद्य फसलें	चावल, गेहूं, मक्का,बाजरा और दालें
2	नकदी फसलें	कपास, जूट, गन्ना, तम्बाकू और तिलहन
3	वृक्षारोपण फसलें	चाय, कॉफी, नारियल और रबड़
4	बागवानी फसलें	फल और सब्जियां

➢ भारतीय कृषि की कुछ प्रमुख चुनौतियाँ उत्पादन में स्थिरता, कृषि निवेश की उच्च लागत, मृदा उर्वरता का ह्रास, मीठे भूमिगत जल की कमी, जलवायु परिवर्तन, वैश्विकरण, अर्थव्यवस्था का उदारीकरण, खाद्य सुरक्षा और किसानों की आत्महत्या है।

भारत के प्रमुख फसल उत्पादक राज्य

फसल	उत्पादक राज्य
गेहूँ	पंजाब
गन्ना	उत्तर प्रदेश
कपास	गुजरात
चावल	पश्चिमी बंगाल
चाय	असम
कॉफी	कर्नाटक

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- निर्वाह खेती किसे कहते हैं?

उ0 निर्वाह खेती भारत के अधिकांश किसान करते हैं। यह खेती किसान अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए करता है इसमें किसान खाद्य फसलें उगाता है।

प्रश्न2- वाणिज्यिक खेती किसे कहते हैं?

उ0 वाणिज्यिक खेती में उत्पादन का अधिकतर भाग धन प्राप्ति के लिए बाजार में बेचा जाता है। इसमें किसान नकदी फसलें उगाता है ।

प्रश्न3- भारतीय कृषि की दो विशेषताएँ बताइए ।

उ0

(1) भारतीय कृषि मानसून पर निर्भर है।

(2) भारत में फसलों के विभिन्न प्रकार पाये जाते हैं।

प्रश्न4- विस्तृत खेती और गहन खेती में अंतर बताइए ।

उ0 **विस्तृत खेती**- जब हम खेती के लिए देश के बड़े क्षेत्र का उपयोग करते हैं तो इसे विस्तृत खेती कहते हैं।

गहन खेती- जब हम खेती के लिए देश की सीमित भूमि का उपयोग करते हैं तो इसे गहन खेती कहते हैं।

प्रश्न5- नकदी फसलें किन्हें कहते हैं?

उ0 जो फसलें बाजार में बेचने के लिए उगाई जाती हैं उन्हें नकदी फसलें कहते है जैसे: कपास, जूट, गन्ना, तम्बाकू और तिलहन आदि।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- गेंहू की खेती के लिए किन्हीं चार भौगोलिक परिस्थितियों को लिखें।

उ0 गेंहू रबी की फसल है जिसको अक्टूबर-नवम्बर में उगाया जाता है और मार्च-अप्रैल में काट लिया जाता है।

गेंहू की खेती के लिए प्रमुख भौगोलिक परिस्थितियाँ इस प्रकार हैं:

(1) **तापमानः** 10-15 डिग्री सेल्सियस

(2) **वर्षाः** 75 से 100 सेमी तक

(3) **मृदाः** दोमट और चिकनी मिट्टी गेहूँ के उत्पादन के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त है।

(4) **श्रमः** इसमें बहुत कम श्रम (मजदूरी) की जरुरत होती है

(5) **वितरणः** भारत में गेंहू उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में उगाया जाता है।

प्रश्न2-चाय की खेती के लिए किन्हीं चार भौगोलिक परिस्थितियों को लिखें।

उ0 भारत में चाय की शुरुआत 1923 में अंग्रेजों द्वारा शुरू की गयी थी । चाय के लिए गर्म और नम जलवायु की आवश्कता होती है ।

चाय की खेती के लिए प्रमुख भौगोलिक परिस्थितियाँ इस प्रकार हैं :

(क) तापमानः 20 से 30 डिग्री सेल्सियस ।

(ख) वर्षाः चाय उत्पादन के लिए अधिक वर्षा (150-300 सेमी) चाहिए।

(ग) मृदाः चिकनी बलुई मिट्टी चाय के उत्पादन हेतु उपयुक्त मानी जाती है ।

(घ) वितरणः भारत में असम राज्य चाय उत्पादकों में अग्रणी है, इसके बाद पश्चिम बंगाल चाय का दूसरा बड़ा उत्पादक राज्य है ।

प्रश्न3-भारतीय कृषि द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए।

उ0 भारतीय कृषि की प्रमुख चुनौतियाँ इस प्रकार हैं -

(1) **खेत निवेश में उच्च लागत**- कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए उर्वरक, कीट नाशक और अच्छे किस्म के बीजों पर अधिक खर्च करना पड़ता है

(2) **मृदा में उर्वरता की कमी**- उर्वर के अधिक इस्तेमाल से मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी होती जा रही है ।

(3) **मीठे भूमिगत जल की कमी**- कृषि में मीठे भूमिगत जल का अधिक उपयोग करने से मीठा भूमिगत जल कम होता जा रहा है ।

(4) **किसानों की आत्महत्या**- कृषि निवेश में भारी गिरावट, बढ़ता हुआ लागत खर्च एवं घटती कृषि आय ने किसानों की आत्महत्या की समस्या को बहुत गंभीर बना दिया है ।

13. यातायात तथा संचार के साधन

मुख्य बिन्दु :-

- परिवहन और संचार के साधन आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना करना मुश्किल है।
- लोगों का भ्रमण एक स्थान से दूसरे स्थान तक शिक्षा, नौकरी की तलाश या आकस्मिक कार्यों के लिए परिवहन के माध्यम से ही सम्भव है ।

परिवहन के साधन

- स्थल
  - सड़क
  - रेलवे
- जल
  - समुद्री
  - अंतर्देशीय
- वायु
  - घरेलू
  - अंतर्राष्ट्रीय

- स्वर्णिम चतुर्भुज मार्ग दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को जोड़ता है जो ज्यामितीय आकार में चतुर्भुज की तरह है।
- उत्तर - दक्षिण गलियारा जो श्रीनगर से कन्याकुमारी को जोड़ता है।
- पूर्व - पश्चिम गलियारा जो पश्चिम में पोरबंदर से पूर्व में सिलचर से जुड़ा हुआ है।
- भारत में सबसे पुराना और सबसे लंबा सड़क मार्ग गंगा के मैदान में उत्तर-पश्चिम से पूर्व की ओर 16वीं शताब्दी में शेरशाह सूरी ने बनवाया था जिसे ग्रैंड ट्रंक रोड का नाम दिया गया था।
- 'भारतीय प्रथम रेल 1853 में मुंबई से ठाणे' 34 किमी की दूरी के बीच शुरू की गई थी।
- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का गठन 1986 में किया गया था।
- आधुनिक हवाई जहाज को 1903 में राइट ब्रदर्स ने डिजाइन किया था। भारत में हवाई परिवहन 1911 में शुरू हुआ।
- संचार के विभिन्न साधनों को दो वर्गों में वर्गीकृत किया जाता है:

  1) संचार के निजी साधन
  2) जन संचार के साधन

- भारत में रेडियो प्रसारण 1927 में मुंबई और कोलकाता से मनोरंजन करने, शिक्षित बनाने और महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए शुरू किया गया।
- भारत की राष्ट्रीय टेलीविजन प्रसारण सेवा को वर्ष 1959 में शुरू किया गया ।

बंदरगाह	राज्य
कांदला	गुजरात
मुंबई	महाराष्ट्र
जवाहरलाल नेहरू	महाराष्ट्र
मारमागाव	गोवा
नयामंगलौर	कर्नाटक
कोच्चि (कोचीन)	केरल
तूतीकोरिन	तमिलनाडु
चेन्नई	तमिलनाडु
विशाखापत्तनम्	आन्ध्र प्रदेश
पाराद्वीप	ओडिशा
हल्दिया	पश्चिम बंगाल
कोलकाता	पश्चिम बंगाल

भारत के प्रमुख बंदरगाह

भारत के अन्तर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे

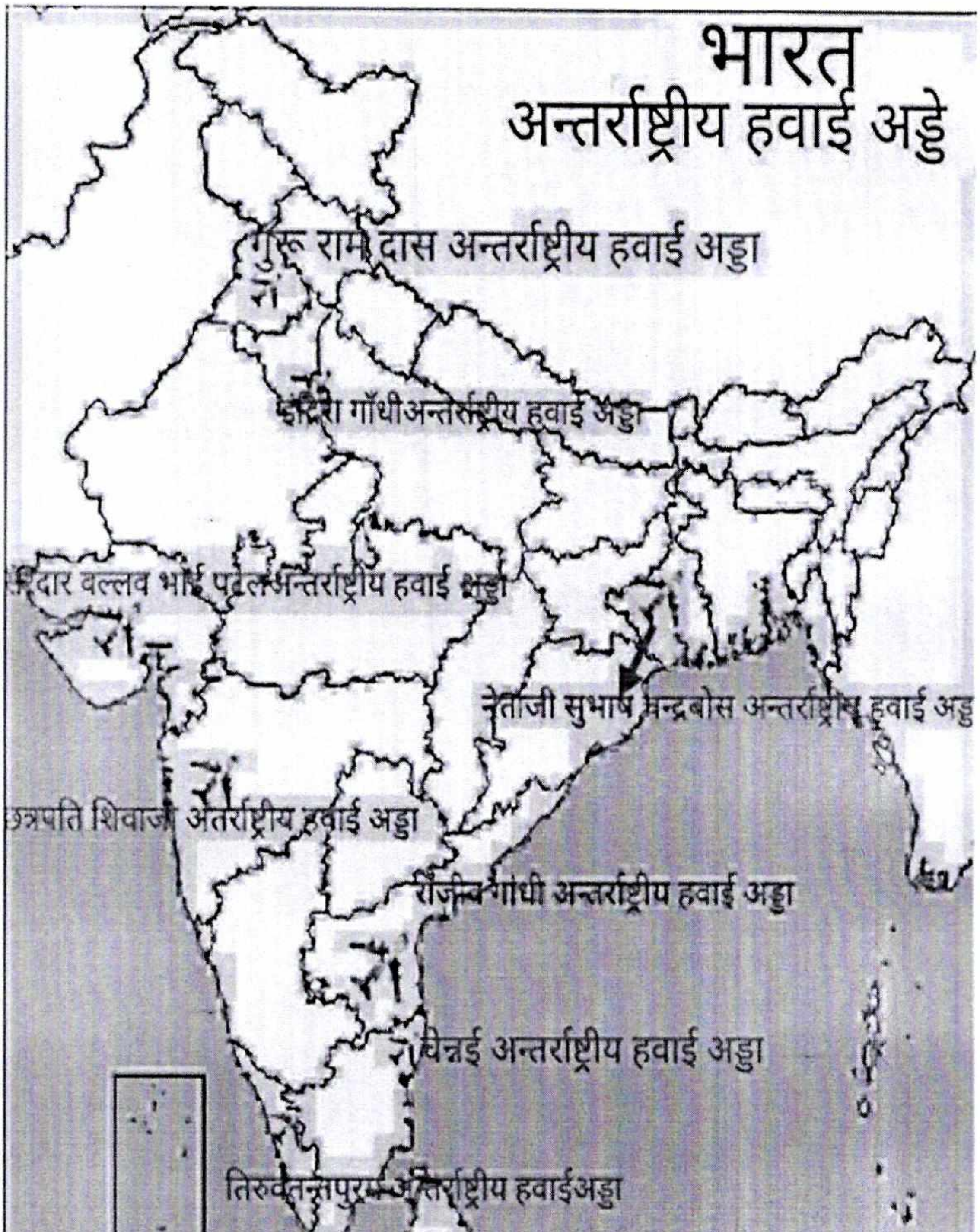

भारत के उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम गलियारे

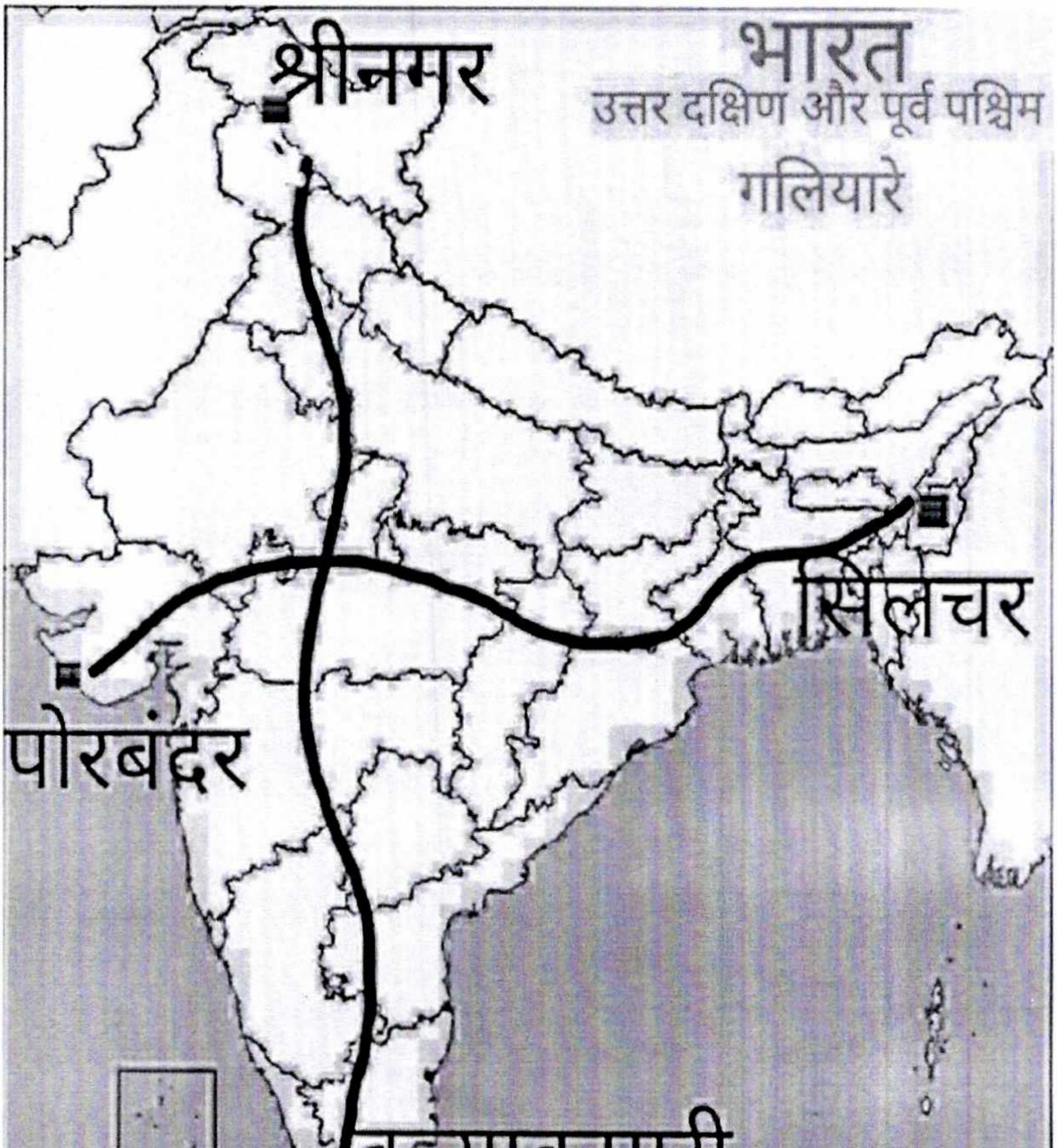

भारत के स्वर्णिम चतुर्भुज मार्ग

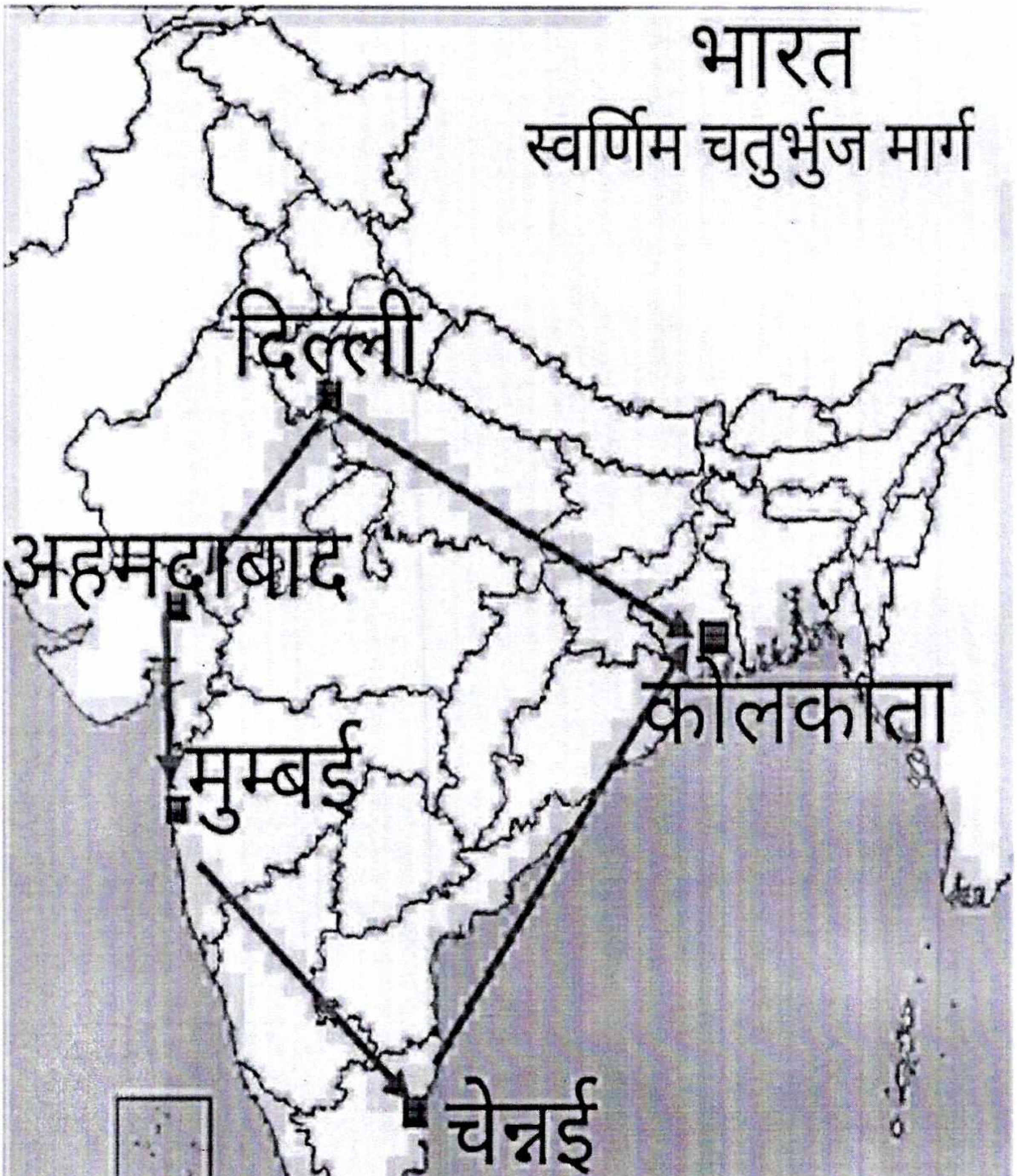

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- ग्रैंड ट्रंक रोड किसने बनवाया था?

उ0 शेरशाह सूरी

प्रश्न2- भारत में प्रथम रेल सेवा कब और कहाँ से शुरू की गयी?

उ0 1853 में मुंबई से ठाणे तक

प्रश्न3- भारत की राष्ट्रीय टेलीविजन प्रसारण सेवा कब शुरू की गयी?

उ0 1959

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- परिवहन और संचार के साधनों को देश की अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा के रूप में क्यों माना जाता है?

उ0 **परिवहन** : परिवहन के साधन लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में मदद करते है और वस्तुओं की ढुलाई, व्यापार और वाणिज्य में भी परिवहन मदद करता है ।

संचार : संचार के साधन हमें संसार की घटनाओं और सूचनाओं के बारे में सूचित करते है।

प्रश्न2- परिवहन के अन्य साधनों की अपेक्षा वायुमार्ग के क्या लाभ हैं?

उ0 वायुमार्ग के लाभ :-

(1) यह परिवहन का सबसे तेज साधन है।

(2) यह पहाड़ों, घने जंगलों, दलदली भूमी या बाढ़ क्षेत्रों में किसी भी अवरोध से मुक्त है।

(3) यह देश की रक्षा में सबसे उपयोगी साधन है।

प्रश्न3- भारत के लिए जलमार्गों का क्या महत्व है?

उ0 भारत में जलमार्ग का महत्व :

(1) परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में यह सबसे सस्ता है क्योंकि इसके निर्माण और रख रखाव में खर्च नहीं होता है।

(2) भारी माल की ढुलाई के लिए यह सबसे उपयोगी साधन है।

(3) यह ईंधन की बचत और पर्यावरण का मित्र है।

प्रश्न4- निजी संचार और जन संचार के बीच अंतर कीजिए?

उ0 **निजी संचार के साधन** :- निजी संचार के साधन वह साधन हैं जिनका उपयोग व्यक्तिगत रूप से किया जाता है, जैसे: डाक सेवा, टेलीफोन सेवा ।

जन संचार के साधन :- इन साधनों के द्वारा बहुत बड़ी संख्या में लोगों को जानकारी दी जा सकती है। इसे मीडिया या जनसंचार कहते हैं। जैसे रेडियो, टेलीविजन, अखबार, सिनेमा, किताबें, आदि।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-सड़क मार्ग के तीन गुण और तीन दोष बताइए।

उ0 **सड़क मार्ग के गुण :-**

(1) सड़कें रिक्शा, कार, साइकिल, स्कूटर या ट्रक के माध्यम से घर-घर जाने के लिए सेवा प्रदान करते हैं।

(2) सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी क्षेत्रों से जोड़ती है।

(3) दूध, फल और सब्जियां जैसे खराब होने वाला माल जल्दी से शहर या महानगरों में सड़क मार्ग से पहुंचाया जाता है।

(4) सड़कों के माध्यम से हम रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों और समुद्री पत्तनों तक पहुंचते है।

सड़क मार्ग के दोष :-

(1) सड़क मार्ग के रख रखाव में अधिक खर्च करना पड़ता है।

(2) वर्षा में सड़कों पर पानी व कीचड़ भर जाता है।

(3) सड़क मार्गों पर अवरोध उत्पन्न किया जा सकता है जैसे- दंगे और आंदोलनों के दौरान।

प्रश्न2-रेलें हमारे लिए किस प्रकार महत्वपूर्ण हैं? किन्हीं चार कारणों की व्याख्या कीजिए।

उ0 रेल मार्ग का महत्व :-

(1) यह परिवहन का सबसे सस्ता साधन है ।

(2) इसमें हजारों यात्री एक साथ यात्रा कर सकते हैं ।

(3) इसमें सभी आय वर्ग के लोग यात्रा कर सकते हैं ।

(4) इसमें कोई भी यात्री शयनयान डिब्बे बर्थ और शौचालय की सुविधा के साथ एक आरामदायक रात की यात्रा कर सकता है।

14. जनसंख्या हमारा प्रमुख संसाधन

मुख्य बिन्दु :-

- जनसंख्या अर्थव्यवस्था के लिए देश का सबसे बड़ा संसाधन है ।
- किसी भी क्षेत्र विशेष में निवास करने वाले लोगों की कुल संख्या (उदाहरण-गाँव, शहर, राज्य, देश, विश्व की जनसंख्या) जनसंख्या कहलाती है ।
- लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति और उनके विशेष प्रशिक्षण मानव संसाधन के रूप में जनसंख्या की गुणवत्ता निर्धारित करते हैं।
- एक क्षेत्र में आबादी के प्रसार को जनसंख्या वितरण कहते है ।
- **जनसंख्या का घनत्वः** प्रति इकाई क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या है।
- जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक:-

  (1) **प्राकृतिक कारक** - उच्चावच, जलवायु और मृदा।

  (2) **सामाजिक-आर्थिक कारक** - औद्योगिकरण और शहरीकरण, परिवहन और संचार ।
- जनसंख्या परिवर्तन के कारक:-

  (1) जन्म दर,

  (2) मृत्यु दर

  (3) प्रवास।
- 1921 को भारतीय जनसंख्या की जनसांख्यिकीय इतिहास में महान विभाजन वर्ष कहा जाता है।
- भारत में अधिक जनसंख्या वृद्धि दर के कारण :-

  (1) निरक्षरता

  (2) शिक्षा के निम्न स्तर

  (3) असंतोषजनक स्वास्थ्य

  (4) पोषण की स्थिति और गरीबी

  (5) पुरुष बच्चो की वरीयता,

  (6) छोटी उम्र में शादी ।
- जनसंख्या संरचना के पहलू :-

  (1) आयु संरचना

  (2) लिंग संरचना

  (3) ग्रामीण - शहरी, संरचना

  (4) साक्षरता
- लिंग अनुपात को प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- हमारे देश में लिंग अनुपात हमेशा से महिलाओं के लिए प्रतिकूल बना हुआ है। इसका कारण समाज में प्रचलित महिलाओं के खिलाफ भेदभाव है।

➢ सात वर्ष या उससे ज्यादा का व्यक्ति किसी भी भाषा में समझदारी के साथ लिखना और पढ़ना जानें इसी को साक्षरता कहते हैं।

➢ भारत में सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य केरल है।

➢ **राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 :-** इस नीति के उद्देश्य गर्भनिरोधक, स्वास्थ्य देखभाल में बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के अपूर्ण जरूरतों को पूरा करना है। इसके साथ ही साथ प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य की देखभाल के लिए एकीकृत सेवा प्रदान करना है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश कौन-सा है?

उ0 चीन

प्रश्न2- वर्ष..................को भारत में जनसंख्या विभाजन वर्ष कहते हैं?

उ0 1921

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- मानव को संसाधन बनाने के लिए आवश्यक गुणों को बताइये।

उ0

(1) शिक्षा ।

(2) स्वास्थ्य और पोषण ।

(3) प्रशिक्षण ।

(4) कौशल ।

प्रश्न2- भारत में प्रतिकूल लिंग अनुपात के लिए जिम्मेदार कोई भी दो कारण बताएँ।

उ0

(क) महिलाओं के खिलाफ भेदभाव।

(ख) कन्या भ्रुण हत्या और शिशु हत्या।

प्रश्न3- जन्मदर और मृत्युदर में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

उ0 **जन्मदर :-** एक वर्ष में प्रति हजार जनसंख्या की तुलना में कुल जिन्दा जन्मे बच्चों की संख्या जन्म दर कहलाती है।

मृत्युदर :- दिए गए वर्ष में प्रति हजार जनसंख्या में से होने वाली मौतों की संख्या मृत्यु दर कहलाती है।

प्रश्न4- लिंग अनुपात को परिभाषित कीजिए ।

उ0 प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते हैं ।

प्रश्न5- आश्रित जनसंख्या किसे कहते हैं?

उ0 वृद्ध और बच्चों की आबादी को आश्रित आबादी कहते हैं । अगर आश्रित आबादी बढती है तो निर्भरता बढती है सरकार को इस पर अधिक खर्च करना पड़ता है।

प्रश्न6- भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण लिखिए ।

उ0

(1) निरक्षरता

(2) गरीबी

(3) छोटी उम्र में शादी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले किन्ही चार कारकों की व्याख्या कीजिए ।

उ0 जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक :-

(क) प्राकृतिक कारक -

(1) **उच्चावच:**- पहाड़ों और पठारों की अपेक्षा मैदानी इलाकों में अधिक जनसंख्या निवास करती है जैसे- जम्मू और कश्मीर तथा उत्तराखंड में कम जनसंख्या निवास करती है ।

(2) **जलवायु:**- सामान्य जलवायु में अधिक जनसंख्या निवास करती है जबकि कठोर जलवायु, बहुत गर्म, बहुत ठंडा, बहुत सूखा, बहुत नम क्षेत्रों में कम घनत्व होता है। जैसे - जम्मू और कश्मीर और राजस्थान में कम जनसंख्या पायी जाती है ।

(3) **मृदा:**- ऊपजाउ मृदा के क्षेत्रों, में बड़ी आबादी का भरण पोषण होता है। यही कारण है की उपजाऊ मिट्टी के क्षेत्रों में जैसे उत्तर भारत और तटीय जलोढ़ मैदानों में जनसंख्या का उच्च घनत्व है ।

(ख) सामाजिक-आर्थिक कारक -

(1) **औद्योगिकरण और शहरीकरण:**- उद्योग धंधों वाली जगहों पर बड़ी संख्या में लोग निवास करते है। इन क्षेत्रों में कई आर्थिक गतिविधियाँ है जो रोजगार के अवसरों को बढ़ा देती है। इसके अलावा, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ भी इन क्षेत्रों में बेहतर हैं।

(2) **परिवहन और संचार:**- जिन क्षेत्रों में परिवहन और संचार के साधनों की अधिक सुविधा होती है वहाँ पर अधिक जनसंख्या निवास करती है जैसे - दिल्ली और मुंबई ।

प्रश्न2- महिला सशक्तिकरण का क्या मतलब है? तथा इसको कैसे बढ़ावा मिला और महिला सशक्तिकरण कैसे पूरे समाज तथा समुदाय को सशक्त करता है?

उ0 महिला सशक्तिकरण का अर्थ है- महिलाओं का सर्वागीण विकास

(1) भारतीय संविधान महिलाओं को भी पुरुषों के समान अधिकार प्रदान करता है।

(2) महिला सशक्तिकरण को तब बढ़ावा मिला जब 73 वें और 74 वें संविधान संशोधन द्वारा महिलाओं को 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गयी।

(3) लोकसभा और विधानसभा में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का प्रावधान किया जा रहा है ।

(4) महिलाओं के सशक्तिकरण को प्रोत्साहन देना भेद-भाव के सभी रूपों की समाप्ति करना है। यह कदम सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करता है।

15. संवैधानिक मूल्य तथा भारत की राजनीतिक व्यवस्था

मुख्य बिन्दु :-

- सामान्यत: संविधान शब्द का प्रयोग नियम और कानूनों के एक ऐसे समूह के लिए किया जाता है जो किसी संस्था, संगठन या देश की संरचना और कार्यप्रणाली को परिभाषित तथा नियमित करते है।
- संविधान सभा ने 9 दिसम्बर, 1946 को संविधान बनाने का कार्य प्रारम्भ किया।
- डॉ0 बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। इन्हे भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है।
- संविधान निर्माण में 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन का समय लगा।
- संविधान निर्माण 26 नवम्बर 1949 को पूरा हुआ तथा 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।
- भारतीय संविधान की प्रस्तावना में सम्मिलित मूल्यों को संविधान के उद्देश्यों की तरह अभिव्यक्त किया गया है। ये हैं संप्रभुता, समाजवाद, पंथ निरपेक्षता, लोकतन्त्र, भारत राज्य की गणतान्त्रिक प्रकृति, न्याय, स्वतन्त्रता, समानता, बन्धुता, मानवीय गरिमा तथा राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता।
- सांविधानिक मूल्य भारतीय संविधान के सभी प्रमुख विशेषताओं में भी व्याप्त हैं। जैसे लिखित संविधान, अनमनशील तथा नमनशील संविधान का अनोखा मिश्रण, मूल अधिकार, राज्य के नीति निदेशक तत्त्व, मौलिक कर्त्तव्य, एकल नागरिकता, सार्वभौम वयस्क मताधिकार, संघवाद तथा संसदीय शासन प्रणाली।
- सामान्यतया विश्व में दो प्रकार के राज्य हैं। वह राज्य जहाँ पूरे देश में केवल एक ही सरकार है। उसे एकात्मक राज्य कहते हैं। ऐसे राज्य हैं, जहाँ दो स्तरों पर सरकारें हैं: एक केन्द्रीय स्तर पर तथा दूसरी राज्य स्तर पर। उन्हें संघीय सरकार कहते हैं।
- भारतीय व्यवस्था का स्वरूप संघीय है लेकिन आत्मा एकात्मक है।'' ऐसा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि भारत में केन्द्र सरकार बहुत मजबूत है।
- भारतीय राजनीतिक पद्धति की एक अन्य विशेषता इसकी संसदीय शासन प्रणाली है। भारतीय संसदीय शासन प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
  (1) विधायिका तथा कार्यकारिणी के बीच घनिष्ठ संबंध है।
  (2) कार्यकारिणी का विधायिका के प्रति उत्तरदायित्व है।
  (3) कार्यकारिणी में एक राज्याध्यक्ष है जो नाममात्र का प्रधान है तथा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिपरिषद है, जो वास्तविक कार्यकारिणी है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- भारतीय संविधान का निर्माण किसके द्वारा हुआ था?

उ0 संविधान सभा

प्रश्न2- भारतीय संविधान को कब लागू किया गया?

उ0 26 जनवरी 1950

प्रश्न3- भारतीय संविधान का जनक किसे कहा जाता है?

उ0 डॉ0 बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर

प्रश्न4- भारतीय संविधान को बनने में कितना समय लगा?

उ0 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- संविधान का क्या अर्थ है?

उ0 संविधान नियमों-कानूनों का एक ऐसा समूह है जिसके द्वारा किसी देश की सरकार को चलाया जाता है ।

प्रश्न2- एकल या इकहरी नागरिकता का क्या अर्थ है ?

उ0 इसका अर्थ यह है कि प्रत्येक भारतीय भारत का एक नागरिक है, चाहे उसका जन्म किसी भी स्थान में हुआ हो और उसका निवास स्थान कहीं भी हो।

प्रश्न3- सार्वभौम वयस्क मताधिकार का अर्थ क्या है?

उ0 भारत में प्रत्येक नागरिक को एक निश्चित उम्र (18वर्ष) का हो जाने के बाद मतदान करने का अधिकार प्राप्त हो जाता है। इसमें धर्म, जाति, लिंग, वंश तथा जन्मस्थान या निवास स्थान के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसे ही सार्वभौम वयस्क मताधिकार कहा जाता है ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

उ0

(1) भारत का संविधान एक लिखित संविधान है ।

(2) भारत का संविधान विश्व का सबसे लम्बा संविधान है ।

(3) भारत का संविधान कठोर व लचीला संविधान है ।

(4) भारत के संविधान में संघीय व्यवस्था तथा संसदीय शासन प्रणाली पायी जाती है।

(5) भारत के संविधान में सार्वभौम वयस्क मताधिकार का प्रावधान किया गया है।

प्रश्न2- भारतीय संविधान की संघीय विशेषताएँ बताइए ।

उ0

(1) **द्विसोपानीय सरकार:** भारतीय संविधान के द्वारा दो स्तरों पर सरकारों का प्रावधान किया गया है एक सारे देश के लिए, जिसे केन्द्रीय सरकार कहते हैं तथा दूसरी प्रत्येक राज्य के लिए, जिसे राज्य सरकार कहते हैं।

(2) **शक्तियों का विभाजन:** भारतीय संघ में केन्द्र तथा राज्य सरकारों के बीच संविधान द्वारा शक्तियों का विभाजन किया गया है ।

(3) **लिखित संविधान:** भारत का एक लिखित संविधान है, जो सर्वोच्च है। यह केन्द्र तथा राज्य दोनो सरकारों के लिए शक्ति स्रोत है।

(4) **स्वतन्त्र न्यायपालिका:** संघीय व्यवस्था की एक अन्य विशेषता स्वतन्त्र न्यायपालिका है। इसे इसलिए स्वतन्त्र रखा जाता है ताकि वह संविधान की व्याख्या कर सके तथा उसकी पवित्रता को बरकरार रख सके।

प्रश्न3- भारत के बारे में यह कहा जाता है कि ''भारत स्वरूप में एक संघीय व्यवस्था है, लेकिन इसकी आत्मा एकात्मक है।'' इस कथन के कारणों की चर्चा कीजिए।

उ0

(1) भारत के सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्र पर केन्द्र सरकार का अधिकार है। राज्यों का अस्तित्त्व तथा देश की क्षेत्रीय अखण्डता संसद के हाथों में है ।

(2) केन्द्र तथा राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन भी केन्द्रीय सरकार के पक्ष में है।

(3) भारत में एकीकृत तथा समाकलित न्यायपालिका है, जिसके शीर्ष पर सर्वोच्च न्यायालय है।

(4) जब कभी संकटकालीन स्थितियों में से किसी एक की घोषणा हो जाए तो केन्द्रीय सरकार बहुत शक्तिशाली हो जाती है और भारत लगभग एक एकात्मक राज्य बन जाता है।

16. मौलिक अधिकार तथा मौलिक कर्त्तव्य

मुख्य बिन्दु :-

- **अधिकार** :- किसी व्यक्ति द्वारा अपेक्षित ऐसे दावे/हक हैं जो उसके स्वयं के व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक हैं तथा समाज या राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।
- भारतीय संविधान के भाग III में अनुच्छेद 12-35 तक कुल छः मौलिक अधिकार भारतीय नागरिकों को प्रदान किये गये है। ये हैं:
    (1) समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)
    (2) स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
    (3) शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
    (4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
    (5) संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
    (6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

- मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार दिये गये थे। जिसमें सम्पत्ति का अधिकार भी दिया गया था लेकिन 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा इसे मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया। अब यह मौलिक अधिकार न होकर कानूनी अधिकार मात्र है।
- वर्ष 2002 में 86 वें संविधान संशोधन द्वारा मूलाधिकारों के अध्याय में एक नया अनुच्छेद 21A के रूप में जोड़ा गया जिसमें 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चे मूलाधिकार के रूप में अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा का दावा कर सकें।
- संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने वर्ष 1948 में मानव अधिकारों को अंगीकृत किया तथा मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की।
- भारत सरकार द्वारा वर्ष 1993 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन किया गया।

- प्रत्येक अधिकार के एवज में नागरिकों से समाज भी कुछ आशा करता है जिन्हें सामूहिक रूप से मूल कर्त्तव्य कहा जाता है।
- 26 जनवरी 1950 को लागू मूल संविधान में मौलिक कर्त्तव्यों का उल्लेख नहीं किया गया था। लेकिन 42वें संविधान संशोधन 1976 द्वारा संविधान के भाग 4(क) में अनुच्छेद 51अ में दस मूल कर्त्तव्यों को शामिल किया गया।
- 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के पारित होने के बाद एक नया कर्त्तव्य और जोड़ा गया है। ''प्रत्येक माता-पिता या अभिभावक का यह कर्त्तव्य है कि वह अपने बालक के लिए 6-14 वर्ष की आयु के बीच शिक्षा के अवसर प्रदान करें।''

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- हमारे मौलिक अधिकारों का अभिरक्षक किसे कहा जाता है?

उ0 सर्वोच्च न्यायालय को

प्रश्न2- सयुंक्त राष्ट्र संघ ने मानव अधिकारों की घोषणा कब की?

उ0 10 दिसम्बर 1948 को

प्रश्न3- कौन-से संविधान संशोधन द्वारा संपति के अधिकार को मौलिक अधिकारों से हटाया गया?

उ0 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा

प्रश्न4- भारतीय संविधान में दस मौलिक कर्तव्यों को कब शामिल किया गया?

उ0 1976 में 42वे संविधान संशोधन द्वारा

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- शिक्षा का अधिकार भारत में निरक्षरता को दूर करने में कहाँ तक सक्षम होगा? व्याख्या कीजिए।

उ0 शिक्षा का अधिकार वर्ष 2002 में 86 वें संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 21A के रूप में मौलिक अधिकारों में जोड़ा गया। जिसमें 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चे मूलाधिकार के रूप में अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा का दावा कर सकें। देश को निरक्षरता से मुक्त करने की दिशा में उठाया गया यह एक बड़ा कदम है। इसका उद्देश्य 6 से 14 वर्ष के उन सभी बच्चों को जो भारत में स्कूलों से बाहर हैं, उन्हें स्कूलों तक लाना तथा उन्हें गुणवत्ता युक्त शिक्षा, जो कि उनका अधिकार है, सुनिश्चित करना है।

प्रश्न2- स्वतंत्रता के अधिकार पर लगाये गये प्रतिबंधों पर प्रकाश डालिये।

उ0 स्वतंत्रता के अधिकार पर लगाये गये प्रतिबंध :-

(1) हिंसा को भड़काने के लिए व्यक्ति या समूहों के भ्रमण पर प्रतिबंध ।

(2) जुआ, वेश्यावृत्ति, नशीले पदार्थ के व्यापार जैसे कारोबार की अनुमति नहीं देना।

(3) हवाई अड्डे के पास निवास स्थान के लिए मनाही ।

(4) लोगों में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने वाली भाषा के प्रयोग पर प्रतिबंध ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न5-सविंधान द्वारा हमें प्रत्याभूत छः मूल अधिकारों को लिखिए।

उ0 भारतीय नागरिकों को दिए गये अधिकार:-

(1) समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)

(a) संविधान यह सुनिश्चित करता है कि सभी नागरिक कानून के समक्ष समान होंगे।

(b) राज्य धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करेगा।

(c) सार्वजनिक रोजगार के मामले में सभी नागरिकों को अवसर की समानता

(d) छुआछूत का अंत।

(e) उपाधियों का अंत ।

(2) स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)

(a) विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ।

(b) शांतिपूर्वक और बिना हथियार सभा और सम्मेलन करने की स्वतंत्रता ।

(c) संघ और संगठन बनाने की स्वतंत्रता ।

(d) भारत के राज्यक्षेत्र में भ्रमण की स्वतंत्रता ।

(e) भारत में कहीं पर भी निवास करने की स्वतंत्रता ।

(3) शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)

(a) मानव को एक वस्तु के रूप में बेचना और खरीदना तथा बलात श्रम पर रोक ।

(b) 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से कारखानों में काम करवाना दंडनीय अपराध है ।

(4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)

(a) सभी नागरिकों को किसी भी धर्म को मानने, अपनाने तथा प्रचार करने की स्वतंत्रता है ।

(b) सभी नागरिकों को धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता है ।

(c) सभी नागरिकों को अपने धर्म को बढ़ावा देने की स्वतंत्रता।

(d) किसी भी धर्म की उपासना करने की स्वतंत्रता।

(5) संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)

(a) किसी भी अल्पसंख्यक वर्ग को, जिसकी अपनी विशेष भाषा, लिपि या संस्कृति है, उसे बनाये रखने का अधिकार होगा।

(b) अल्पसंख्यकों को शिक्षा संस्थान खोलने और प्रशासन का अधिकार होगा।

(6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

(a) संवैधानिक उपचारों का अधिकार हमारे सभी मूल अधिकारों की रक्षा करता है ।

(b) यदि हमारे किसी भी मूलाधिकारों का उल्लंघन होता है तो हम सीधे उच्चतम न्यायालय में अपील कर सकते है ।

(c) उच्चतम न्यायालय मूलाधिकारों के बचाव के लिए निर्देश, आदेश तथा रिट जारी कर सकता है ।

प्रश्न6- संविधान में उल्लेखित मूल कर्त्तव्य क्या हैं? आपके मत में इनमें से कौन से अधिक महत्वपूर्ण हैं और क्यों?

उ0 प्रत्येक अधिकार के एवज में नागरिकों से समाज भी कुछ आशा करता है जिन्हें सामूहिक रूप से मूल कर्त्तव्य कहा जाता है। हमारे अनुसार सभी मूल कर्तव्य महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह हमारे मौलिक अधिकारों को पालन करने में मदद करता है ।

संविधान में दिए गये 10 मूल कर्त्तव्य:

(1) संविधान का पालन करें तथा राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें ।

(2) राष्ट्रीय आंदोलन का सम्मान करें ।

(3) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करें ।

(4) देश की रखा करें और जरूरत के समय राष्ट्र की सेवा करें ।

(5) भारत के सभी लोगों से भाईचारा रखें और महिलाओं का सम्मान करें ।

(6) मिश्रित संस्कृति का सम्मान करें और उसे बनाये रखें ।

(7) प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करें ।

(8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखें ।

(9) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखें और हिंसा से दूर रहें ।

(10) राष्ट्रीय विकास की व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में भाग लें ।

17. भारत एक कल्याणकारी राज्य

मुख्य बिन्दु :-

- ➢ कल्याणकारी राज्य ऐसी अवधारणा है जिसमें राज्य नागरिकों के आर्थिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा और संरक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- ➢ कल्याणकारी राज्य अवसर की समानता तथा धन के उचित वितरण के सिद्धांत पर आधारित होता है।
- ➢ जब भारत स्वतन्त्र हुआ, तो इनके सामने असंख्य समस्याएँ तथा चुनौतियाँ थीं। संविधान निर्माता इन समस्याओं से बहुत अच्छी तरह परिचित थे। इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि भारत एक कल्याणकारी राज्य होगा।
- ➢ संविधान में भारत के लोगो के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए दो विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं

  (1) मूल अधिकार

  (2) नीति निदेशक तत्व
- ➢ राज्य के नीति निदेशक तत्व भारत की केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के लिए दिशा-निर्देश हैं।
- ➢ राज्य के नीति निदेशक तत्वों को संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक सूचीबद्ध किया गया है जो संविधान के भाग चार में है । इन्हें आयरलैंड के संविधान से लिया गया है ।
- ➢ नीति निदेशक तत्वों को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत कर सकते हैं:

  (1) सामाजिक और आर्थिक समानता का सिद्धांत ।

  (2) गाँधीवादी विचारधारा का सिद्धांत ।

  (3) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा का सिद्धांत ।

  (4) विविध सिद्धांत ।
- ➢ एक नया निदेशक तत्व 42वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया है। यह पर्यावरण की सुरक्षा तथा सुधार और देश के वन तथा वन्य जीवन की सुरक्षा के विषय में राज्य के कर्त्तव्य का उल्लेख करता है।
- ➢ राज्य के नीति निदेशक तत्व तथा मूल अधिकारों में कुछ मूलभूत अन्तर हैं। नीति निदेशक तत्वों को न्यायालय लागू नहीं करा सकते। इनके कार्यान्वियन के लिए सरकार पर कोई संवैधानिक या कानूनी बाध्यता नहीं है। मूल अधिकार के पीछे न्यायालय की शक्ति है। नागरिकों को मूल अधिकारों के लिए मना नहीं किया जा सकता। ये उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायलयों द्वारा संरक्षित हैं।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- भारतीय संविधान के किस भाग में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का समावेश किया गया है?

उ0 भाग-4

प्रश्न2- नीति निर्देशक सिद्वांतों का विचार किस देश के संविधान से लिया गया है?

उ0 आयरलैंड

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- कल्याणकारी राज्य से आप क्या समझते हैं?

उ0 कल्याणकारी राज्य ऐसी अवधारणा है जिसमें राज्य नागरिकों के आर्थिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा और संरक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कल्याणकारी राज्य अवसर की समानता तथा धन के उचित वितरण के सिद्धांत पर आधारित होता है।

प्रश्न2- संविधान निर्माताओं ने यह निर्णय क्यों किया कि भारत एक कल्याणकारी राज्य होगा?

उ0 जब भारत स्वतन्त्र हुआ, तो इनके सामने असंख्य समस्याएँ तथा चुनौतियाँ थीं। आर्थिक रूप से भारत की हालत अत्यन्त दयनीय थी। समाज के कमजोर वर्ग जैसे महिलाएँ, दलित, बच्चे जीवन यापन के बुनियादी साधनों से भी वंचित थे। संविधान निर्माता इन समस्याओं से बहुत अच्छी तरह परिचित थे। इसी लिए उन्होंने निश्चय किया कि भारत एक कल्याणकारी राज्य होगा।

प्रश्न3- राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों के क्या उद्देश्य हैं?

उ0

(1) इन सिद्वांतों का मुख्य उद्देश्य ऐसी सामाजिक और आर्थिक दशाओं का निर्माण करना है जिनकें अन्तर्गत सभी नागरिक अच्छा जीवन व्यतीत कर सके।

(2) देश में सामाजिक तथा आर्थिक लोकतन्त्र की स्थापना करना है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों के किन्हीं चार सिद्वांतों का वर्णन कीजिए?

उ0 -

1) सामाजिक और आर्थिक समानता का सिद्धांत

(a) राज्य द्वारा अपने लोगों के लिए आजीविका के पर्याप्त साधन सुनिश्चित किए जाने चाहिए।

(b) पुरुष और स्त्री दोनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन होना चाहिए।

(c) राज्य 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए कदम उठाए।

(d) राज्य बच्चों और महिलाओं के शोषण पर रोक लगायें ।

2) गाँधीवादी विचारधारा का सिद्धांत-

(a) राज्य समाज के कमजोर वर्गो विशेष रूप से अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के हितों को बढावा देगा।

(b) राज्य ग्राम पंचायतों का गठन करने के लिए कदम उठाएगा।

(c) राज्य मादक पदार्थों तथा अन्य हानिकारक औषधियों आदि के सेवन को रोकने का प्रयास करेगा।

(d) राज्य ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग को बढावा देने का प्रयास करेगा।

3) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा का सिद्धांत-

(a) राज्य अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा को बढ़ावा देगा।

(b) राज्य अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों को शांतिपूर्ण समझौतों से निपटायेगा।

(c) राज्य अन्तर्राष्ट्रीय नियम तथा कानूनों का आदर करेगा ।

4) विविध सिद्धांत-

(a) राज्य देश के पर्यावरण तथा वनों की रक्षा करेगा ।

(b) राज्य ऐतिहासिक इमारतों तथा वस्तुओं का सरंक्षण करेगा ।

(c) राज्य न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करने के लिए कदम उठाएगा।

प्रश्न2-नीति निर्देशक सिद्धांत और मौलिक अधिकारों में अंतर स्पष्ट कीजिए?

उ0 -

क्र०सं०	नीति निर्देशक सिद्धांत	मौलिक अधिकार
(1)	इन्हें संविधान के भाग-4 में रखा गया है और इन्हें आयरलैंड के संविधान से लिया गया है।	इन्हें संविधान के भाग-3 में रखा गया है और इन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।
(2)	यह सरकार के अधिकारों को बढ़ाता है।	यह व्यक्ति के अधिकारों के लिए है।
(3)	इनके पालन के लिए राज्य को बाध्य नहीं किया जा सकता।	राज्य नागरिकों के अधिकारों के संरक्षण के लिए बाध्य है।
(4)	इनका स्थान संविधान में मूलाधिकारों के बाद है।	यह नीति निर्देशक सिद्वांत से अधिक महत्वपूर्ण है।
(5)	नीति निर्देशक तत्वों को न्यायालय द्वारा लागू नहीं करा सकते ।	मौलिक अधिकारों को न्यायालय द्वारा सरंक्षण प्राप्त है।

18. स्थानीय शासन तथा क्षेत्रीय प्रशासन

मुख्य बिन्दु :-

- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शासन के लिए जो संस्थाएँ स्थापित की हैं उन्हें सामान्य रूप से स्थानीय शासन के नाम से जाना जाता है।
- स्थानीय शासन स्थानीय लोगों का, स्थानीय लोगों के द्वारा, स्थानीय लोगों के लिए शासन है। जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर विकास और सामाजिक न्याय प्रदान करना तथा सत्ता-शक्ति के विकेन्द्रीकरण के रूप में कार्य करना है।
- भारत में स्थानीय शासन की संस्थाओं के दो प्रकार होते हैं,
  - (1) ग्रामीण क्षेत्रों के लिए
  - (2) शहरी क्षेत्रों के लिए।
- वर्तमान समय में पंचायत व्यवस्था की शुरुआत प्रथम पंचवर्षीय योजना के दौरान चलाए गए सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत हुई।
- बलवन्त राय मेहता की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया।
- इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 1957 में पेश की तथा सुझाव दिया कि पंचायती राज व्यवस्था का त्रिस्तरीय ढाँचा स्थापित किया जाए ।
- 1992 में पारित 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम से देश की लोकतान्त्रिक संघीय व्यवस्था में एक नए युग की शुरुआत हुई, जिससे पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिया गया।
- भारत के राज्यों में पंचायती राज व्यवस्था का त्रिस्तरीय ढाँचा है:

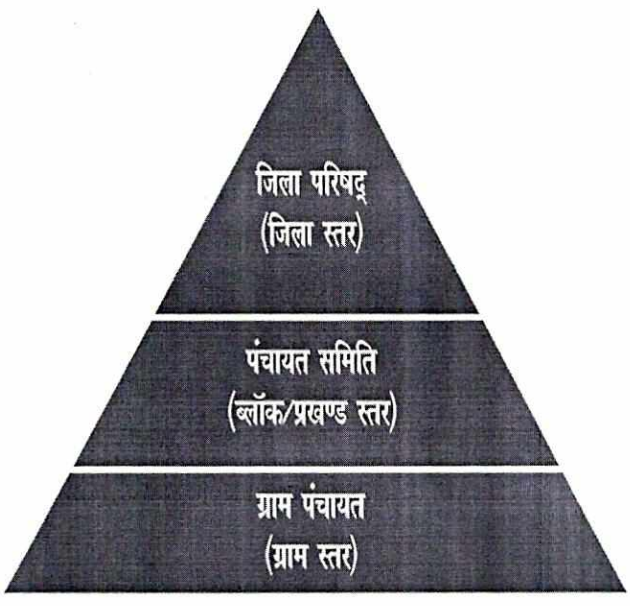

- शहरी स्थानीय शासन को बढ़ावा देने के लिए 74वाँ संविधान संशोधन, 1992 किया गया जिसके द्वारा स्थानीय शासन को संवैधानिक दर्जा दिया गया।

➢ शहरी स्थानीय निकाय तीन प्रकार की होती हैं:

(1) नगर निगम

(2) नगर परिषद्

(3) नगर पंचायत

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- 73वाँ और 74वाँ संविधान संशोधन कब पारित हुआ?

उ० 1992 में

प्रश्न2- ग्राम पंचायत के मुखिया/अध्यक्ष को क्या कहते हैं?

उ० सरपंच

प्रश्न3- ग्राम सभा का सदस्य बनने के लिए कितनी आयु होनी चाहिए?

उ० 18 वर्ष

प्रश्न4- ग्राम पंचायत का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?

उ० 5 वर्ष

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- स्थानीय शासन को परिभाषित कीजिए ।

उ० स्थानीय सरकार, स्थानीय लोगों के लिए स्थानीय लोगों द्वारा और स्थानीय लोगों की सरकार है।

प्रश्न2- पंचायती राज संस्थाओं की सरंचना बताइए ।

उ० पंचायती राज व्यवस्था एक त्रिस्तरीय प्रणाली है जिसके अन्तर्गत-

(1) ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत

(2) ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति

(3) जिला स्तर पर जिला परिषद्

प्रश्न3- शहरी स्थानीय निकाय की सरंचना बताइए ।

उ० शहरी स्थानीय निकाय तीन प्रकार की होती हैं-

(1) नगर निगम

(2) नगर परिषद्

(3) नगर पंचायत

प्रश्न4- जिलाधीश के प्रमुख कार्य क्या हैं?

उ० जिलाधीश के मुख्य कार्य निम्नानुसार है-

(1) जिले में कानून व्यवस्था और शान्ति बनाए रखना

(2) राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करना

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- ग्राम पंचायत द्वारा किए जाने वाले महत्त्वपूर्ण कार्यों तथा आय के स्त्रोत को बताइए ।

उ० ग्राम पंचायत द्वारा किए जाने वाले महत्त्वपूर्ण कार्य-

(1) सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था करना ।

(2) गलियों का निर्माण करना ।

(3) नालियों की व्यवस्था करना और गाँव की सफाई करना ।

(4) सड़कों की लाइट की देखभाल और स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्था करना।

ग्राम पंचायत के आय के स्त्रोत-

(1) सम्पत्ति, जमीन, वस्तुओं और पशुओं पर कर ।

(2) बारात घर और पंचायत की अन्य सम्पत्तियों से किराया ।

(3) दोषियों से एकत्रित दण्ड राशि ।

(4) केन्द्र और राज्य सरकारों से प्राप्त अनुदान ।

(5) राज्य सरकार द्वारा एकत्रित भू राजस्व का एक हिस्सा पंचायतों को दिया जाता है।

प्रश्न2- नगर निगम के कार्य तथा आय के स्त्रोत बताइए ।

उ० नगर निगम के कार्य-

(1) शहर की सफाई और कूड़ा-करकट का निपटारा करना ।

(2) सड़कों-गलियों में रोशनी की व्यवस्था और रखरखाव करना ।

(3) प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना करना ।

(4) जन्म और मृत्यु का रिकॉर्ड रखना ।

(5) सुरखित पेय जल की आपूर्ति करना ।

नगर निगम के आय के स्त्रोत-

(1) करों से आय जैसे आवास कर, मनोरंजन कर आदि ।

(2) राज्य और संघ सरकार से अनुदान ।

(3) किराए से आय जैसे नगर निगम दुकानें, सामुदायिक हॉल आदि किराये पर देता है ।

(4) अन्य शुल्क जैसे टोल टैक्स, सीवर शुल्क, पानी और बिजली आदि पर शुल्क।

19. राज्य स्तर पर शासन

मुख्य बिन्दु :-

- भारत एक संघ है जहां दो स्तरों पर सरकारें होती हैं-
  - (1) केन्द्रीय स्तर
  - (2) राज्य स्तर
- केंद्र तथा राज्य इन दोनों स्तरों की तीन शाखाएँ हैं जैसे-
  - (1) कार्यपालिका
  - (2) विधायिका
  - (3) न्यायपालिका
- राज्य स्तर पर एक राज्यपाल होता है जिसमें संविधान द्वारा राज्य की सभी कार्यकारी शक्तियाँ निहित की गयी हैं।
- राज्य का राज्यपाल भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होता है और उसका कार्यकाल 5 वर्ष का होता है ।
- संविधान द्वारा राज्यपाल को शक्तियाँ प्रदान की गयी हैं जैसे -
  - (1) कार्यकारी शक्तियाँ
  - (2) विधायी शक्तियाँ
  - (3) वित्तीय शक्तियाँ
  - (4) न्यायिक शक्तियाँ
  - (5) विवेकाधीन शक्तियाँ
- राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के अन्य मंत्रियों की नियुक्ति की जाती है। उनका कार्यकाल पांच वर्ष का होता है । विधानसभा में बहुमत के समर्थन रहने तक ये अपने पद पर बने रहते हैं।
- प्रत्येक राज्य में एक विधायिका होती है। राज्यपाल राज्य विधायिका का अभिन्न अंग होता है।
- कुछ राज्यों में विधायिका के दो सदन होते हैं
  - (1) विधानसभा
  - (2) विधानपरिषद
- संविधान के अनुसार प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय का होना जरूरी है। एक उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में एक से अधिक राज्य हो सकते हैं।
- उच्च न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा कुछ अन्य न्यायाधीश होते हैं। मुख्य न्यायाधीश तथा न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा होती है।
- उच्च न्यायालय के दो प्रकार के अधिकार क्षेत्र हैं -
  - (1) प्राथमिक अधिकार क्षेत्र
  - (2) अपीलीय अधिकार क्षेत्र

अधीनस्थ (अवर) न्यायालयों की संरचना

अधीनस्थ न्यायालय

- दीवानी न्यायालय
- फौजदारी न्यायालय
- राजस्व न्यायालय

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- राज्यपाल की नियुक्ति किसके द्वारा होती है?

उ0 राष्ट्रपति द्वारा

प्रश्न2- मुख्यमंत्री की नियुक्ति किसके द्वारा होती है?

उ0 राज्यपाल

प्रश्न3- मुख्यमंत्री तथा मंत्रिपरिषद का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?

उ0 5 वर्ष

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- भारत के कौन-कौन से राज्यों में द्विसदनीय विधायिका पायी जाती है?

उ0 जम्मू कश्मीर, बिहार, आंध्रप्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र व तेलंगाना ।

प्रश्न2- उच्च न्यायालय के दो अधिकार क्षेत्रों को बताइए।

उ0 उच्च न्यायालय के दो अधिकार क्षेत्र-

प्राथमिक अधिकार क्षेत्र- इसमें मौलिक अधिकार तथा अन्य कानूनी मामलों की सुनवाई होती है और उच्च न्यायालय रिट जारी करता है ।

अपीलीय अधिकार क्षेत्र- इसमें जिला स्तर के न्यायालय के फैसलों के खिलाफ अपील की जाती है ।

प्रश्न3- मुख्यमंत्री के कार्य बताइए।

उ0 -

(1) मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद की नियुक्ति तथा उनके कार्यों के बंटवारे की सलाह राज्यपाल को देता है ।

(2) राज्य मंत्रिपरिषद की बैठकों की अध्यक्षता करता है ।

(3) राज्य के लिए बनाई गयी नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण में सहयोग करता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- राज्यपाल की नियुक्ति कैसे होती है? राज्यपाल की शक्तियों का वर्णन करें।

उ0 राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है । उस व्यक्ति को राज्यपाल चुना जाता है जो भारत का नागरिक हो तथा 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो और वह किसी लाभ के पद पर न हो।

राज्यपाल की शक्तियाँ निम्न प्रकार से हैं:-

1) कार्यकारी शक्तियाँ

(a) राज्यपाल मुख्यमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के अन्य मंत्रिओं की नियुक्ति करता है ।

(b) राज्यपाल उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करता है ।

2) विधायी शक्तियाँ

(a) राज्यपाल विधानसभा के लिए सत्र बुला सकता है ।

(b) राज्यपाल विधानसभा को भंग कर सकता है ।

(c) राज्यपाल विधान परिषद में 1/6 सदस्यों का नामांकन करता है ।

3) वित्तीय शक्तियाँ

हर साल राज्य का बजट या वार्षिक वित्तीय विवरण राज्यपाल की तरफ से वित्तमंत्री पेश करता है ।

4) न्यायिक शक्तियाँ

राज्यपाल राज्य का प्रधान होने के रूप में किसी व्यक्ति के दंड को माफ या कम कर सकता है । लेकिन सैनिक न्यायालय द्वारा दिए गये दंड को माफ नहीं कर सकता है ।

5) विवेकाधीन शक्तियाँ

(a) इनका इस्तेमाल राज्यपाल अपने विवेक के आधार पर करता है ।

(b) अगर किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो राजपाल विवेकाधीन शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए किसी भी व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनने का निमन्त्रण दे सकता है ।

(c) अगर राज्य संविधान के अनुसार नहीं चल रहा है तो राज्यपाल राष्ट्रपति को इसकी सूचना देता है ।

(d) राज्यपाल केंद्र तथा राज्य के बीच एक कड़ी के रूप में होता है ।

प्रश्न2- अधीनस्थ न्यायालयों या अवर न्यायालयों के द्वारा किस प्रकार के मामलों की सुनवाई होती है?

उ0 अधीनस्थ न्यायालयों में तीन प्रकार के मामलों की सुनवाई होती है:

(1) **दीवानी मामलें**- यह दो लोगों के बीच सम्पति, तलाक तथा मकान मालिक किरायेदार के विवादित मामलों पर सुनवाई करता है दीवानी मामलों में दंड नहीं दिया जाता है ।

(2) **फौजदारी मामले**- इसमें चोरी, डकेती, पॉकेटमारी, हत्या आदि के मामलों की सुनवाई होती है यह पुलिस द्वारा फौजदारी न्यायालयो में लाये जाते हैं इसमें दोषी पाने पर सजा दी जाती है ।

(3) **राजस्व न्यायालय** - राज्य में एक राजस्व बोर्ड होता है इसमें तहसीलदार, कलेक्टर तथा सह- तहसीलदार के न्यायालय होते हैं। राजस्व बोर्ड अपने अधीनस्थ सभी राजस्व न्यायालयों के विरुद्ध अंतिम अपील की सुनवाई करता है लेकिन सभी राज्य में राजस्व बोर्ड नहीं होता है।

20. केन्द्रीय स्तर पर शासन

मुख्य बिन्दु :-

- संघीय सरकार की कार्यपालिका में राष्ट्रपति, मन्त्रिपरिषद् तथा इसके मुखिया प्रधानमन्त्री सम्मिलित होते हैं।
- भारत को एक गणतन्त्र के रूप में जाना जाता है। इसका कारण है कि भारत का राष्ट्रपति निर्वाचित होता है।
- राष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मण्डल द्वारा किया जाता है जिसमें संसद् के दोनों सदनों के निर्वाचित सांसद् तथा सभी राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य होते हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्र शासित क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुच्चेरी की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य भी भाग लेते हैं। निर्वाचन गुप्त मतदान द्वारा होता है।

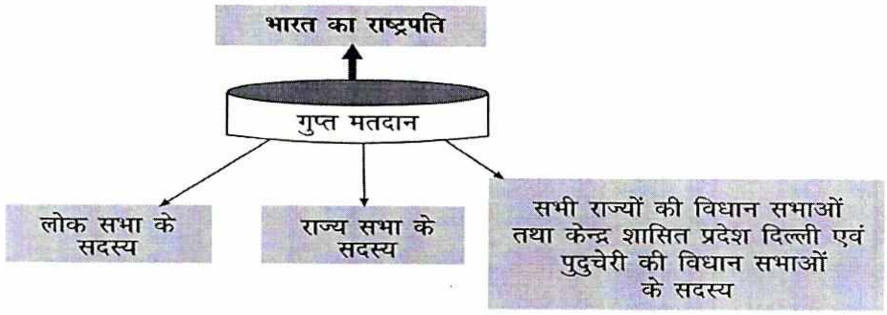

- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद को भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित किया गया।
- श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल प्रथम महिला राष्ट्रपति थीं।
- राष्ट्रपति देश का मुखिया होता है। भारत के राष्ट्रपति की निम्नलिखित शक्तियाँ हैं:

  (1) कार्यपालिका सम्बन्धी शक्तियाँ

  (2) विधायी शक्तियाँ

  (3) वित्तीय शक्तियाँ

  (4) न्यायिक शक्तियाँ
- इन शक्तियों के अलावा राष्ट्रपति के पास महत्त्वपूर्ण शक्तियाँ हैं जिनका प्रयोग वह असामान्य स्थिति में करता है। इन्हें आपातकालीन शक्तियाँ कहा जाता है। जैसे-

  (1) युद्ध अथवा बाहरी आक्रमण अथवा सशस्त्र विद्रोह के समय

  (2) किसी राज्य में संवैधानिक तन्त्र की असफलता होने पर

  (3) वित्तीय संकट के समय
- राष्ट्रपति के त्याग-पत्र देने राष्ट्रपति को हटाने अथवा राष्ट्रपति की मृत्यु के कारण रिक्त हुए पद पर उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति की भाँति कार्य करता है।

➢ प्रधानमन्त्री ही संघीय कार्यपालिका का वास्तविक मुखिया है। प्रधानमन्त्री को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है लेकिन राष्ट्रपति को केवल उसी व्यक्ति को प्रधानमन्त्री पद के लिए आमंत्रित करना होता है जो लोक सभा में बहुमत का नेता हो।

➢ संघीय सरकार की विधायी शाखा को संसद कहते हैं जिसमें राष्ट्रपति और संसद् के दोनों सदन लोक सभा और राज्य सभा शामिल होते हैं।

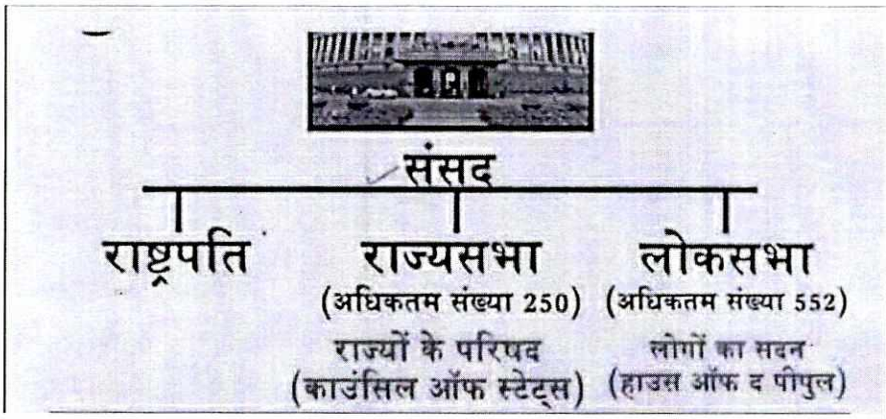

➢ भारतीय संसद् के कार्य-

(1) विधायी कार्य
(2) कार्यपालिका सम्बन्धी कार्य
(3) वित्तीय कार्य
(4) न्यायिक कार्य
(5) विविध कार्य

➢ **सर्वोच्च न्यायालय :-** भारत में एकल और एकीकृत न्याय प्रणाली है। इसका अर्थ है कि यहाँ न्यायालयों की एक शृंखला है जिसमें सबसे ऊपर सर्वोच्च न्यायालय, फिर राज्य स्तर पर उच्च न्यायालय और जिला स्तर पर और इससे नीचे अधीनस्थ न्यायालय होते हैं।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-राष्ट्रपति को उसके पद से किस प्रक्रिया द्वारा हटाया जा सकता है?

उ0 महाभियोग द्वारा

प्रश्न2-भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?

उ0 डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

प्रश्न3-भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति कौन थी?

उ0 श्रीमती प्रतिभा पाटिल

प्रश्न4-लोकसभा का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है ?

उ0 5 वर्ष

प्रश्न5-राज्यसभा का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है ?

उ0 6 वर्ष

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- राष्ट्रपति का पद किन कारणों से रिक्त होता है?

उ0

(1) राष्ट्रपति की मृत्यु हो जाने के कारण ।

(2) राष्ट्रपति के त्याग-पत्र देने के कारण ।

(3) राष्ट्रपति को महाभियोग द्वारा पद से हटा दिए जाने के कारण ।

प्रश्न2- महाभियोग किसे कहते हैं?

उ0 महाभियोग वह प्रक्रिया है जिसका प्रयोग राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जजों को हटाने के लिए किया जाता है यह तब लाया जाता है जब देश में संविधान का उल्लंघन हो ।

प्रश्न3- भारतीय न्यायपालिका को एकीकृत न्यायपालिका क्यों कहते हैं?

उ0 भारत में एकल और एकीकृत न्याय प्रणाली है। इसका अर्थ है कि यहाँ न्यायालयों की एक श्रृंखला है जिसमें सबसे ऊपर सर्वोच्च न्यायालय, फिर राज्य स्तर पर उच्च न्यायालय और जिला स्तर पर और इससे नीचे अधीनस्थ न्यायालय होते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन कैसे होता है, भारत के राष्ट्रपति की शक्तियाँ और कार्य क्या हैं?

उ0 राष्ट्रपति का निर्वाचन गुप्त मतदान से होता है इसमें लोकसभा तथा राज्यसभा के चुने हुए सदस्य वोट डालते हैं तथा सभी राज्यों की विधानसभाओं तथा केंद्र शासित प्रदेश (दिल्ली और पुदुच्चेरी) की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य भी वोट डालते हैं।

राष्ट्रपति की शक्तियाँ और कार्य -

(1) **कार्यपालिका सम्बन्धी शक्तियाँ** - राष्ट्रपति राज्य के राज्यपाल, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीशों तथा प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है ।

(2) **विधायी शक्तियाँ** - राष्ट्रपति संसद के सदनों का अधिवेशन बुला सकता है तथा उसको स्थगित कर सकता है तथा मंत्रिपरिषद की सिफारिश से लोकसभा को भंग कर सकता है ।

(3) **वित्तीय शक्तियाँ** - लोकसभा में पेश किये जाने वाले धन विधेयक को पहले राष्ट्रपति मंजूरी देता है ।

(4) **न्यायिक शक्तियाँ** - राष्ट्रपति किसी दण्डित व्यक्ति के दंड को कम या माफ कर सकता है ।

प्रश्न2- भारत के प्रधानमंत्री की नियुक्ति कैसे होती है? उनके कार्यों की व्याख्या करें।

उ0 प्रधानमन्त्री को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है लेकिन राष्ट्रपति को केवल उसी व्यक्ति को प्रधानमन्त्री पद के लिए आमन्त्रित करना होता है जो लोक सभा में बहुमत का नेता हो।

प्रधानमंत्री के कार्य -

(1) प्रधानमंत्री मंत्रिमंडल की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति को सलाह देता है ।

(2) प्रधानमंत्री दूसरे देशों से समझौते तथा संधियाँ करता है ।

(3) प्रधानमंत्री अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाये रखने के लिए कार्य करता है ।

(4) प्रधानमंत्री मंत्रिमंडल की बैठकों की अध्यक्षता करता है ।

प्रश्न3-सर्वोच्च न्यायालय का न्यायिक क्षेत्राधिकार क्या है?

उ0 सर्वोच्च न्यायालय के तीन प्रकार के क्षेत्राधिकार हैं-

1) **मूल क्षेत्राधिकार** : कुछ मुकदमों को सर्वोच्च न्यायालय केवल सीधे ही सुनने का अधिकार रखता है जैसे -

(a) संघीय सरकार तथा एक या अधिक राज्य सरकारों के बीच विवाद के मामले।

(b) दो अथवा अधिक राज्यों के बीच विवाद।

2) **अपीलीय क्षेत्राधिकार** : किसी भी निचली अदालत द्वारा दिए गए निर्णय के विरुद्ध अपील सुनने के अधिकार को अपीलीय क्षेत्राधिकार कहते हैं। जैसे -

(a) इसमें फौजदारी व दीवानी मामलों की अपील सुनी जाती है।

(b) यह निचली अदालतों के फैसलों पर फिर से सुनवाई करता है।

3) **मन्त्रणा सम्बन्धी क्षेत्राधिकार** : यह राष्ट्रपति को सलाह देता है अगर राष्ट्रपति को कभी भी लगे की कानून का ढंग से पालन नहीं हो रहा है तो वह सर्वोच्च न्यायालय से सलाह लेता है।

प्रश्न4-राज्यसभा तथा लोकसभा में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

उ0

राज्यसभा	लोकसभा
राज्यसभा संसद का उच्च सदन है ।	लोकसभा संसद का निम्न सदन है ।
राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव विधानसभा के सदस्यों द्वारा होता है ।	लोकसभा के सदस्य भारत के लोगों द्वारा वोट डालकर चुने जाते हैं ।
राज्यसभा एक स्थायी सदन है ।	लोकसभा एक अस्थायी सदन है ।
राज्यसभा का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।	लोकसभा का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है ।

21. राजनीतिक दल तथा दबाव समूह

मुख्य बिन्दु :-

- राजनीतिक दल ऐसे लोगों के समूह है जो राजनीतिक विचारों पर एक जैसी सोच या मान्यता रखते हैं ।
- भारत में 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना को सामान्य रूप से विभिन्न दलों के गठन की शुरूआत माना गया है।
- भारत वर्ष में बहु-दलीय प्रणाली है जिसमें कई राजनीतिक दल केंद्र एवं राज्य में सत्ता प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धा में लगे रहते हैं।
- भारतीय राजनीतिक दल एवं उनकी नीतियाँ -
  (1) **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस** - 1885 में मुंबई में इसकी स्थापना हुई और यह स्वतंत्रता संघर्ष में सबसे आगे थी । यह सबसे पहली राजनीतिक पार्टी थी। यह कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य करती है ।
  (2) **भारतीय जनता पार्टी** - यह 1980 में स्थापित हुई । जनता पार्टी राष्ट्रीय एकता के लिए कार्य करती है ।
  (3) **बहुजन समाज पार्टी** - 1984 में कांशीराम द्वारा इसकी स्थापना हुई। यह गरीबों तथा वंचित वर्गों के लिए कार्य करती है ।
  (4) **कम्युनिस्ट पार्टी** - इसकी स्थापना 1925 में हुई और यह श्रमिक और किसानों की पार्टी है ।
  (5) **राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी** - इसकी स्थापना 1999 में हुई थी और यह कांग्रेस की नीतियों के समान ही कार्य करती हैं ।
  (6) **राष्ट्रीय जनता दल** - इसकी स्थापना 1997 में जनता दल के टूटने के बाद हुई ।
- दबाव समूह वे समूह है जो सरकार पर अपने हितों में फैंसला लेने के लिए दबाव डालते हैं यह समूह सत्ता या सरकार बनाना नहीं चाहते ।
- **सिविल सोसाइटी संगठन :** यह आम व्यक्तियों का संगठन है यह पर्यावरण सुरक्षा, महंगाई व भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए संघ, संगठन तथा समूह बनाकर कार्य करते हैं यह एक प्रकार का दबाव समूह है ।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1-राष्ट्रीय स्तर पर भारत में गठबंधन सरकारों की शुरूआत कब हुई?

उ0 1989 से

प्रश्न2-भारत में किस प्रकार की दलीय प्रणाली है ?

उ0 बहुदलीय प्रणाली

प्रश्न3-बहुजन समाज पार्टी की स्थापना किसके द्वारा की गयी थी?

उ0 कांशीराम द्वारा

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- राजनीतिक दल से आप क्या समझते हैं ?

उ0 राजनीतिक दल ऐसे लोगों के समूह है जो राजनीतिक विचारों पर एक जैसी सोच या मान्यता रखते हैं । यह सरकार पर नियंत्रण रखते हैं यह सत्ता पाने तथा उसे बनाये रखने की कोशिश करते हैं ।

प्रश्न2- राजनीतिक दल और दबाव समूह में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

उ0 -

क्र०सं०	राजनीतिक दल	दबाव समूह
(1)	राजनीतिक दल सरकार बनाकर सत्ता प्राप्त करना चाहते हैं।	दबाव समूह सत्ता प्राप्त नहीं करना चाहते हैं ।
(2)	राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं तथा चुनाव प्रचार करते हैं।	दबाव समूह चुनाव नहीं लड़ते हैं ।
(3)	राजनीतिक दल राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं।	दबाव समूह का हित खास होता है।

प्रश्न3- सिविल सोसाइटी संगठन क्या हैं? भारत के किन्हीं दो समकालीन सिविल सोसाइटी संगठनो का नाम लिखिए।

उ0 यह आम व्यक्तियों का संगठन है यह पर्यावरण सुरक्षा, महंगाई व भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए संघ, संगठन तथा समूह बनाकर कार्य करते हैं यह एक प्रकार का दबाव समूह है ।

दो समकालीन सिविल सोसाइटी संगठनो का नाम:

(1) मजदूर किसान शक्ति संगठन

(2) मेडिको फ्रेंड्स सर्कल

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- राजनीतिक दलों के कार्यों का वर्णन कीजिए।

उ0 राजनीतिक दलों के कार्य-

(1) ये चुनावों के दौरान उम्मीदवारों का नामांकन करते हैं।

(2) ये चुनावों में अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हैं।

(3) यह जनता के सामने अपने उद्देश्य और कार्यक्रम प्रस्तुत करते है।

(4) जो सत्ता में नहीं हैं वो विरोधी दल बनाते हैं और सरकार पर लगातार नजर रखते हैं।

(5) ये लोगों एवं सरकारी संस्थाओं के बीच एक संपर्क सूत्र प्रदान करते हैं।

प्रश्न2- भारतीय दलीय प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

उ0 भारतीय दलीय प्रणाली की विशेषताएँ :-

(1) भारत वर्ष में बहु-दलीय प्रणाली है।

(2) राजनीतिक दल अपना-अपना आधिपत्य न दिखाकर आपस में प्रतियोगिता करते हैं ।

(3) क्षेत्रीय राजनीतिक दल भी केंद्र में सरकार के गठन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(4) दल आज कल लंबे समय तक चलने वाले सामाजिक गठबंधन बनाने के बदले कम समय तक चलने वाले चुनावी फायदे अधिक देखते हैं।

22. जनता की सहभागिता तथा लोकतान्त्रिक प्रक्रिया

मुख्य बिन्दु :-

➢ लोगों का वह व्यवहार जिसके द्वारा वे प्रत्यक्ष रूप से अपनी राजनीतिक राय व्यक्त करते हैं, यह जन सहभागिता कहलाती है ।

➢ जन सहभागिता लोगों द्वारा सार्वजनिक बहस, समाचार पत्रों, विरोध प्रदर्शन तथा सरकार के कार्यक्रमों में सक्रीय भागीदारी द्वारा भी की जाती है ।

➢ जनमत सार्वजनिक विषयों या मुद्दों पर लोगों की सहमति और विचार को कहा जाता है यह विचार तर्क पर आधारित होते हैं ।

➢ जनमत का निर्माण करने वाली एजेंसियाँ -

(1) प्रिंट मीडिया

(2) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

(3) राजनीतिक दल

(4) विधान पालिकाएं

(5) शिक्षण संस्थायें

➢ हमारे देश में लोक सभा, विधान सभाओं, पंचायतों तथा नगर निकायों के प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए चुनाव होते हैं । चुनाव, जनमत को व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है क्योंकि इसके द्वारा लोग अपनी इच्छा व्यक्त करते हैं ।

➢ भारत में होने वाले चुनाव दो प्रकार के होते हैं -

(1) प्रत्यक्ष चुनाव

(2) अप्रत्यक्ष चुनाव

➢ भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का कार्य निर्वाचन आयोग का है, इसमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य चुनाव आयुक्त होते हैं यह 6 साल के लिए या 65 वर्ष की आयु तक कार्य करते हैं इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है ।

➢ निर्वाचन आयोग अपना कार्य कुछ चुनाव कर्मियों की सहायता से सम्पन्न करता है यह कर्मी हैं-

(1) रिटर्निंग अधिकारी

(2) पीठासीन अधिकारी

(3) मतदान अधिकारी

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- भारत में पहला संसदीय आम चुनाव कब हुआ था?

उ0 1952

प्रश्न2- भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव किसके द्वारा सम्पन्न करवाए जाते हैं?

उ0 निर्वाचन आयोग

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जन सहभागिता से आप क्या समझते हैं?

उ0 लोगों का वह व्यवहार जिसके द्वारा वे प्रत्यक्ष रूप से अपनी राजनीतिक राय व्यक्त करते हैं यह जन सहभागिता कहलाती है ।

प्रश्न2- लोकतंत्र में जनमत के महत्व को समझायें?

उ0 जनमत का महत्व-

(1) यह जनता की जरूरतों तथा इच्छाओं को बढावा देता है ।

(2) यह लोकतांत्रिक मूल्यों को शक्ति प्रदान करता है ।

प्रश्न3- निर्वाचन आयोग के महत्वपूर्ण कार्य बताईये ।

उ0 निर्वाचन आयोग के महत्वपूर्ण कार्य-

(1) देश में बिना भेद-भाव के चुनाव करवाना ।

(2) मतदान सूचियाँ तैयार करना ।

(3) राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह देना ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- जनमत निर्माण में मदद करने वाली किन्ही चार एजेंसियों का वर्णन कीजिए ।

उ0 जनमत निर्माण करने वाली एजेंसियाँ-

(1) **प्रिंट मीडिया** - अखबार व पत्र पत्रिका द्वारा जनमत निर्माण में सहायता मिलती है ।

(2) **इलेक्ट्रॉनिक मीडिया** - सिनेमा, रेडियो, टेलीविजन, मोबाइल फोन व इन्टरनेट ने जनमत निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है क्योंकि इनके द्वारा सूचना व जानकारी को दूर-दूर तक पहुंचाया जा सकता है ।

(3) **राजनीतिक दल** - राजनीतिक दल जनता को अपनी नीति तथा कार्यक्रमों की जानकारी देते हैं ।

(4) **शिक्षण संस्थायें** - स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय जनमत निर्माण में मदद करते हैं ।

प्रश्न2- चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त किये गए चुनाव कर्मियों के कार्य बताइए ।

उ0 चुनाव आयोग द्वारा तीन चुनाव कर्मी नियुक्त किये जाते हैं -

1) रिटर्निंग अधिकारी के कार्य -

(a) चुनाव लड़ने वालो के नामाकंन पत्रों की जाँच करता है ।

(b) चुनाव चिन्ह प्रदान करता है ।

(c) निर्वाचन क्षेत्र में बाधा के बिना चुनाव करवाता है ।

(d) मतों की गिनती तथा चुनाव के परिणामों की घोषणा करता है ।

2) पीठासीन अधिकारी के कार्य-

(a) यह निगरानी करता है ताकि प्रत्येक मतदान केंद्र पर बिना गड़बड़ी के चुनाव हो ।

(b) यह ये भी ध्यान रखता है की सबको अपनी इच्छा से वोट डालने का मौका मिले ।

(c) मतदान समाप्त होने के बाद वह सभी मत पेटियों पर सील लगा कर उन्हें निर्वाचन अधिकारी को सौंप देता है ।

3) मतदान अधिकारी -

(a) यह मतदान केंद्र पर चुनाव सही ढंग से हो रहें है इस पर नजर रखते हैं

(b) यह मतदान सूचि में मतदाता का नाम चेक करते हैं ।

(c) मतदाता की ऊँगली पर अमिट स्याही लगाते हैं ।

(d) यह ध्यान रखतें हैं कि प्रत्येक मतदाता गुप्त वोट दे ।

प्रश्न3- भारतीय चुनाव प्रणाली में सुधार लाने के लिए आवश्यक सुझाव बताइए।

उ0 चुनाव प्रणाली. में सुधार के लिए सुझाव -

(1) चुनावी कानून को सख्त बनाना चाहिए ।

(2) चुनाव के दौरान धन और बाहुबल को कम करना चाहिए ।

(3) चुनाव में राजनीतिक अपराधों को रोकना चाहिए ।

(4) चुनाव के दौरान जाति और धर्म के आधार पर प्रचार करने पर रोक लगाना चाहिए ।

23. भारतीय लोकतन्त्र के समक्ष चुनौतियाँ

मुख्य बिन्दु :-

- भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है ।
- सयुंक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने कहां था कि
  "लोकतंत्र जनता की सरकार जनता के लिए सरकार और जनता द्वारा सरकार है।"
- 'डेमोक्रेसी' शब्द ग्रीक शब्द 'डेमोक्रेटिया' से निकला है जिसका आशय 'जनता का शासन' है, यह दो शब्दों 'डेमोस' जिसका अर्थ 'जनता' होता है और 'क्रेटोस' जिसका तात्पर्य 'शक्ति' है को मिलाकर बना हैं। इसलिए लोकतंत्र में शक्ति जनता के पास होती है ।
- लोकतंत्र की आवश्यक शर्तें :-
  (1) सर्वोच्च सत्ता जनता में निहित होना
  (2) मौलिक अधिकारों का प्रावधान
  (3) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार
  (4) स्वतंत्र प्रेस व मीडिया
- भारतीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ :-
  (1) निरक्षरता
  (2) गरीबी
  (3) लैंगिक भेद-भाव
  (4) जातिवाद, साम्प्रदायिकता एवं धार्मिक कट्टरवाद
  (5) क्षेत्रीयवाद
  (6) भ्रष्टाचार
- भारतीय लोकतंत्र की चुनौतियों का सामना करने के लिए कुछ ऐसे सुधारात्मक उपाय करने की जरूरत है जो सार्वभौम साक्षरता, अर्थात सब के लिए शिक्षा, गरीबी उन्मूलन, लैंगिक भेदभाव को मिटाना, क्षेत्रीय असन्तुलन को समाप्त करना, प्रशासनिक एवं न्यायिक सुधार तथा दीर्घकालीन आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास जैसे मुद्दों पर केन्द्रित हों।
- वर्ष 1986 में निरक्षरता को समाप्त करने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण किया गया ।
- वर्ष 1988 में सर्वशिक्षा अभियान के द्वारा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना की गई ।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- भारतीय संसद ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम कब पारित किया?

उ0 2009 में

प्रश्न2- राष्ट्रीय साक्षरता मिशन कब शुरू हुआ ?

उ0 1988 में

प्रश्न3- राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का उद्देश्य क्या है ?

उ0 निरक्षरता दूर करना

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- लोकतंत्र को परिभाषित कीजिए ।

उ0 लोकतंत्र सरकार का वह स्वरूप है जिसमें सत्ता जनता के हाथों में होती है, जनता वोट डालकर अपना उम्मीदवार चुनती है तथा इसमें जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है।

प्रश्न2- सफल लोकतंत्र के लिए आवश्क शर्तें लिखिए ।

उ0

(1) सर्वोच्च सत्ता जनता में निहित होना ।

(2) मौलिक अधिकारों का प्रावधान ।

(3) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार ।

(4) स्वतंत्र प्रेस व मीडिया ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- भारतीय लोकतंत्र के सामने कौन सी प्रमुख चुनौतियां हैं ?

उ0 भारतीय लोकतंत्र के सामने प्रमुख चुनौतियां :-

(1) **गरीबी**- गरीबी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है जैसे की रोटी, कपड़ा, मकान हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है ।

(2) **निरक्षरता** - देश के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए लोगों का पढ़ा - लिखा होना बहुत जरूरी है क्योंकी निरक्षरता देश के विकास में रूकावट है।

(3) **साम्प्रदायिकता** - जब किसी खास समुदाय के लोग खुद को दूसरों से अधिक श्रेष्ठ समझने लगते हैं तथा धर्म के नाम पर एक-दुसरे से लड़ते हैं इसे ही साम्प्रदायिकता कहते हैं । यह लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है ।

(4) **भ्रष्टाचार** - भ्रष्टाचार भारत में चिंता का मुख्य विषय रहा है भ्रष्टाचार ने सरकार के सभी अंगों विषेशतः न्यायपालिका को प्रभावित किया है ।

(5) लोकतंत्र के सभी नियमों को लागू करना एक बड़ी चुनौती है ।

प्रश्न2- भारतीय लोकतंत्र की चुनौतियों का सामना करने के लिए किन-किन महत्त्वपूर्ण सुधारात्मक उपायों को करना आवश्यक है?

उ0 भारतीय लोकतंत्र की चुनौतियों को निम्न प्रकार से सुधारा जा सकता है :-

(1) लोकतंत्र के सफल संचालन के लिए, नागरिकों की भागीदारी जरूरी है।

(2) नागरिकों को कानून का आदर करना चाहिए और हिंसा को त्याग देना चाहिए ।

(3) न्यायप्रणाली को मजबूत एवं निष्पक्ष बनाना होगा ।

(4) रोजगार एवं सम्पन्नता लाने के प्रयास करने होंगे ।

(5) कानून बनाकर राजनीति को सुधार जा सकता है ।

24. राष्ट्रीय एकीकरण तथा पंथ निरपेक्षता

मुख्य बिन्दु :-

- राष्ट्र एक ऐसे देश को कहते हैं जहाँ की सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक सरंचना एकीकृत हो और वहाँ के लोगों में सामान्य इतिहास, समाज, संस्कृति तथा मूल्यों पर आधारित एकत्व की भावना होती है इसी भावना को राष्ट्रीय समाकलन कहते हैं ।
- भारतीय संविधान राष्ट्रीय समाकलन पर बहुत अधिक बल देता है इसकी प्रस्तावना में ही राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को एक प्रमुख उदेश्य के रूप में शामिल किया गया है ।
- राष्ट्रीय समाकलन की चुनौतियां-
  (1) साम्प्रदायिकता ।
  (2) क्षेत्रीयवाद ।
  (3) भाषावाद ।
  (4) उग्रवाद ।
- राष्ट्रीय समाकलन को बढ़ावा देने वाले कारक
  (1) संविधानिक प्रावधान ।
  (2) सरकारी पहल ।
  (3) राष्ट्रीय त्यौहार एवं प्रतीक ।
  (4) अखिल भारतीय सेवाएँ तथा अन्य कारक ।
- पंथनिरपेक्षता का यह अर्थ है कि भारत का कोई औपचारिक राज्य धर्म नहीं है सरकारों को किसी धर्म का पक्ष नहीं लेना है, न ही किसी धर्म के विरुद्ध भेद-भाव करना है राज्य सभी धर्मों को समान मानता है तथा उनका आदर करता है ।
- भारत में 1956 में भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ ।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- राजभाषा आयोग का गठन कब हुआ था?

उ0 वर्ष 1955 में

प्रश्न2- कौमी एकता दिवस कब मनाया जाता है?

उ0 19 नवम्बर को

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- राष्ट्रीय समाकलन से आप क्या समझते हैं ?

उ0 जिस देश की सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक सरंचना एकीकृत हो वहां के लोगों में सामान्य इतिहास, समाज, संस्कृति तथा मूल्यों पर आधारित एकत्व की भावना होती है इसी भावना को राष्ट्रीय समाकलन कहते हैं ।

प्रश्न2-पंथनिरपेक्षता का क्या अर्थ है ?

उ0 पंथनिरपेक्षता का यह अर्थ है कि भारत का कोई औपचारिक राज्य धर्म नहीं है सरकारों को किसी धर्म का पक्ष नहीं लेना है, न ही किसी धर्म के विरुद्ध भेद-भाव करना है राज्य सभी धर्मों को समान मानता है तथा उनका आदर करता है ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-भारत में राष्ट्रीय समाकलन (एकीकरण) की कौन-कौन सी प्रमुख चुनौतियाँ हैं?

उ0 राष्ट्रीय समाकलन की चुनौतियाँ :-

(1) **साम्प्रदायिकता-** जब एक धर्म के लोग अपने धर्म के प्रति अधिक प्रेम और दूसरे धर्मों के विरुद्ध घृणा करने लगते हैं तो देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा हो जाता है।

(2) **क्षेत्रीयवाद-** क्षेत्रीयवाद के अनुसार लोग अपने क्षेत्र, भाषा, संस्कृति के विकास के लिए मिलकर कार्य करते हैं लेकिन वह दूसरे क्षेत्र भाषा तथा संस्कृति से खुद को अलग समझते हैं ।

(3) **भाषावाद-** भारत एक बहुभाषी देश है भारत के लोग अनेक भाषा तथा बोलियाँ बोलते हैं स्वतंत्रता के बाद जब संविधान सभा ने यह कहा कि हिंदी को भारत की राज भाषा के रूप में स्वीकार किया जायेगा तो लगभग सभी गैर हिंदी भाषी क्षेत्रों ने इसका विरोध किया ।

(4) **उग्रवाद-** देश के अनेक भागों में उग्रवादी आन्दोलन चलाये जा रहे हैं जो देश में हिंसा और डर पैदा करते हैं तथा सार्वजनकि संपत्ति को नष्ट करते हैं ।

प्रश्न2-ऐसे कौन-कौन से कारक हैं जो राष्ट्रीय समाकलन को बढ़ावा देते हैं तथा मजबूत बनाते हैं ?

उ0 राष्ट्रीय समाकलन को बढ़ावा देने वाले कारक :-

(1) **संविधानिक सुझाव** - भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार शामिल किये गए हैं जो भारतीय समांकलन को बढ़ावा देते हैं ।

(2) **सरकारी पहल** - राष्ट्रीय समांकलन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता परिषद का गठन किया गया ।

(3) **राष्ट्रीय त्यौहार एवं प्रतीक** - भारत में सभी भाषा, धर्म तथा संस्कृति के त्योहारों का सम्मान किया जाता है तथा उनको धूम-धाम से मनाया जाता है ।

(4) **अखिल भारतीय सेवाएँ** - सभी भारतीयों को डाक, टेलीविजन, रेडियो तथा इन्टरनेट सेवाएँ प्रदान की गयी हैं जिससे देश की एकता बढे ।

25. सामाजिक आर्थिक विकास तथा अभावग्रस्त समूहों का सशक्तीकरण

मुख्य बिन्दु :-

- बेहतर शिक्षा, आय में बढ़ोतरी और रोजगार के माध्यम से लोगों के जीवन में सुधार सामाजिक-आर्थिक विकास कहलाता है ।
- केवल सामाजिक-आर्थिक विकास को मानव विकास नहीं कहा जाता मानव के सभी पहलुओं का विकास मानव विकास कहलाता है ।
- **सयुंक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम :-** वर्ष 1990 में UNDP ने अपनी रिपोर्ट जारी की जो की हर साल प्रकाशित होती है । वर्ष 1990 की मानव विकास रिपोर्ट में भारत को निचले स्थान पर रखा गया था ।
- **संधारणीय विकास :-** यह विकास का वह प्रतिरूप है जो हमारी वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करता है तथा भविष्य की पीढियाँ भी अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें, इस बात का भी ध्यान रखता है ।

संधारणीय विकास

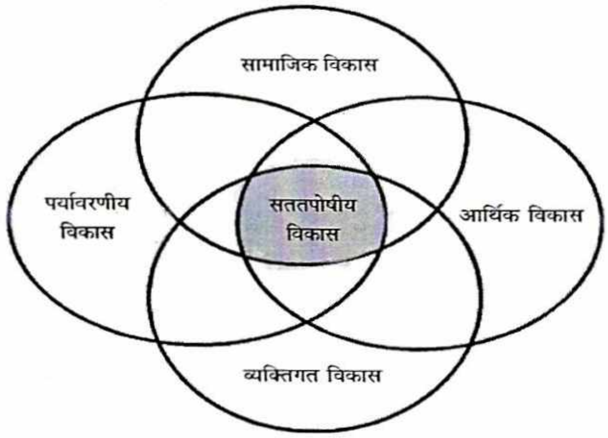

- **प्रतिव्यक्ति आय** - कुल राष्ट्रीय आय को कुल जनसंख्या से भाग करने पर प्रतिव्यक्ति आय प्राप्त होती है ।
- **राष्ट्रीय आय** - दी गयी अवधि के दौरान एक राष्ट्र की सभी आय का कुल मूल्य राष्ट्रीय आय कहलाता है ।
- **सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)** - दिए गए वर्ष में एक देश की सीमा के अंदर अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का बाजार मूल्य अंतिम मूल्य जीडीपी कहलाता है ।
- भारत में क्षेत्रीय असंतुलन और सामाजिक - आर्थिक विषमताओं के कारण -

(1) प्रतिव्यक्ति आय ।

(2) गरीबी ।

(3) औद्योगिक वृद्धि ।
(4) कृषि में वृद्धि ।
(5) साक्षरता ।
(6) परिवहन और संचार ।

- वर्तमान समय में भी समाज के अनेक ऐसे वर्ग हैं जिनके साथ भेदभाव का व्यवहार होता है तथा उन्हें स्वतन्त्र रूप से विकास की प्रक्रिया में भाग लेने तथा विकास के परिणामों का लाभ उठाने का अवसर प्रदान नहीं किया जाता है। इन्हें अभावग्रस्त समूह कहा जाता है।
- **राष्ट्रीय साक्षरता मिशन** - राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की शुरुआत 1988 में हुई। इसका उद्देश्य 15-35 वर्ष के अनपढ़ लोगों को कामचलाऊ साक्षरता प्रदान करना था ।
- **सर्व शिक्षा अभियान** - इसकी शुरुआत वर्ष 2001 में हुई इसका उद्देश्य 6 से 14 वर्ष के बच्चों का नामांकन और सेतु पाठ्यक्रम की योजना करना तथा लैंगिक भेद-भाव के बिना शिक्षा देना ।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- मानव विकास रिपोर्ट किसके द्वारा जारी की जाती है?

उ0 सयुंक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)

प्रश्न2- भारत में सर्व शिक्षा अभियान कब शुरू किया गया था ?

उ0 वर्ष 2001

प्रश्न3- भारत का सर्वाधिक साक्षर राज्य कौन सा है ?

उ0 केरल

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- सामाजिक आर्थिक विकास से आप क्या समझते हैं ?

उ0 बेहतर शिक्षा, आय में बढ़ोतरी और रोजगार के माध्यम से लोगों के जीवन में सुधार सामाजिक-आर्थिक विकास कहलाता है ।

प्रश्न2- सतत् पोषणीय संधारणीय विकास को परिभाषित कीजिए।

उ0 यह विकास का वह प्रतिरूप है जो हमारी वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करता है तथा भविष्य की पीढियाँ भी अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें इस बात का भी ध्यान रखता है ।

प्रश्न3- सर्वशिक्षा अभियान और राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के लक्षित समूहों की पहचान करे।

उ0 **सर्व शिक्षा अभियान** - इसकी शुरुआत वर्ष 2001 में हुई इसका उद्देश्य 6 से 14 वर्ष के बच्चों का नामांकन और सेतु पाठ्यक्रम की योजना करना तथा लैंगिक भेद-भाव के बिना शिक्षा देना ।

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन - राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की शुरुआत 1988 में हुई। इसका उद्देश्य 15-35 वर्ष के अनपढ़ लोगों को कामचलाऊ साक्षरता प्रदान करना था ।

प्रश्न4-सामाजिक रूप से अभावग्रस्त प्रमुख समूह कौन-से है?

उ0 सामाजिक रूप से अभावग्रस्त प्रमुख समूह हैं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक व महिलाएं ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1-भारत में क्षेत्रीय असन्तुलन और सामाजिक आर्थिक विषमताएँ क्यों हैं? इसके लिए उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण कीजिए।

उ0 भारत में क्षेत्रीय असन्तुलन और सामाजिक आर्थिक विषमताओं के कुछ कारण तो प्राकृतिक है जैसे धरातल, उपजाऊ मैदान और कुछ कारण मानव निर्मित है जैसे- प्रति व्यक्ति आय, औद्योगिक विकास आदि ।

क्षेत्रीय असन्तुलन और सामाजिक आर्थिक विषमताओं के कारक :-

(1) **प्रति व्यक्ति आय** - देश के सभी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति आय अलग-अलग है जैसे- बिहार, उड़ीसा, राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय कम है ।

(2) **गरीबी** - ग्रामीण और शहरी लोगों में आज भी काफी विषमताएँ हैं आज भी कई गाँव ऐसे हैं जो गरीबी रेखा से नीचे हैं ।

(3) **औद्योगिक वृद्धि** - जहाँ व्यापार ज्यादा होता है उन क्षेत्रों को ज्यादा महत्व दिया जाता है ।

(4) **साक्षरता** - भारतीय राज्यों में साक्षरता दर काफी विषम है जिन राज्यों में साक्षरता दर अधिक है वहां का विकास तेज गति से हो रहा है ।

(5) **कृषि में वृद्धि** - भारत में कृषि क्षेत्र में भी विषमता बढ़ी है जैसे - पंजाब, हरियाणा और उतर प्रदेश राज्यों में अधिक कृषि होती है ।

(6) **प्राकृतिक संसाधनों में असमानता** - भारत के कुछ राज्यों में प्राकृतिक संसाधन अधिक होते हैं तो कहीं न के बराबर होते हैं । जिन राज्यों में प्राकृतिक संसाधनों की अधिकता होती है वे विकास करने में सफल रहे हैं जबकि अन्य पीछे रह गयें हैं ।

प्रश्न2-समाज के अभावग्रस्त वर्गों के सामाजिक सशक्तीकरण के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की व्याख्या कीजिए।

उ0 समाज के अभावग्रस्त वर्गों के सामाजिक सशक्तीकरण के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदम इस प्रकार हैं-

(1) 6 से 14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा देना तथा स्कूल में मिड डे मील, पुस्तकें तथा छात्रवृति देना ।

(2) इन सभी के लिए शिक्षा संस्थान खोलना ।

(3) रोजगार-कौशलों को बढ़ावा देने के लिए व्यवसायिक शिक्षा देना ।

(4) विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री में कोचिंग देना ।

(5) उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के बाद लड़के-लडकियों को हॉस्टल की सुविधा देना ।

26. पर्यावरणीय क्षरण तथा आपदा प्रबन्धन

मुख्य बिन्दु :-

- **पर्यावरण का अर्थ** - हमारे आस-पास के सभी घटकों को पर्यावरण कहते हैं । इसमें जीवित तथा निर्जीव सभी घटकों को शामिल करते हैं उदाहरण के लिए हम जिस जगह रहते हैं वहाँ की सडकें, आस -पड़ोस के लोग, बाजार, स्कूल तथा पार्क आदि सभी पर्यावरण हैं

पर्यावरण के घटक

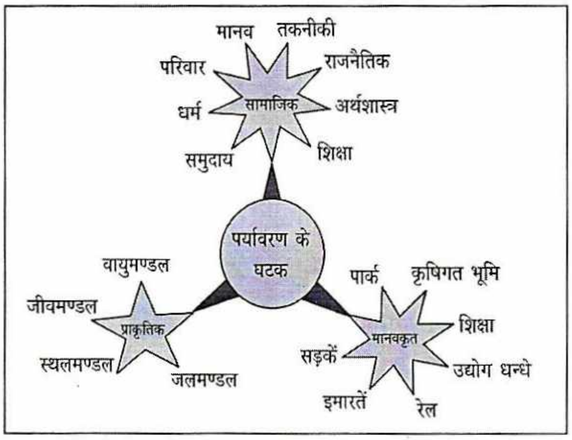

- पर्यावरण को दो वर्गों में बांटा गया है -
  (1) प्राकृतिक पर्यावरण
  (2) मानव निर्मित पर्यावरण
- पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है क्योंकि हमारी सभी प्रकार की जरूरतें पर्यावरण से पूरी होती हैं। पर्यावरण गतिशील होता है और यह बदलता रहता है ।
- **पर्यावरण क्षरण का अर्थ** - पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना पर्यावरण क्षरण कहलाता है जैसे - पेड़ों को काटना, हवा, पानी का प्रदूषण आदि ।
- **पर्यावरण क्षरण के कारण**-
  (1) बढ़ती जनसंख्या
  (2) गरीबी
  (3) नगरीकरण
  (4) जीवनशैली में परिवर्तन
  (5) औद्योगीकरण
  (6) आर्थिक विकास
- **आपदा प्रबंधन का अर्थ** - प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं के प्रभाव को कम करना ही आपदा प्रबंधन कहलाता है।
- **आपदा के प्रकार**-
  (1) प्राकृतिक आपदा - भूकम्प, सूनामी, तूफान आदि ।
  (2) मानव निर्मित आपदा - आग लगना, गैस रिसाव आदि ।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- ओजोन परत के ह्रास के लिए कौन सी गैस जिम्मेदार है?

उ0 क्लोरो-फ्लोरो कार्बन (CFC)

प्रश्न2- पर्यावरण के दो घटक कौन से हैं?

उ0

(1) सजीव

(2) निर्जीव

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- पर्यावरण से आप क्या समझते हैं ?

उ0 **पर्यावरण का अर्थ** - हमारे आस-पास के सभी घटकों को पर्यावरण कहते हैं। इसमें जीवित तथा निर्जीव सभी घटकों को शामिल करते हैं उदाहरण के लिए हम जिस जगह रहते हैं वहाँ की सडकें, आस-पड़ोस के लोग, बाजार, स्कूल तथा पार्क आदि सभी पर्यावरण हैं ।

प्रश्न2- प्राकृतिक पर्यावरण और मानव निर्मित पर्यावरण में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

उ0 **प्राकृतिक पर्यावरण** - इसमें वह सभी वस्तुएँ आती हैं जो हमें प्रकृति से मिलती हैं । इसमें सजीव तथा निर्जीव सभी वस्तुएँ होती हैं जैसे - पेड़- पौधे, पानी, मिट्टी आदि ।

मानव निर्मित पर्यावरण - इसमें वह सभी वस्तुएँ आती हैं जिनको मानव अपने उपभोग के लिए बनाता है जैसे - सड़कें, मकान, स्कूल तथा पुल आदि ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- पर्यावरण क्षरण को परिभाषित कीजिए। पर्यावरण क्षरण के कारकों की व्याख्या कीजिए।

उ0 पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना पर्यावरण क्षरण कहलाता है जैसे - पेड़ों को काटना, हवा, पानी का प्रदूषण आदि ।

पर्यावरण क्षरण के कारण -

(1) बढ़ती जनसंख्या पर्यावरण क्षरण का सबसे बड़ा कारण है।

(2) गरीबी तथा नगरीकरण और जीवनशैली में बदलाव के कारण भी पर्यावरण का क्षरण होता है।

(3) औद्योगीकरण की वर्तमान गति से प्राकृतिक संसाधन जैसे जीवाश्म ईंधन, खनिज और लकड़ी घट रही है जिससे जल, वायु, भूमि प्रदूषित हो रही है।

(4) नदियों और समुद्रों में अपशिष्ट बहाने से पर्यावरण क्षरण हो रहा है।

(5) प्लास्टिक के सामानों से भी पर्यावरण क्षरण हो रहा है ।

(6) संसाधनों का विवेकहीन उपयोग और उनका अपव्यय पर्यावरण क्षरण के लिए उत्तरदायी है ।

प्रश्न2- आपदा प्रबन्धन का क्या अर्थ है? हम आपदाओं के प्रतिकूल प्रभाव को कैसे कम कर सकते हैं?

उ0 **आपदा प्रबंधन का अर्थ** - प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं के प्रभाव को कम करना ही आपदा प्रबंधन कहलाता है ।

आपदा के प्रतिकूल प्रभाव को निम्न प्रकार से कम कर सकते हैं :

(1) सही नियोजन करके

(2) पहले से तैयारी करके

(3) प्रतिकूल प्रभाव को कम करके

(4) राहत कार्य करके

27. शांति और सुरक्षा

मुख्य बिन्दु :-

- शांति एक ऐसी सामाजिक और राजनीतिक स्थिति है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास को सुनिश्चित करती है।
- शांति मात्र युद्ध और संघर्षों का अभाव नहीं है बल्कि यह सामाजिक - सांस्कृतिक और आर्थिक समझ और एकता की उपस्थिति को भी दर्शाती है ।
- भय और खतरों की अनुपस्थिति को सुरक्षा कहा जाता है।
- शान्ति और सुरक्षा की नयी परिभाषा में सामरिक आक्रमणों के अलावा भी अनेक आशंकाएं शामिल हैं। ये आंतकवाद, विद्रोह, जातिसंहार, मानवाधिकार से वंचित रखने, स्वास्थ्य संबंधी महामारियाँ, नशीले पदार्थों का व्यापार तथा प्राकृतिक संसाधनों के विवेकहीन उपयोग से संबंधित आशंकाएं हो सकती हैं।
- लोकतंत्र और विकास तथा शांति और सुरक्षा के बीच पारस्परिक संबंध है। शांति और सुरक्षा के अभाव में लोकतंत्र काम नहीं कर सकता और विकास नहीं हो सकता।
- हमारे देश में शांति और सुरक्षा को बाह्य और आंतरिक खतरे का सामना करना पड़ रहा है।
- भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व अध्याय में शांति और सुरक्षा की चर्चा की गई है।
- शांति और सुरक्षा के आंतरिक खतरे :
  (1) आंतकवाद
  (2) विद्रोह
  (3) नक्सलवादी आंदोलन
- भारत सरकार आंतकवाद विद्रोह और नक्सलवादी आन्दोलन से निपटने कि लिए अनेक रणनीतियाँ और तरीके अपना रहीं है। यह आंतकवाद से लडने के लिए सभी राष्ट्रों के प्रयासों का समर्थन करती रही है।
- **गुट निरपेक्षता की नीति :** दूसरे विश्व युद्ध के बाद विश्व दो गुटों में बंट गया यह दो महाशक्तियाँ थी एक अमेरिका तथा दूसरी सोवियत संघ। यह एक गतिशील अवधारणा थी जिसका मतलब था किसी सैनिक गुट में शामिल हुए बिना अन्तर्राष्ट्रीय मामलों के मुद्दे या विषय के अनुसार अपनी स्थिति तय करना था।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न1- भारत में गुट निरपेक्षता की नीति आरम्भ करने का श्रेय किसे दिया जाता है?

उ0 पंडित जवाहरलाल नेहरू

प्रश्न2- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में शांति और सुरक्षा के लिए प्रावधान किया गया है?

उ0 अनुच्छेद 51

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न1- शांति और सुरक्षा का अर्थ बताइए।

उ0 यह ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति, देश, क्षेत्र तथा विदेश बिना किसी खतरे के आगे बढ़ते हैं इससे देश तथा समाज का विकास होता है।

प्रश्न2- शांति और सुरक्षा की पारंपरिक धारणा, नई धारणा से किस तरह भिन्न है?

उ0 शांति और सुरक्षा की पारंपरिक धारणा सैनिक संघर्ष और आक्रमण से सुरक्षा पर जोर देती है लेकिन नयी धारणा के अनुसार शांति और सुरक्षा को लोगों की गरिमा तथा सामाजिक-आर्थिक विकास के रूप में देखा जाता है।

प्रश्न3- गुट निरपेक्षता की नीति क्या है?

उ0 दूसरे विश्व युद्ध के बाद विश्व दो गुटों में बंट गया यह दो महा शक्तियाँ थी एक अमेरिका तथा दूसरी सोवियत संघ। यह एक गतिशील अवधारणा थी जिसका मतलब था किसी सैनिक गुट में शामिल हुए बिना अन्तर्राष्ट्रीय मामलों के मुद्दे या विषय के अनुसार अपनी स्थिति तय करना था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4/5 अंक)

प्रश्न1- भारत में शांति और सुरक्षा के लिए व्याप्त आन्तरिक खतरों पर प्रकाश डालिए?

उ0 शांति और सुरक्षा के आन्तरिक खतरे :-

(1) **आतंकवाद** - आतंकवाद हमारे देश में शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है । यह आपराधिक कार्यों द्वारा लोगों में आंतक फैलाते हैं जैसे - 26 नवम्बर 2008 को मुंबई में हुआ आतंकवादी हमला ।

(2) **विद्रोह** - लोग आंदोलनों द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हैं यह प्रदर्शन राजनीतिक तथा सामाजिक होते हैं ।

(3) **नक्सलवादी आंदोलन** - यह एक चिंता का विषय है इसकी शुरुआत पश्चिमी बंगाल के एक गाँव से हुई थी । अब यह 125 जिलों में फैल गया है । नक्सलवादी जंगलों में रहते हैं यह जंगलों के आस-पास किसी को नहीं आने देते हैं यह पुलिस तथा सरकारी लोगों को अपना दुश्मन समझते हैं तथा उन पर हमला करते हैं ।

प्रश्न2- शांति और सुरक्षा के लिए खतरों का मुकाबला करने हेतु भारत सरकार की रणनीति की व्याख्या कीजिए ।

उ0 भारत सरकार ने इन खतरों के समाधान के लिए विभिन्न कदम उठाये हैं जैसे-

(1) नक्सलवादी आंदोलन के साथ कठोर पुलिस कार्यवाही जैसी प्रक्रिया अपनाकर ।

(2) विकास और रोजगार के माध्यम से इनका समाधान किया जाना ।

(3) विद्रोह का मुकाबला कूटनीतिक तरीके से किया जा रहा है ।

(4) युवायों को विकास के माध्यम से मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं ।
भारत सरकार की ये रणनीतियाँ सुदृढ़ राष्ट्र निर्माण में सहायक सिद्ध होगीं।

Social SCIENCE-1

सामाजिक विज्ञान

Time:3 hours (213) Maximum Marks: 100

समय :3 घंटे पूर्णांक:100

निर्देश: (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गये हैं।

(2) बहुविकल्पीय प्रश्नों के चार विकल्प दिये गये हैं। आप सही विकल्प चुनिये और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिये।

(3) दिये गये मानचित्र को उत्तर- पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।

1. भारत का सर्वाधिक साक्षरता दर वाला राज्य कौन-सा है? 1

   (A) त्रिपुरा (B) **महाराष्ट्र**

   (c) केरल (D) सिक्किम

2. सबसे पहले औधोगिक़ क्रांति कहां हुई थी? 1

   (A)इग्लैंड (B) फ्रांस

   (C) अमेरिका (D) जर्मनी

3. भारतीय संविधान के किस भाग में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का समावेश किया गया है ? 1

   (A)भाग -4 (B) भाग -3

   (c) भाग -1 (D) भाग-2

4. मध्यकालीन यूरोप की अर्थव्यवस्था बुनियादी रूप से किस पर आधारित थी?1

   (A) पशुपालन (B) कृषि

   (C) दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

5. ब्रिटिश भारत क्यों आए ? दो कारण दीजिए। 2
6. तमिलनाडु के तट पर शीत ऋतु में अधिक़ वर्षा क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए। 2
7. कल्याणकारी राज्य से आप क्या समझते हैं। 2
8. भारत पर साम्राज्यवाद के किन्हीं दो प्रभावों का उल्लेख कीजिए । 2

9. 1857 के विद्रोह की विफलता के कारणों को लिखिए । 4

10. नील खेती करने वाले किसानों के असंतोष के कारण बताइए। 4

11. फ्रांसीसी क्रांति के किन विचारों ने विश्व पर प्रभाव डाला? 4

12. ऐसे कौन- कौन से कारक है जो राष्ट्रीय़ समाकलन को बढ़ावा देते हैं तथा मजबूत बनाते हैं।4

13. हडप्पा सभ्यता की नगर योजना की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4

14. हिमालय तथा प्रायद्वीपीय जल प्रवाह प्रणाली में अन्तर कीजिए। 2×2=4

15. एक देश अपनी जनसंख्या को संसाधन में किस प्रकार बदल सकता है? किन्हीं चार तरीक़ों की जाँच कीजिए । 4

16. भारत में पाए जानेवाले उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों की चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।4

17. भारतीय रेगिस्तान की किन्हीं चार विशेषताओ का वर्णन कीजिए। 4

18. संवैधानिक उपचारों का अधिकार सबसे प्रमुख मूल अधिकार हैं। क्या आप इस कथन से सहमत है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए। 4

19. अधीनस्थ न्यायालयों या अवर न्यायालयों के द्वारा किस प्रकार के मामलों की सुनवाई होती हैं? 4

20. ग्राम पंचायत द्वारा किए जाने वाले कार्यों का वर्णन कीजिए। 4

21. भारतीय संविधान की किन्ही चार प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4

22. सामाजिक तथा आर्थिक समानता को बढ़ावा देने वाले किन्हीं चार निदेशक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 4

23. आपदा प्रबन्धन का क्या अर्थ है? हम आपदाओं के प्रतिकूल प्रभाव को कैसे कम कर सकते हैं। 4

24. भारत की स्वतंत्रता में भारत छोड़ों आंदोलन ने किस प्रकार योगदान दिया? 5

25. समाज के अभावग्रस्त वर्गों के सामाजिक सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की व्याख्या कीजिए। 5

26. भारत में पंचायती राज को क्यों और कैसे प्रारम्भ किया गया? स्पष्ट कीजिए। 5

27. मध्यकालीन भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताओं की समीक्षा कीजिए। 5

28. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइए और उनके नाम लिखिए। 4

(i) जास्कर पर्वत श्रृंखला

(ii) गंगा नदी

(iii) जवाहर लाल नेहरू समुद्री पतन

(iv) अग्रणी कपास उत्पादक राज्य

Roll No. | | | | | | | | | | | | |

Outline Map of India (Political)

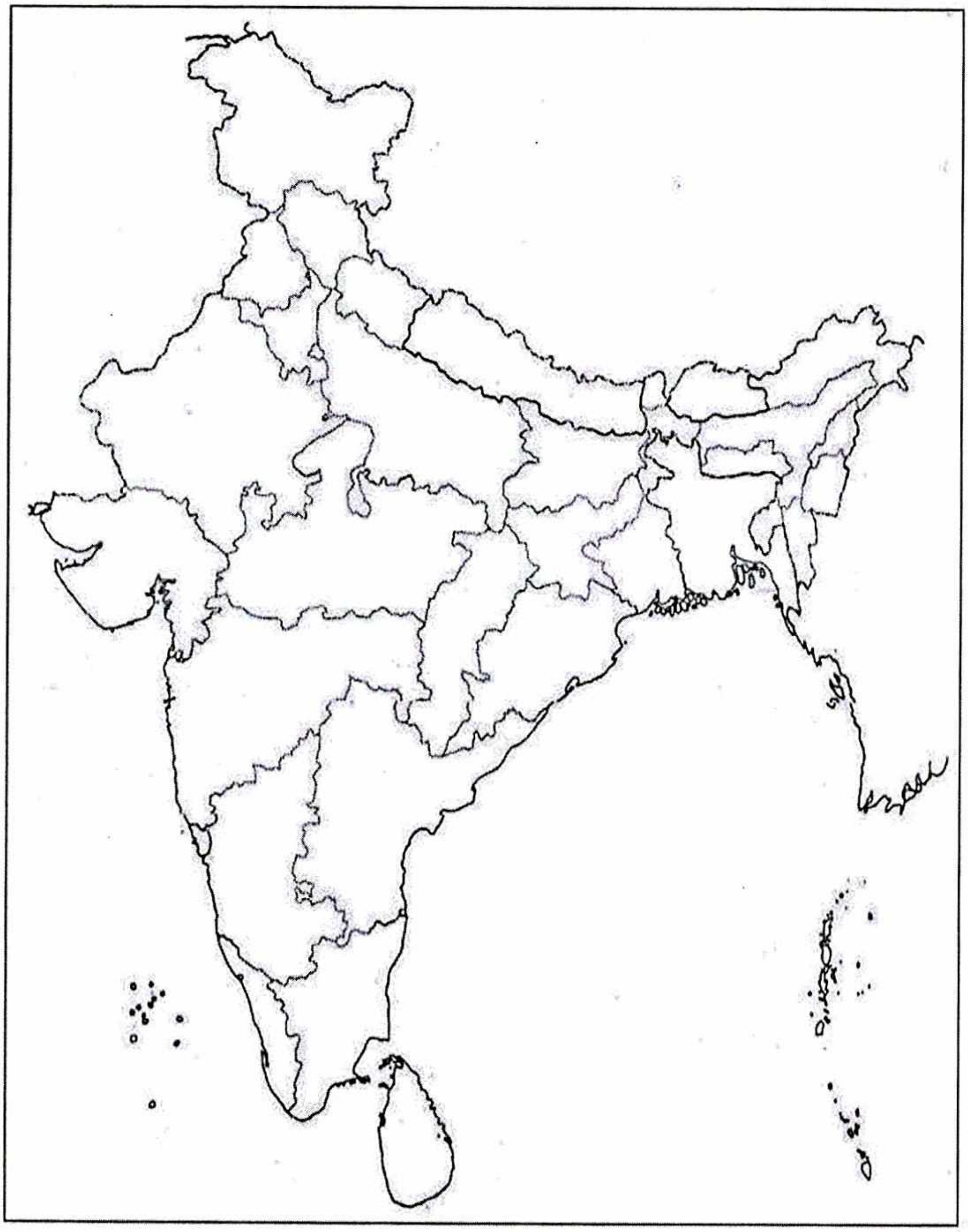

29 दिये गये भारत के रेखामानचित्र में भारत के उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारे के चार अंतिम नगरों को 1, 2, 3 और 4 से दिखलाया गया है। इन्हें पहचानिये तथा इनके सही नाम अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिये।

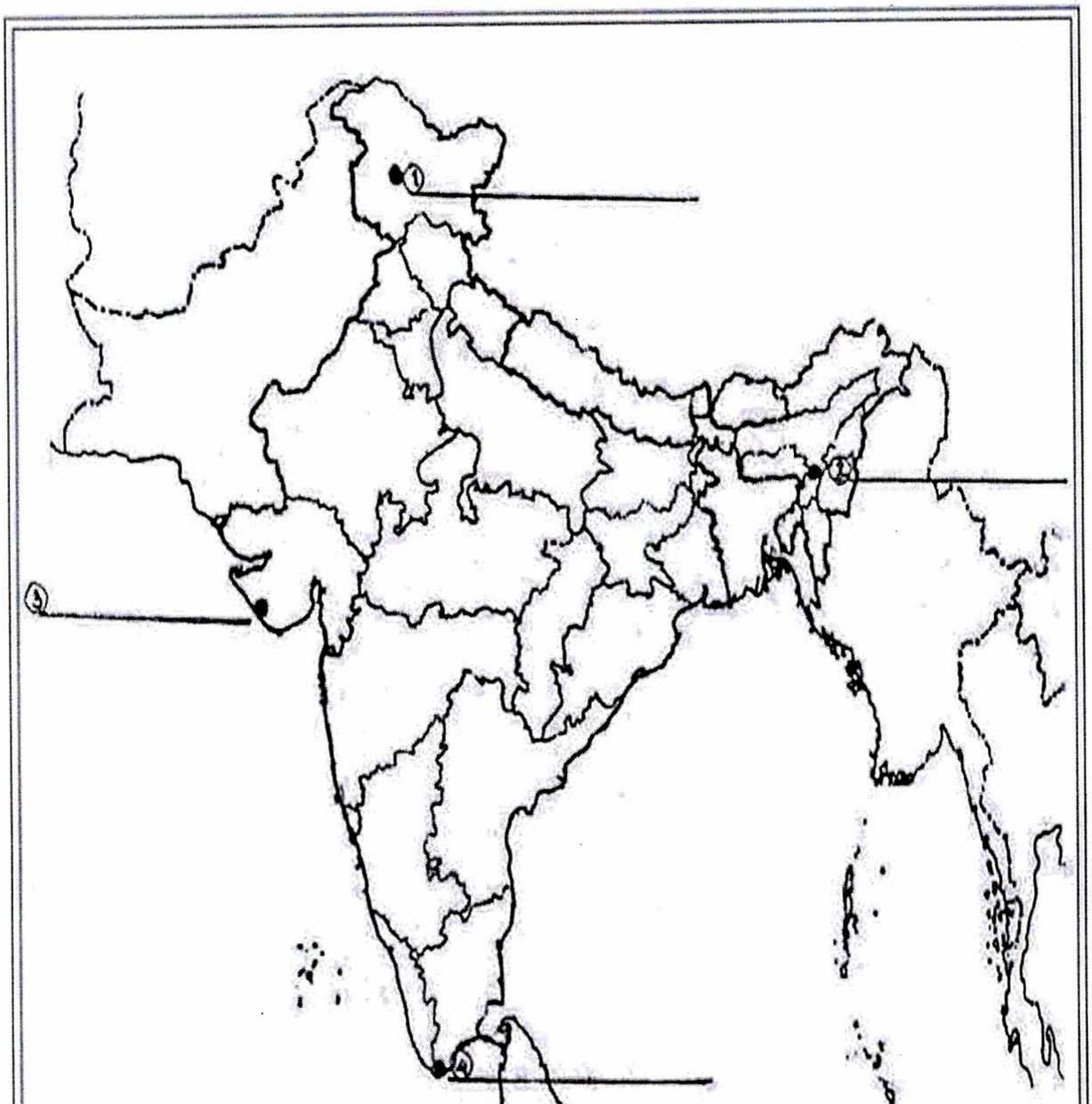

सामाजिक विज्ञान-2

(213)

Time : 3 Hour Maximum Marks :100

समय: 3 घंटे पूर्णाक :100

निर्देश: (1) सभी प्रशन अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गये हैं।

(2) बहुविकल्पीय प्रश्नों के चार विकल्प दिये गये हैं। आप सही विकल्प चुनिये और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिये।

(3) दिये गये मानचित्र को उत्तर- पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।

1. निम्नलिखित में से किस दिन कौमी एकता दिवस मनाया जाता हैं? 1

(A)19 अगस्त (B) 9 सितंबर

(C)19 अक्टूबर (D)19 नवम्बर

2. निम्नलिखित में सें कौन भारत में राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति करता हैं ? 1.

(A) प्रधानमंत्री (B) राष्ट्रपति

(C) मुख्य न्यायाधीश (D) मुख्यमंत्री

3. पीछे हटते हुए मानसून से सबसे अधिक वर्षा कहाँ होती हैं। 1

(A) तमिलनाडु (B) कोलकात्ता

(C) उत्तर प्रदेश (D)दिल्ली

4. इनमें से किसने 1905 में बंगाल के विभाजन की घोषणा की थी।
1

(A) लॉर्ड रिपन (B)लॉर्ड कर्जन

(C) लॉर्ड लिटन (D) लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स

5. इकता और जागीर प्रणाली के बीच कोई दो अंतर लिखिए । 2

6. भारत में जैव आरक्षित क्षेत्रों की स्थापना के लिए कोई दो उद्देश्य बताइए । 2

7.मुख्यमंत्री के दो कार्य लिखिए। 2

8.1857 के विद्रोह के कोई दो कारण लिखिए। 2

9. रूसी क्रांति को परिभाषित करते हुए भारत पर साम्राज्यवाद के प्रभाव को समझायें। 4

10. साम्राज्यवाद को परिभाषित करते हुए भारत पर साम्राज्यवाद के प्रभावों को समझाइए। 4

11. राजा राम मोहनराय तथा ईश्वर चन्द्र विधासागर द्वारा समाज सुधार के लिए किए गए प्रयासों को लिखिए ।4

12. सर्वशिक्षा अभियान और राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के लक्षित समूहों की पहचान करें। 4

13. स्थायी बंदोबस्त की शुरुआत किसने की थी? इसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 4

14. आर्द्रभूमि क्या होती हैं? इनके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 4

15. उत्तराखंड में जनसंख्या का घनत्व कम क्यों है? चार कारण दीजिए। 4

16. भारत में वाणिज्यिक खेती की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 4

17.भारत में वायु परिवहन के महत्व को स्पष्ट कीजिए। 4

18. सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्रों को समझाइए। 4

19.लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के महत्व की परख कीजिए। 4

20. भारत में चुनाव के दौरान मतदान अधिकारी के कार्यो का वर्णन कीजिए। 4

21. स्वंतत्रता प्राप्ति के समय भारत के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का वर्णन कीजिए। 4

22. स्वतंत्रता के अधिकार पर लगाये गये प्रतिबंधों पर प्रकाश डालिए। 4

23. शांति और सुरक्षा का अर्थ बताते हुए सुरक्षा की पारंपरिक धारणा को समझाइए। 5

24. ब्रिटिश भारत में महिलाओं की स्थिति सुधारने में मदद करने वाले कानूनी उपायों को लिखिए। 5

25. पुर्नजागरण के दौरान यूरोप के लोगों की विचार पद्धतियों में आए परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए। 5

26. गुट निरपेक्ष आंदोलन की उत्पत्ति की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 5

27. भारत में राज्यपाल की नियुक्ति को समझाते हुए राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तियों की व्याख्या कीजिए। 5

28. दिए गए भारत के रेखा- मानचित्र में निम्नलिखित को उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइए और उनके नाम लिखिए : 4

i) कृष्णा नदी

ii) अग्रणी चावल उत्पादक राज्य

iii) चेन्नई अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

iv) विशाखापत्तनम समुंद्री पतन

Roll No. | | | | | | | | | | | | |

Outline Map of India (Political)

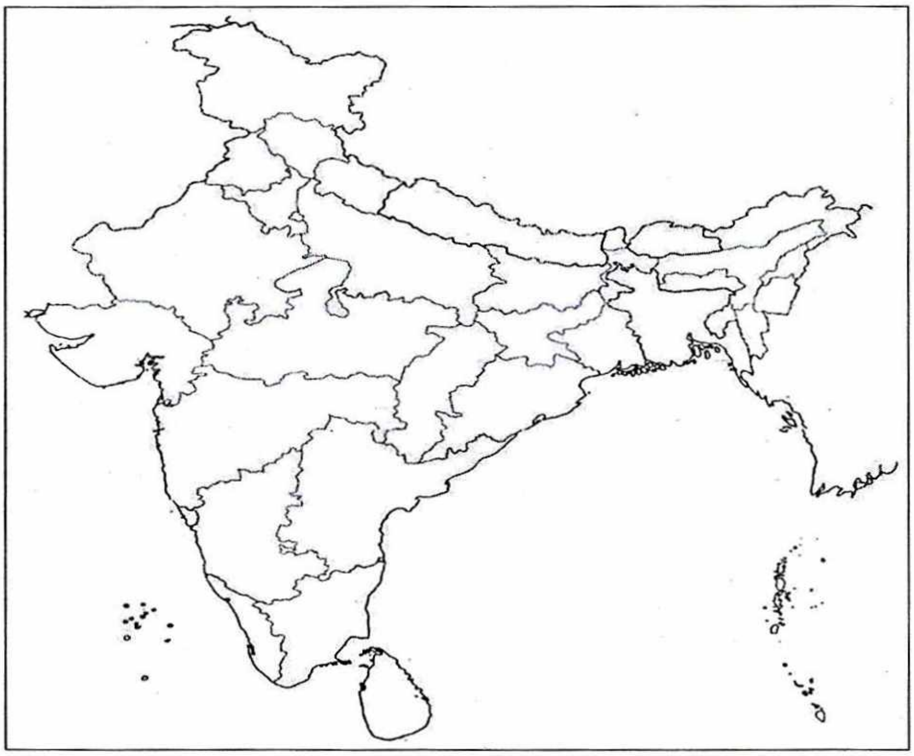

29 दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में भारत के पेरट कोट में चार प्रमुख बंदरगाहों को (A), (B), (C) और (D) से दर्शाया गया है। इन्हें पहचानिये तथा इनके नाम अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

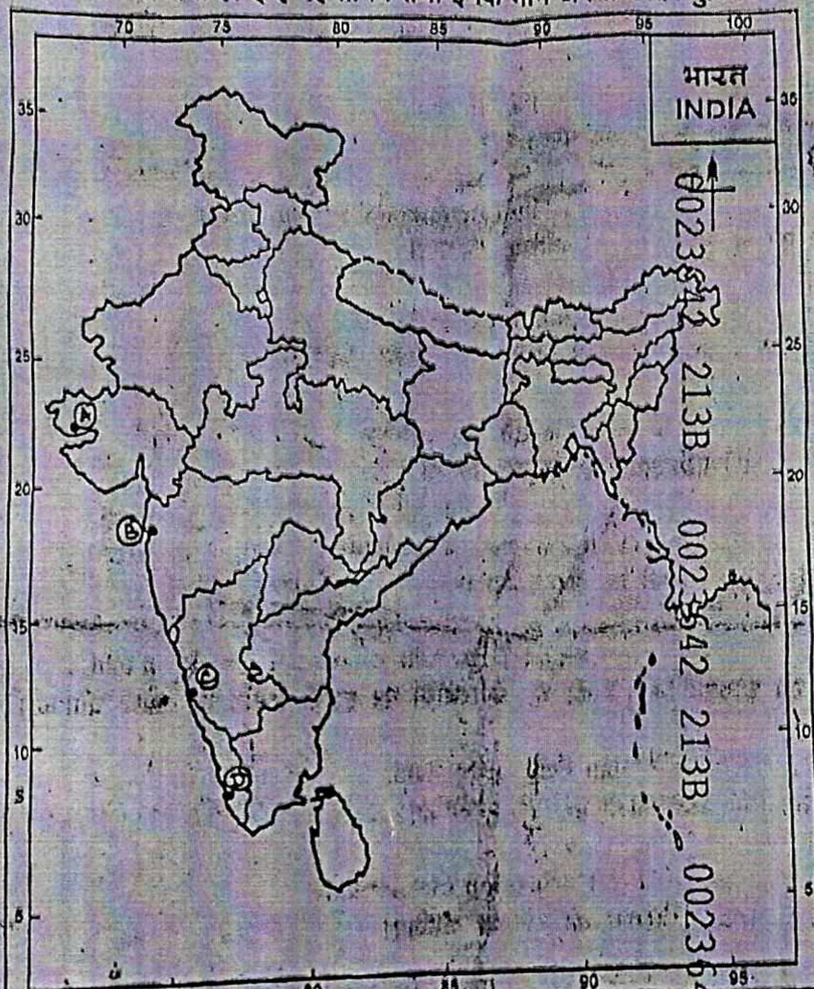

Visually Impaired Candidates only in place of

सामाजिक विज्ञान-3

(213)

Time : 3 Hour MaximumMarks :100

समय: 3 घंटे पूर्णांक :100

निर्देश: (1) सभी प्रशन अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गये हैं।

(2) बहुविकल्पीय प्रश्नों के चार विकल्प दिये गये हैं।आप सही विकल्प चुनिये और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिये।

(3) दिये गये मानचित्र को उत्तर- पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।

1. जैसे-जैसे हम भूमध्य रेखा के निकट जाते हैं तापमान के संदर्भ में से कौन सी स्थिति सही हैं?1

(A) यह बढ़ता हैं। (B)यह घटता हैं।

(C)यह स्थिर रहता है। (D) यह घटता- बढ़ता हैं।

2. निम्न में से किस वर्ष में भारतीय संसद में निशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा अधिनियम पारित हुआ था? 1

(A) 2009 (B)2011
(c)2010 (D)2012

3. गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को क्यों स्थगित कर दिया? 1

(A) ब्रिटिश शासन ने उनकी सभी मांगें स्वीकार कर ली।

(B) कॉग्रेस नेताओं के बीच मत भेद का होना।

(C) गांधीजी को इस आन्दोलन के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया।

(D) चौरी चौरा गांव में हिंसा का होना।

4. राज्य सभा सदस्य का कार्य काल होता हैं: 1

(A)5 वर्ष (B) 6वर्ष

(C)3 वर्ष (D) 2 वर्ष

5.भारत के उतरी मैदानों की किन्हीं दो विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 2X 1=2

6. शिक्षा का अधिकार भारत में निरक्षरता को दूर करने में कहां तक सक्षम होगा? 2 X 1=2

7.मेसोपोटामिया के लोगों द्वारा लिखी जाने वाली लिपी का नाम लिखिए तथा इसकी एक विशिष्ट विशेषता लिखिए । 2 X1=2

8.स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा किए गए सामाजिक सुधारों को उजागर कीजिए। 2×1=2

9.भारत में उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों की किन्ही चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।4X1=4

10.संयुक्त राष्ट्र संघ(यू. एन.ओ.) का गठन कब हुआ? इसके किन्हीं तीन उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए।1+3=4

11.भारतीय जलवायु को प्रभावित करने वाले किन्ही चार कारकों का वर्णन कीजिए। 4×1=4

12. 1857 के विद्रोह के प्रमुख कारणों की व्याख्या कीजिए। 4×1=4

1 3. मानसून की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4×1=4

14. पूर्व वैदिक आर्यो के सामाजिक, धार्मिक,और आर्थिक जीवन का वर्णन करो।4×1=4

1 5. भारत में गेहूँ उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए। 4×1=4

1 6.भारत में सड़क परिवहन के महत्व को स्पष्ट कीजिए। 4×1=4

1 7.भारत में नगर निगमों के किन्ही चार कार्यों की व्याख्या कीजिए। 4×1=4

18.ऐसे कौन से नीति निदेशक तत्व हैं, जो गाँधीवादी विचारधारा को प्रतिबिम्बित करते हैं? 4×1=4

19. राज्यपाल की नियुक्ति कैसे होती है? राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तिय़ों का वर्णन करे। 1+3=4

20.भारतीय संघीय व्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4×1=4

21. भारतीय चुनाव प्रणाली में सुधार लाने के लिए आवश्यक सुझाव बताइए। 4×1=4

22.खिलाफत तथा असहयोग आंदोलन के कारणों की जाँच कीजिए । 2×2=4

23.भारत में शांति और सुरक्षा के लिए व्याप्त आन्तरिक खतरों पर प्रकाश डालिए । 4×1=4

24. अंग्रेजो की भू-राजस्व नीतियों ने किसानों के जीवन को कैसे प्रभावित किया? 5×1=5

25.भारत में चुनाव के दौरान रिटर्निंग अधिकारी के कार्यो का वर्णन कीजिए। 5×1=5

26. संविधान द्वारा हमें प्रत्याभूत छः मूल अधिकारों का वर्णन कीजिए । 5

27.भारत में क्षेत्रीय असन्तुलन और सामाजिक आर्थिक विषमताएं क्यों है। इसके लिए उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण कीजिए। 1 +4=5

28. दिए गए भारत के रेखा- मानचित्र में निम्नलिखित को उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइए और उनके नाम लिखिए : 1×4=4

(i)अरावली पहाड़ियां

(ii)कावेरी नदी

(iii) चाय का अग्रणी उत्पादक राज्य

(iv)नंदा देवी जैव आरक्षित क्षेत्र

Roll No. | | | | | | | | | | | |

Outline Map of India (Political)

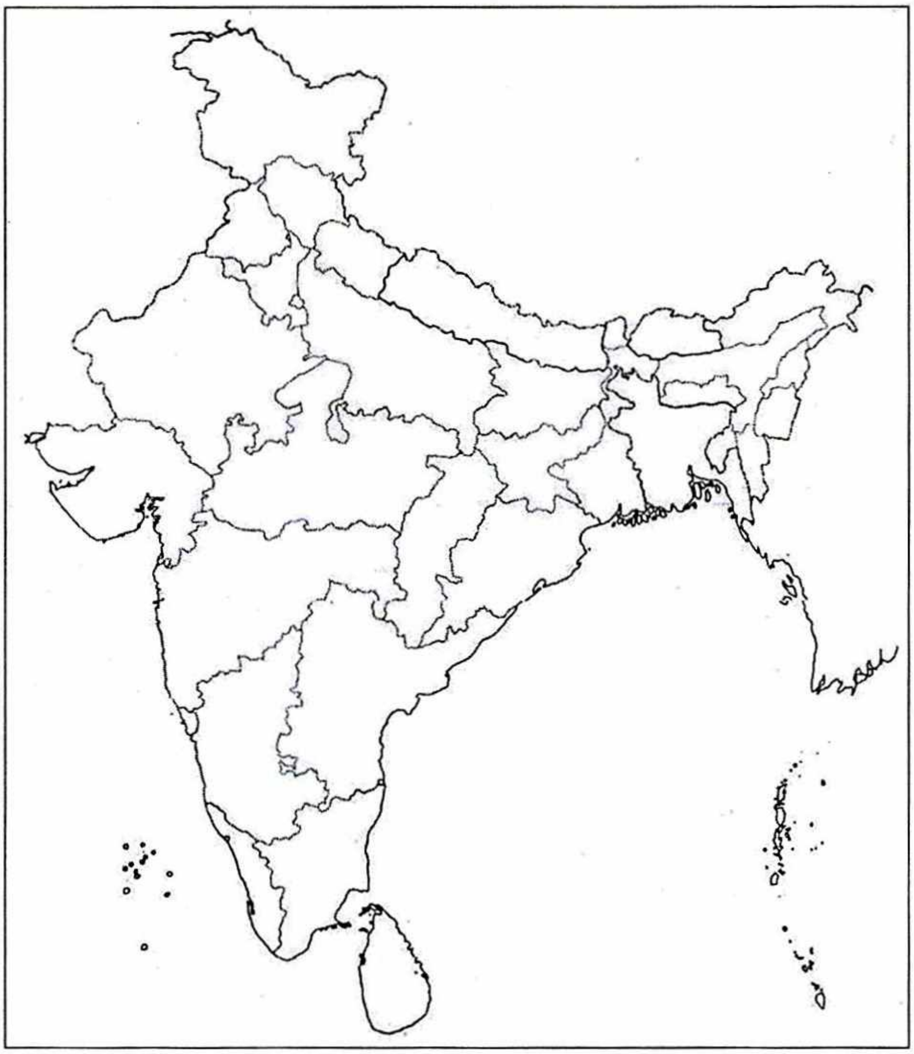

51/AS/3-213-A]

Map of India. 1 × 4 = 4

29 दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा-मानचित्र में स्वर्णिम चतुर्भुज से जुड़े चार महानगरों को A, B, C और D से दिखाया गया है। इन्हें पहचानिए तथा इनके सही नाम अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

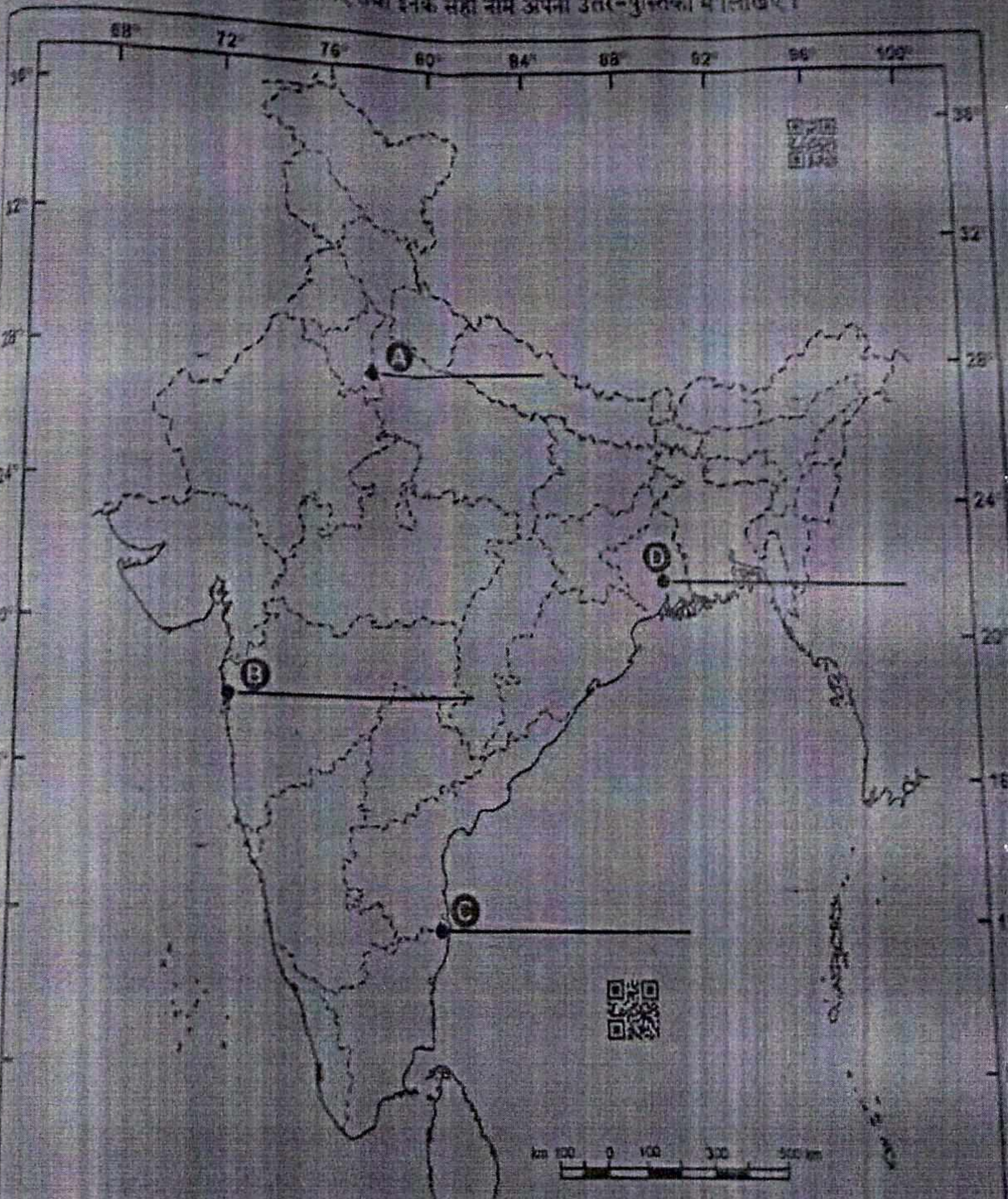

Social SCIENCE- 4

सामाजिक विज्ञान

Time:3 hours (213) Maximum Marks: 100

समय :3 घंटे पूर्णांक:100

निर्देश: (1) सभी प्रशन अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गये हैं।

(2) बहुविकल्पीय प्रश्नों के चार विकल्प दिये गये हैं। आप सही विकल्प चुनिये और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिये।

(3) दिये गये मानचित्र को उत्तर- पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।

1. निम्नलिखित में से कौन जल निकायों को प्रदूषित नहीं करता है? 1

(A) बढ़ती जनसंख्या (B) औधोगिकरण

(B) नगरीकरण (D)संसाधनों का पुनर्चक्रण

2. जर्मनी, ऑस्ट्रिया तथा इटली ने निम्न में से किस वर्ष में ट्रिपल एलायंस पर हस्ताक्षर किये थे?1

(A) 1882 (B) 1886

(C) 1884 (D) 1888

3. 86वें सांविधानिक संशोधन अधिनियम 2002 का उद्देश्य क्या है? 1

(A) नि:शुल्क महाविद्यालय शिक्षा (B)14वर्ष कीआयु तक निःशुल्क तथा अनिवार्यशिक्षा

(C) सभी के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य (D) अनिवार्य रोजगार

4.अंग्रेजों का प्रारम्भ में भारत आने का क्या उद्देश्य था? 1

(A) व्यापार (B) उद्योग स्थापित करना

(C) इसाई धर्म को फैलाना (D)राजनीतिक शक्ति प्राप्त करना

5. 1688 की गौरवपूर्ण क्रांति विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत थी सिद्ध कीजिए। 2

6. निर्वाह तथा वाणिज्यिक खेती में अंतर स्पष्ट कीजिए। 1+1= 2

7. भारत में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष चुनावों के बीच उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। 1+1= 2

8. साइमन कमीशन का भारतीयों ने बहिष्कार क्यों किया ? 2

9. अशोक के अनुसार धर्म से क्या तात्पर्य है?ऐसे किन्हीं चार स्थानों के नाम लिखिए जहाँ उनके शिलालेख पाए गए है। 2×2=4

10. प्रथम विश्व युद्ध के परिणामों की जाँच कीजिए। 4

11. इस्लाम की प्रमुख शिक्षाओं का वर्णन कीजिए। 4

12. प्राकृतिक पर्यावरण की संरचना की व्याख्या कीजिए। 4

13.इंग्लैंड और जर्मनी के बीच प्रतिस्पर्धा के दो कारण लिखिए। जिससे प्रथम विश्व युद्ध प्रारम्भ हुआ। 2×2=4

14. चाय के उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियों की व्याख्या कीजिए | 4

15. जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले किन्हीं चार कारकों की व्याख्या कीजिए। 4

16. भारत में ग्रीष्म ऋतु की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 4

17. भारत में कंटीले वनों की किन्ही चार विशेषताओं की व्याख्या कीजिए । 4

18. भारत के राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियों की व्याख्या कीजिए । 4

19. समानता एक महत्वपूर्ण संवैधानिक मूल्य क्यों है? कोई चार कारण स्पष्ट कीजिए। 4

20. राजनीतिक दल के किन्हीं चार कार्यों की व्याख्या कीजिए। 4

21 भारत के प्रधानमंत्री की किन्ही चार शक्तियों का वर्णन कीजिए। 4

22 राजनीतिक दल तथा दबाव समूह में अंतर स्पष्ट कीजिए। 4

23. बढ़ती हुई जनसंख्या किस प्रकार पर्यावरण का क्षरण करती है। चार कारण स्पष्ट कीजिए। 4

24. औधोगिक क्रांति के समय कारखानों में काम करने वाली महिलाओं की दशाओं को स्पष्ट कीजिए।5

25.1947 में भारत के विभाजन के किन्हीं पांच कारको का वर्णन कीजिए। 5

26. भारत में नगर निगमों के किन्ही पाँच कार्यों की व्याख्या कीजिए। 5

27. जनमत का निर्माण करने वाले अभिकरणों की भूमिका का वर्णन कीजिए। 5

28. दिये गए भारत के राजनीतिक रेखा- मानचित्र में निम्नलिखित को उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइए । 4

1) अग्रणी कॉफी उत्पादक राज्य

2) नीलगिरी श्रृंखला

3) सतलुज नदी

4)हल्दिया समुद्री पतन

Roll No. | | | | | | | | | | | | |

Outline Map of India (Political)

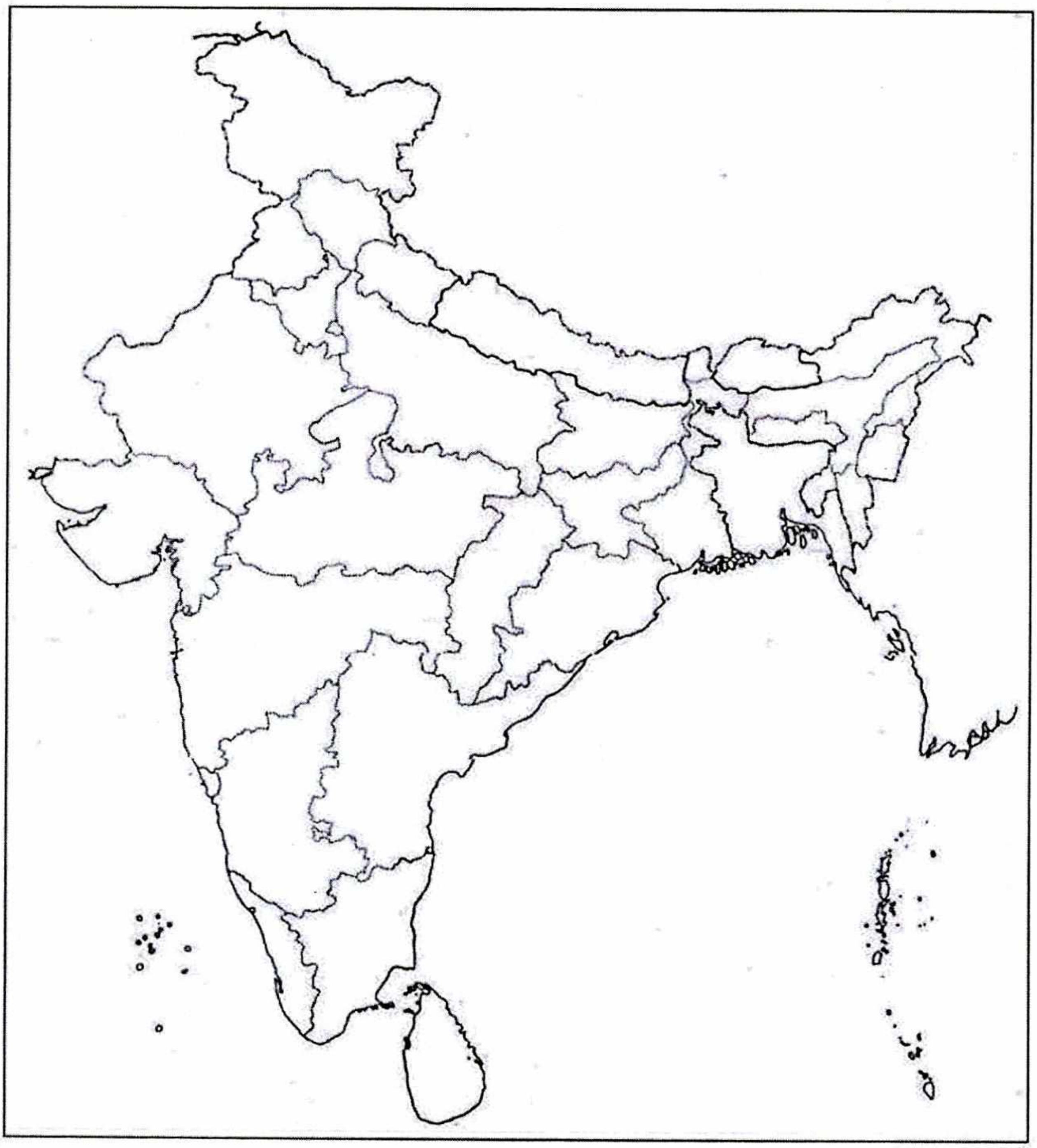

29 दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा-मानचित्र में चार प्रमुख जैव आरक्षित क्षेत्रों को (A), (B), (C), (D) से दर्शाया गया है। इन क्षेत्रों को पहचानिए व उनके सही नाम अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए।

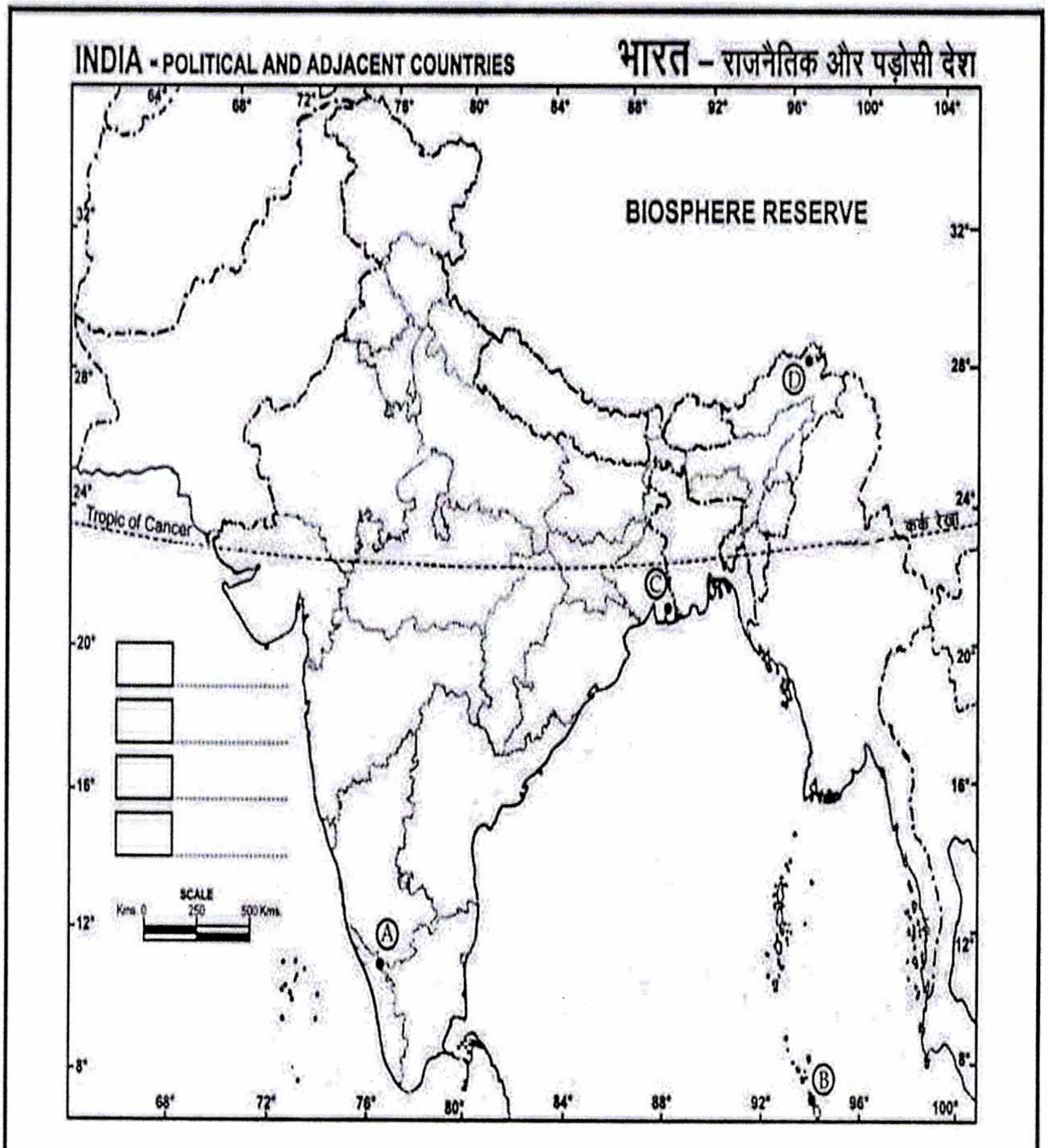

सामाजिक विज्ञान- 5

(213)

Time : 3 Hour | Maximum Marks :100

समय: 3 घंटे | पूर्णांक :100

निर्देश: (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गये हैं।

(2) बहुविकल्पीय प्रश्नों के चार विकल्प दिये गये हैं।आप सही विकल्प चुनिये और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिये।

(3) दिये गये मानचित्र को उत्तर- पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए।

प्रश्न 1 भाप इंजन का अविष्कार किसने किया ? 1

a) जेम्स वाट b) एडमंड कार्टराईट

c) सैमुएल d) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 2 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई ? 1

a) 1985 b) 1885

c) 1905 d) 1919

प्रश्न 3 इंदिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा कहाँ स्थित है ? 1

a) पटना b) दिल्ली

c) मुंबई d) चेन्नई

प्रश्न 4 हमारे मौलिक अधिकारों का अभिरक्षक किसे कहा जाता है ? 1

a) संसद b) संविधान

c) राष्ट्रपति d) सर्वोच्च न्यायालय

प्रश्न 5 पुनजार्गरण के मुख्य विचार क्या थे ? 2

प्रश्न 6 अग्रेज़ी ने देशी राज्यों के अधिग्रहण के लिए कौन से दो मुख्य तरीके अपनाए ? 2

प्रश्न 7 तटीय मैदानों की किन्हीं भी दो आर्थिक गतिविधियों को बताइए ? 2

प्रश्न 8 महाभियोग किसे कहते हैं ? 2

प्रश्न 9 हड़प्पावासियों के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन का वर्णन कीजिए ? 4

प्रश्न 10 महालवारी बंदोबस्त की कोई चार विशेषताएँ लिखें ? 4

प्रश्न 11 मुसलमानों में अग्रेज़ी की शिक्षा किसने शुरू की ? इस क्षेत्र में उनके योगदान और भूमिका का वर्णन करें ? 4

प्रश्न 12 1857 की क्रांति के किन्हीं चार सामाजिक,धार्मिक और तात्कालिक कारणों का वर्णन कीजिए ? 4

प्रश्न 13 हिमालय वन की चार विशेषताएँ लिखें । 4

प्रश्न 14 भारतीय कृषि द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख चार चुनौतियाँ का विश्लेषण कीजिए । 4

प्रश्न 15 सड़क मार्ग के चार गुण लिखें । 4

प्रश्न 16 राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 के मुख्य उददेश्य लिखें । 4

प्रश्न 17 स्वतंत्रता के अधिकार को विस्तार से लिखें । 4

प्रश्न 18 संविधान में दिए गए किन्हीं चार मूल कर्त्तव्यों का वर्णन कीजिए । 4

प्रश्न 19 संविधान निर्माताओं ने यह निर्णय क्यों किया कि भारत एक कल्याणकारी राज्य होगा । 4

प्रश्न 20 ग्राम पंचायत के किन्हीं चार आय के स्त्रोतों का वर्णन करें । 4

प्रश्न 21 भारतीय दलीय प्रणाली भी किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन करें । 4

प्रश्न 22 मनुष्य के किन्हीं चार कार्यकलाप लिखें जिनसे वह पर्यावरण क्षरण कर रहा है । 4

प्रश्न 23 शांति और सुरक्षा के लिए व्याप्त आन्तरिक खतरों में नक्सलवादी आंदोलन की व्याख्या कीजिए। 4

प्रश्न 24 औधोगिक क्रांति के कारण समाज में आए परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए । 5

प्रश्न 25 बंगाल के विभाजन की घोषणा किसने की ? भारतीयों पर इसके प्रभाव को स्पष्ट कीजिए । 5

प्रश्न 26 भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन कैसे होता है ? भारत के राष्ट्रपति की शक्तियों की व्याख्या कीजिए । 5

प्रश्न 27 लोकतंत्र में जनमत के महत्व का वर्णन कीजिए। 5

प्रश्न 28 दिए गये भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र में निम्लिखित को उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइये और उनके नाम लिखिये : 4

1) के 2 शिखर
2) नर्मदा नदी
3) सुन्दरवन जैव आरक्षित क्षेत्र
4) सरदार वल्लभ भाई पटेल अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ।

Roll No. | | | | | | | | | | | |

Outline Map of India (Political)

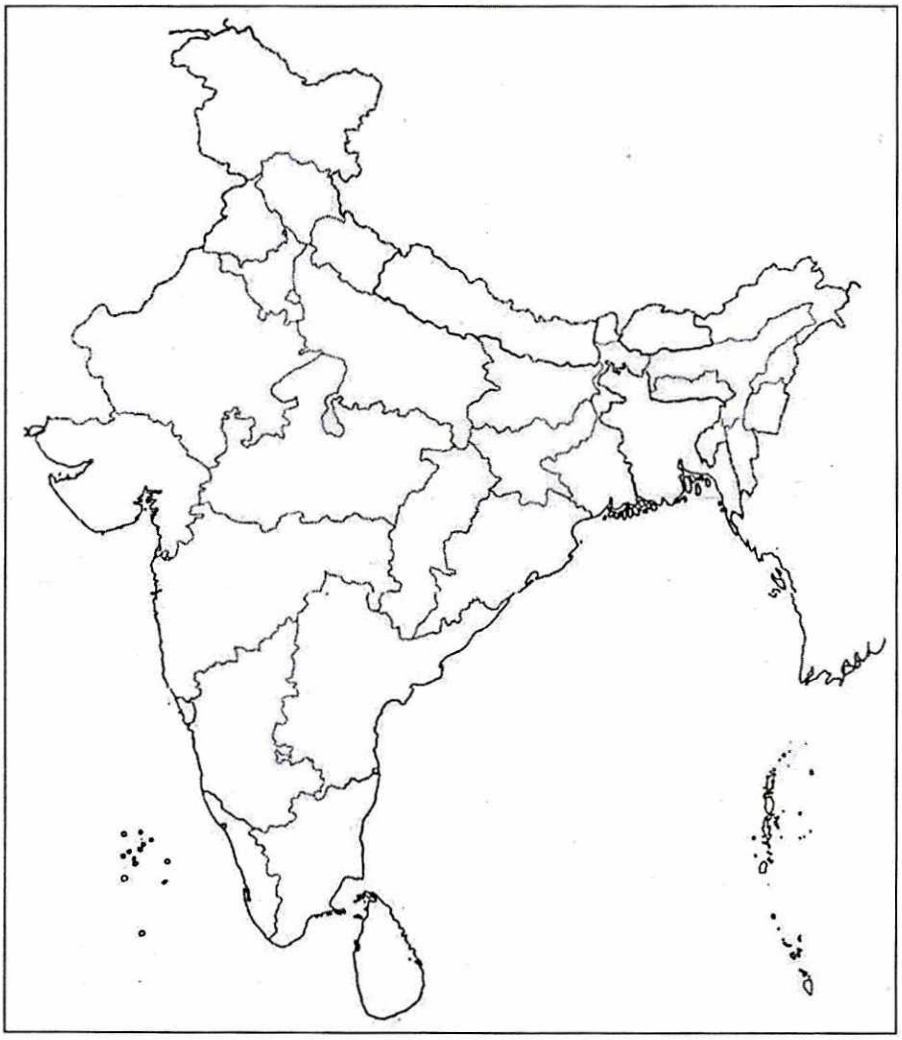

51/AS/3-213-A]

29 Identify and write in your answer book the correct names of the four types of forests shown as (A), (B), (C) and (D) in the given outline political map of India. **4x1=4**

दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा-मानचित्र में, चार प्रकार के वनों को (A), (B), (C) तथा (D) से दर्शाया गया है। इन वनों के प्रकार पहचानिए तथा उनके सही नाम अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।